20 नवंबर 2026
शुक्रवार, रायपुर
वर्ष : 26 अंक : 276
पृष्ठ : 12 मूल्य ₹ 2.00
RNI NO. CHH HIN/2001/05596

सुप्रभात रायपुर

दैनिक प्रतिदिन राजधानी

आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी
pratidincg@gmail.com
+91 98060 44444

E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in



रायपुर
विश्व शौचालय दिवस पर महापौर मीनल ... 03 पृष्ठ

खेल
भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट : पहले दिन किवी ... 07 पृष्ठ

व्यापार
भारत में पहली बार ड्यूल-कंसोल ... 08 पृष्ठ

देश
ग्रीस, स्पेन और नेपाल के राजदूतों... 11 पृष्ठ

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

संक्षिप्त समाचार



चक्रवात 'अकवान' के आज आंध्र-ओडिशा तट से टकराने के आसार

नई दिल्ली। पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में बना भीषण चक्रवाती तूफान 'अकवान' तेजी से तटीय इलाकों की ओर बढ़ रहा है। इसके आज शुक्रवार की दोपहर तक नरसपुर और पुरी के बीच गोपालपुर के निकट उत्तरी आंध्र प्रदेश, यनम तथा दक्षिणी ओडिशा के तटों को पार करने की संभावना है। जमीन से टकराने के दौरान 90-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जो झोंकों के साथ 110 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। इसके मद्देनजर उत्तरी आंध्र प्रदेश, यनम और दक्षिणी ओडिशा के तटों के लिए 'रेड मैसेज' (चक्रवात चेतावनी) जारी की गई है।

भारत टेलीकॉम सर्विस के सबसे बड़े उपभोक्ता से सर्विस प्रोवाइडर के रूप में बढ़ रहा आगे : ज्योतिरादित्य सिंधिया



भोपाल। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत ने 5जी इंफ्रास्ट्रक्चर में अभूतपूर्व प्रगति की है। देश में 50 करोड़ उपभोक्ता 5जी इस्तेमाल करते हैं। भारत 6जी इंटरनेट सुविधा के विकास में भी दुनिया का नेतृत्व करेगा। बदलते माहौल में भारत टेलीकॉम सर्विस के सबसे बड़े उपभोक्ता से सर्विस प्रोवाइडर के रूप में आगे बढ़ रहा है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया गुरुवार को भोपाल में आयोजित टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन इन्वेस्टर मीट को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी विशेष रूप से मौजूद रहे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ ग्वालियर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन (टीएमजेड) निवेशक सम्मेलन का शुभारंभ किया।

सिंधिया ने कहा कि अतिथि देवो भवः मध्य प्रदेश की परंपरा रही है। आज जो निवेशक अतिथि के रूप में पधारे हैं, वे भविष्य में मध्य प्रदेश को आगे बढ़ाकर यही के निवासी भी बनेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास का नक्शा तैयार हुआ है, संकल्प, निष्ठा के साथ एक क्रांति पैदा हुई है, जिसकी नींव 12 वर्ष पहले प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रखी गई थी।



मुख्यमंत्री साय ने किया ऑडिट पखवाड़ा 2026 का शुभारंभ... वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही को बताया सुशासन का आधार

जनता के एक-एक रुपये का सही उपयोग सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि जनता के एक-एक रुपये का सही उपयोग सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सार्वजनिक धन केवल वित्तीय आंकड़ा नहीं, बल्कि प्रदेश के नागरिकों की आशाओं, आकांक्षाओं और बेहतर भविष्य से जुड़ा हुआ है। जब किसी गांव में सड़क बनती है, किसी स्कूल में नया भवन तैयार होता है, दूरस्थ आदिवासी अंचल में नल से जल पहुंचता है या किसी माता-बहन के खाते में महतारी वंदन योजना की राशि पहुंचती है, तो इन सभी के पीछे जनता का पैसा होता है। इसलिए इसका पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना सुशासन की बुनियादी आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री श्री साय आज राजधानी रायपुर स्थित महालेखाकार आवासीय परिसर के सामुदायिक भवन में आयोजित ऑडिट पखवाड़ा 2026 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को ऑडिट दिवस एवं ऑडिट पखवाड़े की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत रुद्राक्ष का पौधा भी रोपा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि लेखा एवं लेखा परीक्षा से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी पर्दे के पीछे रहकर शासन की वित्तीय रीढ़ को मजबूती प्रदान करते हैं। उनका कार्य केवल आय-व्यय का हिसाब रखना नहीं, बल्कि सार्वजनिक संसाधनों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए शासन की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना भी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है। यही भावना शासन के प्रत्येक निर्णय और प्रत्येक वित्तीय प्रक्रिया में दिखाई देनी चाहिए।

डिजिटल तकनीक और डेटा आधारित लेखा परीक्षा से सुदृढ़ होगी प्रदेश की वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था



लेखा परीक्षा की टिप्पणियां सुधार का अवसर, वित्तीय अनुशासन से मजबूत होगा जनविश्वास

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग का ध्येय वाक्य 'लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा' सुशासन की मूल भावना को अभिव्यक्त करता है। लेखा परीक्षा शासन की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसकी टिप्पणियों को बाधा के रूप में नहीं, बल्कि सुधार के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। लेखा परीक्षा एक ऐसे आईने की तरह है, जो शासन को अपनी कमियां पहचानने और उन्हें दूर करने की दिशा दिखाती है।

मुख्यमंत्री ने सभी विभागों से उपयोगिता प्रमाणपत्र समय पर प्रस्तुत करने, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों के बैंक खातों में उपलब्ध अव्ययित राशि का नियमानुसार उपयोग अथवा समायोजन सुनिश्चित करने तथा लेखा परीक्षा प्रतिवेदनों और विधानसभा की लोक लेखा समिति की अनुशंसाओं पर समयबद्ध कार्रवाई करने का आग्रह किया।



मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर स्थित महालेखाकार आवासीय परिसर के सामुदायिक भवन में आयोजित ऑडिट पखवाड़ा 2026 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को ऑडिट दिवस एवं ऑडिट पखवाड़े की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत रुद्राक्ष का पौधा भी रोपा।

विकसित भारत को आगे रख उद्योग दीर्घकालिक निवेश पर विचार करें : प्रधानमंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को देश के उद्योगों से विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि अब समय यह तय करने का है कि भारतीय उद्योग अगले 20 वर्षों में क्या हासिल कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने दीर्घकालिक निवेश निर्णय में भारत प्रथम को सोच का आधार बनाना होगा। देश के आत्मनिर्भर बनने पर व्यापार के नए अवसर खुलेंगे।

उन्होंने इस संदर्भ में गांधीजी की साल 1930 में कही गई बात को उद्धृत करते हुए कहा, 100 साल हो गए... लेकिन 1930 में गांधी यही कहकर गए थे और आज इतने साल के बाद मुझे भी यही कहना पड़ रहा है। मेरी मत मानो, गांधी की तो मानो। वे भी स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत कहकर गए थे। मेरी इस बात को भी घर-घर में पहुंचाओ!

प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को उद्योग संघ (फिक्की) की वार्षिक आम बैठक और वार्षिक सम्मेलन का दिल्ली के भारत मंडप में उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि उद्योग जगत को यह विचार करना चाहिए कि भारत में कौन-से ऐसे निर्माण घटक हैं जिनका भारत में ही निर्माण एवं उत्पादन संभव है। उन्होंने इस संदर्भ में फार्मा उद्योग का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया में फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड कहते हैं, इसके बावजूद भारत हर साल एपीआई, बल्क ड्रग्स और ड्रग्स इंटरमीडिएट्स का बिलियंस ऑफ डॉलर का इंपोर्ट करता है।

उन्होंने कहा, ऐसी सैकड़ों कैटेगरी हैं, जिनमें हम आज इंपोर्ट पर निर्भर हैं। हमारी फार्मा इंडस्ट्री को समझना होगा कि ऐसे कौन-से इंग्रेडिएंट्स हैं, जिन्हें हम भारत में बना सकते हैं। किन क्षेत्रों में नई टेक्नोलॉजी और बड़े प्रोडक्शन प्लांट में इन्वेस्ट करके हम दूसरे देशों के सामने कॉम्पिटिटिव बन सकते हैं?

प्रधानमंत्री ने उद्योग जगत से आग्रह किया कि उन्हें भारत के कृषि क्षेत्र में अपना निवेश बढ़ाना चाहिए। स्पेसिफिक ओवरसीज मार्केट को ध्यान में रखकर डिपेंडेबल प्रोक्योरमेंट की व्यवस्था बनानी चाहिए।

प्रमुख मानवतावादी ग्रासा माचेल इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण एवं विकास पुरस्कार से सम्मानित

एजेंसी, नई दिल्ली



इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को ग्रासा माचेल को वर्ष 2025 का इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण एवं विकास पुरस्कार प्रदान किया। दिवंगत नेल्सन मंडेला की पत्नी, मोजाम्बिक की पूर्व शिक्षा मंत्री और प्रमुख मानवतावादी ग्रासा माचेल को यह पुरस्कार शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आर्थिक सशक्तिकरण और संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों की सुरक्षा के क्षेत्र में उनके कार्यों के लिए प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर सोनिया गांधी ने कहा कि इंदिरा गांधी ने लोगों, विशेषकर वंचितों की गरिमा और कल्याण में प्रगति देखी और उनका मानना था कि राजनीतिक स्वतंत्रता से उनके जीवन में सार्थक परिवर्तन आना चाहिए। इसी तरह से दशकों तक फैला मैडम ग्रासा माचेल का जीवन और कार्य राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर इन आदर्शों का सशक्त प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी और मैडम ग्रासा माचेल दोनों ही लोगों की अपने भविष्य को गढ़ने की शक्ति में विश्वास करती थीं। उनका जीवन हमें याद दिलाता है कि नेतृत्व का माप अन्याय को चुनौती देने के साहस और परिवर्तन लाने की प्रतिबद्धता से होता है। मैडम ग्रासा माचेल को सम्मानित करके, हम साहस, करुणा और सेवा के एक जीवन का जश्न मनाते हैं। उनका उदाहरण हमें एक ऐसे विश्व के निर्माण के लिए प्रेरित करे

दंतेवाड़ा में नक्सली डंप से एके-47 रायफल सहित गोला-बारूद व विस्फोटक सामग्री बरामद

दंतेवाड़ा (प्रतिदिन राजधानी)



छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में थाना बारसूर के ग्राम वाकेली एवं ग्राम बुरदुम के जंगल पहाड़ी इलाके में गुरूवार को नक्सलियों द्वारा पूर्व में छिपाकर रखे गये हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्रियों का बड़ा नक्सली डम्प सुरक्षाबलों ने बरामद किया है।

सुरक्षाबलों द्वारा बरामद सामग्री में एक एके-47 रायफल, एक मैगजीन और 25 एके-47 राउंड शामिल हैं। इसके अलावा एक .303 रायफल, दो बीजीएल लॉन्चर बंदूक, एक 315 बोर बंदूक और एक भरमार बंदूक भी बरामद की गई है। गोला-बारूद एवं अन्य सामग्रियों में 34 .303 राउंड, 28 बीजीएल राउंड, सात बीजीएल सेल, एक वॉकी-टॉकी सेट, लगभग पांच मीटर कोडेक्स वायर, एक कुकर बम और एक वॉकी-टॉकी चार्जर शामिल हैं।इसके साथ ही देशी मेड ग्रेनेड भी बरामद किया गया है। बरामद सभी नक्सल डुप की सामग्रियों को सुरक्षाबलों ने सुरक्षित रूप से अपने कब्जे में लेकर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की गई।

दंतेवाड़ा दंतेवाड़ा एसपी चंद्रमोहन सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिले में शांति, सुरक्षा और विकास का वातावरण मजबूत बनाने के उद्देश्य से एरिया डोमिनेशन एवं सर्चिंग अभियान के माध्यम से नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए हथियारों, गोला-बारूद, विस्फोटकों और अन्य नक्सल उपयोगी सामग्रियों के डम्प की तलाश की जा रही है।

सोने में गिरावट से ग्राहकों को राहत, ज्वेलर्स के मुनाफे पर दबाव



एजेंसी, नई दिल्ली। शादियों के सीजन की शुरुआत से ठीक पहले सोने की कीमतों में आई बड़ी गिरावट ने आम खरीदारों के चेहरे खिला दिए हैं। पिछले कई महीनों की रिकॉर्ड महंगाई के बाद अब सोना चौदह महीने के निचले स्तर पर आ गया है, जिससे सर्राफा बाजार में रौनक लौट आई है। हालांकि ग्राहकों के लिए यह राहत आभूषण कारोबारियों यानी ज्वेलर्स के लिए दोधारी तलवार साबित हो रही है। एक ओर उनकी दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ बढ़ी है तो दूसरी ओर पुराने स्टॉक की घटती कीमत ने उनके मुनाफे पर जोखिम बढ़ा दिया है।

रूस, चीन और अमेरिका की साझा घोषणा

पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बढ़ेगी, परमाणु जोखिम कम करने पर बातचीत



एजेंसी, शेनझेन (चीन)

रूस, चीन और अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन एवं आपूर्ति बढ़ाने और परमाणु जोखिम कम करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच शेनझेन में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) की पहली त्रिपक्षीय बैठक के बाद जारी संयुक्त घोषणापत्र में यह बात कही गई है।

गुरुवार को जारी इस घोषणापत्र के अनुसार, तीनों देश सभी देशों के लाभ के लिए रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ का एक दिवसीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह आयोजित

स्काउटिंग से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सेवाभाव का होता है विकास : डॉ. के. के. खंडेलवाल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

स्काउटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 42 पदाधिकारियों एवं सदस्य सम्मानित





स्कूल शिक्षा मंत्री एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य अध्यक्ष श्री गजेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आज रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का एक दिवसीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्काउटिंग गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने, संगठनात्मक कार्यों को गति देने तथा स्काउटिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सम्मानित किया गया।

मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, नई दिल्ली डॉ. के. के. खंडेलवाल ने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स संगठन विद्यार्थियों और युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवाभाव विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। स्काउटिंग गतिविधियां बच्चों एवं युवाओं को जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती हैं। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और समाज सेवा की प्रेरणा देने वाला सशक्त आंदोलन है। प्रदेश के विद्यालयों में स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

सेमिनार में स्काउटिंग गतिविधियों के विस्तार, संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण, प्रशिक्षण व्यवस्था को प्रभावी बनाने तथा युवाओं की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस दौरान स्काउटिंग से जुड़े पदाधिकारियों एवं सदस्यों को संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप सक्रिय भूमिका निभाने और सेवा कार्यों में सहभागिता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

समारोह के दौरान स्काउटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कुल 42 पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विभिन्न अलंकरण एवं सम्मान प्रदान किए गए। इनमें एक अधिकारी को एलटी (लीडर ट्रेनर), पांच अधिकारियों को एएलटी 2025, दो अधिकारियों को एएलटी 2026 तथा तीन सदस्यों को एचडब्ल्यूबी सम्मान प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त 28 सदस्यों को दीर्घकालीन सेवा अलंकरण तथा तीन अधिकारियों को थैंक बैज प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई।

दवा निर्माण का लाइसेंस लेने से पहले केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण से अनुमति अनिवार्य

एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस पर अंकुश लगाने की दिशा में कदम

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एंटीमाइक्रोबियल दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने तथा एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) की चुनौती से निपटने के लिए नए ड्रग्स एवं क्लिनिकल ट्रायल नियम, 2019 में संशोधन का प्रस्ताव किया है। इसके तहत नियम 2(1)(डब्ल्यू)(वी) में दी गई 'नई दवा' की परिभाषा में एंटीमाइक्रोबियल्स को भी शामिल किया जाएगा।

मंत्रालय ने इस संबंध में 6 नवंबर को प्रारूप राजपत्र अधिसूचना जीएसआर 983 (ई) जारी की है। प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य एंटीमाइक्रोबियल दवाओं को नई दवाओं पर लागू नियामक व्यवस्था के दायरे में लाना है, ताकि इनके निर्माण और गुणवत्ता पर केंद्रीय स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

मंत्रालय के अनुसार, एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। इस समस्या से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। जी-20 नई दिल्ली नेताओं की घोषणा में भी 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण के तहत एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस से निपटने पर जोर दिया गया था।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एंटीमाइक्रोबियल उत्पादों के निर्माण लाइसेंस पर्याप्त नियामकीय जांच के बिना जारी किए जाने को लेकर चिंता जताई है। इसमें जैव उपलब्धता एवं जैव समतुल्यता (बायोअवेलेबिलिटी/बायोइक्विवेलेंस) और स्थिरता (स्टेबिलिटी) जैसे आवश्यक अध्ययनों की कमी भी शामिल है। इन परीक्षणों के अभाव में दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभावकारिता प्रभावित हो सकती है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID -rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./36947/न.पा.नि./
जोन क्र.- 5/2026
रायपुर, दिनांक 18.11.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 36947

वार्ड का नाम - 41- पं. सुंदर लाल शर्मा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 41 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR566C00049 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती मंजू मिश्रा पिता / पति श्री/श्रीमती ...के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती मनीष मिश्रा, रितु मिश्रा पिता / पति श्री/श्रीमती स्व. कृष्ण कुमार मिश्रा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /... / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (5)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./36974/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 17/11/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36974

वार्ड का नाम -69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568B00006 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MANKUWAR SINHA पिता/पति श्री/श्रीमती CHAINLAL SINHA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SMT. MADHURI SINHA पिता/पति श्री/श्रीमती KEDARNATH SINHA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./36968/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 19/11/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36968

वार्ड का नाम -69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568B00465 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ANJALI BISEN पिता/पति श्री/श्रीमती KAPIL BISEN के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SMT. MAMTA SAHU पिता/पति श्री/श्रीमती VIRENDRA SAHU ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./37050/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 19/11/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37050

वार्ड का नाम -69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568F01216 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती NARENDRA KUMAR VERMA पिता/पति श्री/श्रीमती PRAHLAD VERMA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SMT NITU YADAV पिता/पति श्री/श्रीमती SHRI YOGESH YADAV ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./37046/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 19/11/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37046

वार्ड का नाम -69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568C0011A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SUNNY BINDRA पिता/पति श्री/श्रीमती RANJEET SINGHBINDRA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती Smt Roli Sisodiya पिता/पति श्री/श्रीमती Vishwajeet Sisodiya ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./36971/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 19/11/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36971

वार्ड का नाम -69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568B00426 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती Piyush khare पिता/पति श्री/श्रीमती Pramod khare के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SATYA PRAKASH UNDRA पिता/पति श्री/श्रीमती RAMESH KUMAR UNDRA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई-मेल:- rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. /37025/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 19/11/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 37025

वार्ड का नाम - 10- रानी लक्ष्मी बाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR227R0024A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MD. RAFIQUE पिता/पति श्री/श्रीमती SHEIKH HABIB ULLA के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती मोहम्मद आदिल खान पिता/पति श्री/श्रीमती पिता मोहम्मद इब्राहीम खान ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ shapath patr, MALMA NAMA, AADHAR CARD, TAX / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क./ / अ-6/वर्ष 2025-26
रायपुर, दिनांक 19/11/2026
ग्राम- पंडरीतराई प.ह.नं.- 109/47

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक गगनदीप सिंह मलिक पिता सुखविंदर सिंह मलिक निवासी गली नं. 03, न्यू शांति नगर, शंकर नगर रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.), द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम पंडरीतराई, प.ह.नं. 109/47, तहसील व जिला रायपुर में स्थित भूमि शीट नं. 22, भूखण्ड क्रमांक 18/7ख/8 रकबा 1500 वर्गफुट में से 500 वर्गफुट भूमि को दानदातागण गुरवीन सिंह मलिक व तरनबीर सिंह मलिक दोनो पिता सुखविंदर सिंह मलिक दोनो निवासी गली नं. शांति नगर शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से पंजीकृत दान विलेख दिनांक 26.10.2026 के माध्यम से प्राप्त कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। अतः उक्त दान में प्राप्त भूमि को पंजीकृत दान के आधार पर अपने नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु आवेदक का निवेदन है। ग्राम- पंडरीतराई प.ह.नं.- 109/47 अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 30/11/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./ / अ-6/वर्ष 2025-26
रायपुर, दिनांक 12/11/2026
ग्राम-पंडरीतराई, प.ह.नं. 47,
तहसील व जिला रायपुर छ.ग.

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीमती सुमन चौधरी पति स्व. श्री किशोर चौधरी निवासी-पण्डरी तराई रायपुर छ.ग. इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम-पंडरीतराई, प.ह.नं. 47. रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर में स्थित परिवर्तित भूमि शीट नंबर 27, भू-खण्ड क्रमांक-15, खसरा नंबर 140, रकबा 576 वर्गफुट भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदकगण के पति/पिता स्व. किशोर चौधरी के नाम पर धारित की जाती है। उक्त आवेदित भूमि के भू-स्वामी किशोर चौधरी पिता कपील चौधरी की मृत्यु दिनांक 12.02.2017 को हो चुकी है। मृतक किशोर चौधरी के उत्तराधिकारी एवं विधिक वारिसान में 01. श्रीमती सुमन चौधरी पति स्व.श्री किशोर चौधरी 02. नवनीत चौधरी पिता स्व.श्री किशोर चौधरी 03. नम्रता चौधरी पिता स्व. किशोर चौधरी है, इनके अतिरिक्त अन्य कोई विधिक वारिसान नहीं है। इस प्रकार उपरोक्त आवेदित भूमि में मृतक के नाम को राजस्व अभिलेख से विलोपित कर विधिक वारिसानगण अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 25/11/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 12/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

तहसीलदार
मुहर
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

ईश्तहार

क्रमांक / / ब -121/2026
रायपुर, दिनांक 16/11/2026
ग्राम- टिकरापारा प.ह.नं.-70
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक ईश्वर साहू स्व. मंहगू साहू द्वारा इस न्यायालय मुत्यु प्रमाण-पत्र बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि, आवेदक के माता जी स्व. रुखमणी साहू की मृत्यु दिनांक 09/01/2025 को घर पर टिकरापारा में हो चुकी हैं। उनके मृत्यु उपरांत आवेदक द्वारा निवेदन किया गया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण-पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 30/11/2026 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनाक 16/11/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालन दाण्डाधिकारी
मुहर
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर छ.ग.

राजस्व मामले की नोटिस प्रकाशन

रा.प्र.क्र. / / अ-6 / वर्ष 2025-26
रायपुर, दिनांक 16/11/2026

प्रति,

1. श्रीमती संगीता दुग्गड़ पति श्री अभय दुग्गड़ निवासी नगीना जेम्स नहाटा मार्केट सदर बाजार रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

विषय:-उपस्थिती एवं साक्ष्य हेतु।

इस नोटिस के जरिये आपको सूचना दी जाती है कि आवेदक शेफाली कबिराज पिता श्री निरोद बिहारी कबिराज छ.ग. द्वारा इस न्यायालय में धारा 109-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत नामांतरण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है कि ग्राम देवपुरी स्थित ख.नं. 293/103 रकबा 111.52 वर्गमीटर अर्थात 1200 वर्गफुट भूमि विक्रेता श्रीमती संगीता दुग्गड़ पति श्री अभय दुग्गड़ निवासी नगीना जेम्स नहाटा मार्केट सदर बाजार रायपुर छ.ग. से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 25.06.2026 के अनुसार क्रय कर दाखिल व काबिज है। आवेदिका द्वारा उक्त पंजीकृज विक्रय विलेख दिनांक 25.06.2026 के आधार पर विक्रेता का नाम विलोपित कर आवेदक शेफाली कबिराज पिता श्री निरोद बिहारी कबिराज अपने नाम पर दर्ज किये जाने बाबत् आवेदन पत्र पेश किया गया है। अतः उक्त संबध में आप पक्षकार है। जिसकी सुनवाई दिनांक 30/1112026 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा प्रकरण में आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा।

अतः आप उक्त प्रकरण में पेशी दिनांक 16/11/2026 को अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

अतिरिक्त तहसीलदार,
मुहर
रायपुर (छत्तीसगढ)

प्रारूप-(तीन)

शपथ पत्र

मैं एस. के. जॉन (पुराना नाम जिसे बदला जाना है) पिता श्री फिलीमोन उम्र 82 वर्ष, निवासी- मकान नंबर 1638, पुरानी मिट्टी, खदान रोड कटोरा तालाब रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. एतद् द्वारा मैं पूर्णतः पुष्टि करता हूं तथा निम्नानुसार घोषित करता हूं:-

1. मैं शपथकर्ता, पता मकान नंबर 1638, पुरानी मिट्टी, खदान रोड कटोरा तालाब रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. का स्थायी निवासी हूँ।
2. मेरे पुराना नाम एस.के. जॉन (S.K. JOHN) है और मैं अपना नाम बदलकर नया नाम सुरेश कुमार जॉन (SURESH KUMAR JOHN) पता मकान नंबर 1638, पुरानी मिट्टी, खदान रोड कटोरा तालाब रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. रखना चाहता हूँ।
3. यह कि, मेरे नाम से जारी पैन कार्ड (AQLPJ1887P) जिसमें मेरे नाम सुरेश कुमार जॉन (SURESH KUMAR JOHN) दर्ज है।
4. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नहीं है और ना ही किसी बैंक में ऋण की शेष राशि है।
5. मैं मेरे नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता हूँ, तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगा।
6. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशो-हवास में रहकर कर रहा हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

// सत्यापन //

मैं शपथकर्ता आज सत्यापित करता हूं कि उक्त शपथ पत्र में उल्लेखित बिन्दु क्रमांक 01 से 06 तक तथ्य मेरे स्वयं के ज्ञान के अनुसार सही व सत्य है व आज दिनांक 05/05/2026 को मुकाम रायपुर छ.ग. में अपना हस्ताक्षर कर सत्यापित करता हूं।

शपथकर्ता
एस.के. जॉन

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

ईश्तहार

कमांक / /अ-6/2025-26
रायपुर, दिनांक 06/11/2026
ग्राम चिरहुलडीह प.ह.नं. 52
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

आवेदक उल्हास सुधाकर कोण्डापुरकर पिता स्व. सुधाकर माधव कोण्डापुरकर निवासी मकान नं. 2160/ के, 11 मैदान पथ चौबे कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम चिरहुलडीह प.ह.नं. 52 रा.नि.म. रायपुर 03 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 328/5. शामिल 332/1, 34/4 रकबा 0.0290 हे. याने कि 2340 वर्गफुट भूमि को आवेदक के पिता स्व. सुधाकर माधव कोण्डापुरकर के नाम राजस्व अभिलेखो में दर्ज है। आवेदक के पिता स्व. सुधाकर माधव कोण्डापुरकर पिता स्व. माधव रामचन्द्र कोण्डापुरकर की मृत्यु दिनांक 24/09/2026 को हो चुकी है। जिनके विधिक वारिसान श्रीमती सुमती सुधाकर कोण्डापुरकर पति स्व. सुधाकर माधव कोण्डापुरकर, उल्हास सुधाकर कोण्डापुरकर, शुभांगी महाशाद्दे पिसरान स्व. सुधाकर माधव कोण्डापुरकर हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई वारिसान नही है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि मृतक खातेदार का नाम विलोपित कर विधिक वारिसानो का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 27/11/2026 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
मुहर
रायपुर (छ.ग.)

राज्यपाल से IIMUN की चार्ज डी अफेयर्स अंबर फातिमा ने की सौजन्य भेंट



रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका से भारत के युवाओं में नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए कार्यरत संस्था इंडिया इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस (IIMUN) की चार्ज डी अफेयर्स सुश्री अंबर फातिमा ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को आगामी माह बिलासपुर में प्रस्तावित यूथ कनेक्ट कार्यक्रम में बतौर मुख्य तिथि आमंत्रित किया।

270वीं गुरु घासीदास जयंती पर राजधानी रायपुर में 16 दिसंबर को निकलेगी भव्य शोभायात्रा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी की 270वीं जयंती के पावन एवं गौरवशाली अवसर पर राजधानी रायपुर में तीन दिवसीय भव्य जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर 16 दिसंबर को आमापारा प्लाजा से बाबा गुरु घासीदास जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा एवं जयंती समारोह को ऐतिहासिक, भव्य और यादगार बनाने के लिए समाज के लोगों, वरिष्ठजनों, युवाओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा तैयारियां की जा रही हैं। इस आयोजन के माध्यम से बाबा गुरु घासीदास जी के विचारों, आदर्शों और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

सतनामी समाज युवा प्रकोष्ठ, रायपुर छत्तीसगढ़ के जिला महामंत्री राहुल भारद्वाज ने प्रदेश के समस्त सतनामी समाज, सामाजिक संगठनों, युवाओं, माताओं-बहनों, वरिष्ठजनों एवं प्रदेश के सभी नागरिकों से इस तीन दिवसीय भव्य जयंती समारोह में बढ़-चढ़कर शामिल होने की अपील की है।

बाबा गुरु घासीदास जी का जीवन दर्शन संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत

राहुल भारद्वाज ने कहा कि परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास जी केवल एक महान संत ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज को सत्य, अहिंसा, समानता, भाईचारे और मानवता का मार्ग दिखाने वाले महान समाज सुधारक थे। उनके विचारों और उपदेशों ने समाज में व्याप्त भेदभाव, असमानता और कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता का संदेश दिया।

बाबा गुरु घासीदास जी का अमर संदेश 'मनखे-मनखे एक समान' आज भी पूरे मानव समाज को समानता, प्रेम, सद्भावना और आपसी भाईचारे के साथ जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उनका संदेश किसी एक समाज या वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश है।

उन्होंने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी के बताए मार्ग पर चलकर ही एक ऐसे समाज का निर्माण किया जा सकता है, जहां किसी भी व्यक्ति के साथ जाति, धर्म, वर्ग या आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव न हो और सभी को समान सम्मान एवं अवसर प्राप्त हों।

जयंती समारोह सामाजिक एकता और भाईचारे का बनेगा प्रतीक

राहुल भारद्वाज ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी की 270वीं जयंती केवल एक धार्मिक अथवा सामाजिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह हम सभी के लिए सामाजिक एकता, समरसता, भाईचारे और मानवता की भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है।

राजधानी रायपुर में आयोजित होने वाला तीन दिवसीय समारोह समाज के लोगों को एक मंच पर लाने और बाबा जी के विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी सहयोग, प्रेम, सम्मान और एकजुटता की भावना मजबूत होती है।

उन्होंने कहा कि बाबा जी के आदर्शों को केवल जयंती समारोह तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाना चाहिए। सत्य के मार्ग पर चलना, सभी के साथ समान व्यवहार करना और जरूरतमंदों की सहायता करना ही बाबा जी के विचारों को वास्तविक जीवन में अपनाने का सार्थक प्रयास है।

राहुल भारद्वाज ने विशेष रूप से युवाओं से अपील करते हुए कहा कि युवा शक्ति किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत होती है। समाज के विकास, शिक्षा, जागरूकता, संगठन और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
पब्लिक नोटिस
आम सूचना
कोर्ट नोटिस
खरीदी बिक्री
आवश्यकता
संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in
अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
VISIT US ON SCAN

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्प्लेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर मो. 9826145558, 07714028271

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर-1, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य साईं प्लाजा, मेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप मो. 98267-01269, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर Website: www.maaadagency.com मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर फोन- 2223699, 2539578, मो. 94252-11222

अजय एडवरटाइजर्स, पब्लिसिटी
समवेद शिखर कॉम्पलेक्स, रजबंधा मैदान फोन- 2224371, 2537569, मो. 94242-01700

ए.एस. एसोसिएट्स
अवंति विहार एटीएम चौक रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-62101, 93020-77741

सुमीत एडवरटाइजर्स
शहीद स्मारक भवन, रजबंधा, रायपुर फोन- 4031319, मो- 98261-61116, 98267-08989

चित्रांश पब्लिसिटी
24, प्रथम तल, विजेता कॉम्पलेक्स शास्त्री बाजार रायपुर मो. 94252-04920, फोन- 2234944, 2582595

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्रमांक 204052/निविदा सूचना क्रमांक 08/वलेलि/2026-27
बेमेतरा दिनांक 19.11.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 10.12.2026 समय 17:30 तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम : जिला बेमेतरा के विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम छिरहा की हेम्प नदी पर 50 मी. एनीकट तथा एनीकट के अपस्ट्रीम एवं डाऊनस्ट्रीम के बांयी ओर 240 मी. तथा दांयी ओर 680 मी. की लम्बाई में एफ्लक्स बण्ड के टॉप एवं स्लोप में सी.सी. ब्लॉक का निर्माण कार्य।

अनुमानित लागत : रूपये 414.46 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 26.11.2026 समय 17:31 बजे से देखे तथाडाउनलोड किये जा सकते हैं।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 20 नवम्बर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

विश्व शौचालय दिवस पर महापौर मीनल चौबे ने किया सार्वजनिक शौचालय मॉनिटरिंग ऐप का शुभारंभ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर महापौर मीनल चौबे द्वारा सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की डिजिटल निगरानी हेतु विकसित सार्वजनिक शौचालय मॉनिटरिंग ऐप का शुभारंभ किया गया। इस पहल के साथ रायपुर नगर निगम छत्तीसगढ़ का पहला नगरीय निकाय बन गया है, जहां शहरी क्षेत्र के समस्त सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की निगरानी डिजिटल माध्यम से की जाएगी, इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री चंद्राकर, लोक कर्म विभाग अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल, अपर आयुक्त स्वास्थ्य श्री विनोद पाण्डेय, स्वच्छ भारत मिशन नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता श्री योगेश कडु सहित अन्य सम्बंधित गणमान्यजनों की उपस्थिति महापौर कक्ष में रही।

यह ऐप भारत सरकार द्वारा संचालित प्रगति–50 (PRAGATI_z®) पहल के अंतर्गत विकसित किया गया है। प्रगति–50 के तहत चयनित शहरों में स्वच्छता सेवाओं की डिजिटल एवं रियल–टाइम मॉनिटरिंग व्यवस्था लागू किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति हेतु नगर निगम रायपुर द्वारा इस अभिनव ऐप का विकास किया गया है।

इस ऐप के माध्यम से शहर के सभी सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की दैनिक सफाई गतिविधियों की निगरानी की जाएगी। संबंधित एजेंसियों द्वारा किए गए कार्यों का डिजिटल रिकॉर्ड एवं फोटोग्राफिक प्रमाण (Digital Proof) प्रणाली में दर्ज किया जाएगा, जिससे सफाई व्यवस्था में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

ऐप की प्रमुख विशेषताओं में दैनिक सफाई मॉनिटरिंग, त्वरित शिकायत एवं समाधान व्यवस्था, स्वच्छता स्तर का सतत मूल्यांकन, डिजिटल प्रमाण संधारण तथा रियल–टाइम रिपोर्टिंग प्रणाली शामिल हैं। इसके माध्यम से प्रत्येक शौचालय की स्थिति, सफाई की आवृत्ति, शिकायतों के निराकरण तथा सेवा गुणवत्ता का नियमित मूल्यांकन किया जा सकेगा। नगर निगम द्वारा ऐप के जरिए प्राप्त जानकारी के आधार पर विस्तृत विश्लेषणात्मक रिपोर्ट तैयार की जाएगी। इससे कार्य में लापरवाही बरतने वाली एजेंसियों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रभावी एवं दंडात्मक कार्रवाई करना आसान होगा। साथ ही नागरिकों को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर सार्वजनिक शौचालय सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी।

इस अवसर पर महापौर मीनल चौबे ने कहा कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से स्वच्छता सेवाओं की निगरानी नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल रायपुर को स्वच्छ, स्मार्ट एवं नागरिक–अनुकूल शहर बनाने के संकल्प को और अधिक सशक्त करेगी।

विश्व शौचालय दिवस पर महापौर मीनल चौबे ने किया आकांक्षीय शौचालय का लोकार्पण

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर महापौर मीनल चौबे द्वारा वार्ड क्रमांक 22 स्थित बंजारी माता मंदिर के समीप नव–निर्मित आकांक्षीय शौचालय का लोकार्पण किया गया। यह शौचालय स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत नगर निगम रायपुर एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के तहत निर्मित किया गया है।

इस अभिनव पहल के अंतर्गत शौचालय निर्माण का कार्य नगर निगम रायपुर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत कराया गया है, जबकि निर्माण हेतु भूमि पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई है। शौचालय का संचालन एवं रखरखाव विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। यह मॉडल विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से सार्वजनिक स्वच्छता सुविधाओं के विस्तार का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।यह 6–सीटर आकांक्षीय शौचालय आधुनिक तकनीक एवं नागरिक सुविधाओं से युक्त है। इसमें सेंसर आधारित स्वचालित नल, शिशु आहार कक्ष (बेबी फीडिंग रूम), केयरटेकर कक्ष, सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन, सेनेटरी वेस्ट इंसिनरेटर, दिव्यांगजनों हेतु विशेष सुविधाएं तथा बच्चों के लिए अनुकूल व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन सुविधाओं के माध्यम से महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं दिव्यांगजनों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं सुलभ वातावरण अवसर पर पंडित रविशंकर डॉ. सच्चीदानंद शुक्ल की विशेष उपस्थिति और रायपुर नगर निगम के एमआईसी सदस्य (स्वास्थ्य) गायत्री चंद्राकर, एमआईसी सदस्य (लोककर्म) श्री स्वच्छ भारत मिशन नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता योगेश कडु सहित स्वच्छ भारत मिशन शाखा और नगर निगम जोन 7 के अन्य सम्बंधित अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण और मण्डल अध्यक्ष तिवारी, नगर के गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

बालाजी ओनियन भनपुरी रोड में बिना अनुमति किये गये व्यवसायिक निर्माण को तोडने की कार्रवाई की



रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 1 नगर निवेश विभाग ने जोन 1 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर के मार्गनिर्देशन एवं कार्यपालन अभियंता द्रोणी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख, उपअभियंता श्रीमती अंकिता सोनवर्षा की उपस्थिति में जोन 1 क्षेत्र अंतर्गत भनपुरी चौक रिंगरोड के पास पूनम सिह अरोरा द्वारा नक्शा स्वीकृति के विपरीत पीछे की ओर अतिरिक्त क्षेत्र में किये गये व्यवसायिक निर्माण को स्थल पर नियमानुसार कार्रवाई कर तत्काल सीलबंद करने की कार्रवाई की ।नगर निगम जोन 1 नगर निवेश विभाग द्वारा मनपुरी चौक क्षेत्र में बिना अनुमति जोन 1 क्षेत्र में किये गये अवैध व्यवसायिक भवन निर्माण पर भनपुरी बालाजी ओनियन के बिना अनुगति व्यवसायिक भवन के निर्माण को अभियान पूर्वक तोडने की कार्रवाई नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत सबंधित निर्माणकर्ता को नोटिस जारी करने के उपरांत स्वत: बिना अनुमति किये गये अवैध व्यवसायिक निर्माण को नहीं हटाये जाने पर अभियानपूर्वक की गई, वहीं भनपुरी चौक के पास एन. एन. दोषी द्वारा बिना अनुमति किये गए व्यवसायिक निर्माण को हटाने अभियान चलाकर कार्रवाई नगर निगम जोन 1 नगर निवेश विभाग द्वारा की गयी.

मौसम विभाग कार्यालय के समीप फैली भारी गंदगी एवं कचरा उठवाकर स्वच्छता कायम कर सीटीयू का विकास कर सुन्दर रंगोली उकेरकर दिया सकारात्मक संदेश

जोन 6 ने भाठागांव श्मशानघाट वार्ड 61 में फैले कचरे एवं गंदगी को उठवाकर कायम की स्वच्छता

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन अभियान अंतर्गत स्वच्छता की सेवा अभियान अंतर्गत नगर निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री चंद्राकर, आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर स्वच्छ भारत मिशन शाखा एवं स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय सहित सभी 10 जोनो के स्वास्थ्य विभाग की टीमो द्वारा निगम क्षेत्र के सभी जोनो के वार्डो में भारी कचरा और गंदगी वाले स्थानो को चिन्हित कर उनकी व्यापक सफाई करके स्वच्छता कायम कर वहां सीटीयू स्वच्छता लक्षित इकाई का विकास करके जन–जन को निरंतरता से स्वच्छता का सकारात्मक संदेश दिया जा रहा है। इसी क्रम में रायपुर नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत वार्ड कमांक 53 अंतर्गत हिमालयन हाईट्स में फैली भारी गंदगी कचरा मलमा को उठवाकर वहां स्वच्छता कायम करते हुए स्वच्छ रायपुर आधारित सुन्दर रंगोली उकेरते हुए जन–जन को सकारात्मक स्वच्छता संदेश सुन्दर सेल्फी पाइंट पुन: कायम कर जोन के माध्यम से दिया गया। वही जोन 10 स्वास्थ्य विभाग ने वार्ड 55 अंतर्गत लालपुर क्षेत्र में मौसम विभाग कार्यालय के समीप सडक किनारे फैली भारी गंदगी कचरा मलमा को अभियान पूर्वक उठवाकर वहां स्वच्छता कायम करते हुए जन–जन को सकारात्मक स्वच्छता संदेश दिया गया एवं एक कदम स्वच्छता की ओर आधारित सुन्दर रंगोली उकेरकर स्वच्छता के प्रति जन–जन को जागरूक बनाया गया। इसी कम में नगर निगम जोन 1 क्षेत्र अंतर्गत संत कबीर दास वार्ड क्रमांक 3 में गोगांव तालाब के घाटो में फैली गंदगी व कचरे को पूरी तरह उठवाकर जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से स्वच्छता कायम करते हुए जन जन को स्वच्छ सरोवर का सुन्दर सकारात्मक संदेश दिया गया। जोन 1 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोन 1 क्षेत्र में नेता कन्हैयालाल बाजारी वार्ड कमांक 15 के क्षेत्र में सेल्फी जोन क्षेत्र में डाले गये पत्तो गंदगी और कचरा को हटवाकर सेल्फी पाइंट क्षेत्र में जनहित में जनसुविधा हेतु स्वच्छता ही सेवा अभियान अंतर्गत पुन: स्वच्छता कायम करते हुए जन–जन को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाने का कार्य किया गया। जोन 1 अंतर्गत खमतराई बाजार वीर शिवाजी वार्ड क्रमांक 16 के क्षेत्र में बाजार क्षेत्र में फैले सब्जी कचरे अपशिष्ट को उठवाकर नागरिको को स्वच्छ बाजार का सकारात्मक संदेश जोन 1 स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिया गया । जोन 6 स्वास्थ्य विभाग ने जोन अंतर्गत वार्ड कमांक 61 अंतर्गत भाठागांव श्मशानघाट क्षेत्र में फैली गंदगी एवं कचरा एवं हुए नागरिको से रायपुर शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर राजधानी के अनुरूप विकसित करने सकारात्मक सहभागिता दर्ज करवाने की विनम्र अपील नगर निगम जोनो के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा जोन कमिश्नरो के नेतृत्व एवं जोन स्वास्थ्य अधिकारियों की उपस्थिति में की गई।

स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल आग को बुझाकर चेतावनी देकर 5000 रू. का ई जुर्माना किया



रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त सार्वजनिक स्थान पर कचरा जलाने की जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेकर रायपुर नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जोन 5 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा के मार्ग निर्देशन अनुरूप नगर निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नगर निगम के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया के नेतृत्व एवं जोन 5 जोन स्वास्थ्य अधिकारी खेमलाल देवांगन स्वच्छता निरीक्षक दिलीप साहू प्रेम मानिकपुरी की उपस्थिति में जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत सुन्दरनगर चौक में स्थित बीकानेर स्वीट्स के पास सार्वजनिक स्थान का औचक निरीक्षण वस्तुस्थिति की जानकारी लेने किया गया। इस दौरान बीकानेर स्वीट्स द्वारा सार्वजनिक स्थान पर कचरा जलाये जाने की जनशिकायत स्थल निरीक्षण के दौरान सही पायी गयी इसे गभीरता से लेते हुए जोन 5 जोन कमिश्नर द्वारा दिये गये निर्देश पर निगम के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी एवं जोन 5 जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने संबंधित बीकानेर स्वीट्स दुकान के संबालक को मविष्य के लिये नियमानुसार कड़ी चेतावनी देते हुए तत्काल 5000 रु का ई जुर्माना आग तत्काल बुझाकर सफाई करवाकर किया एवं प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया।

रायपुर नगर पालिक निगम 20 नवम्बर

नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने अनुपम गार्डन एवं करबला तालाब का अधिकारियों सहित किया निरीक्षण



रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त संबित मिश्रा ने रायपुर नगर निगम के जीई मार्ग के किनारे स्थित अनुपम गार्डन महावीर पार्क की व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। आयुक्त ने अधिकारियों से अनुपम गार्डन के विकास एवं सौंदर्गीकरण हेतु तैयार नये प्रस्तावो की जानकारी ली एवं जनहित में जनसुविधा हेतु नये विकास कार्यों को शीघ्रता से प्रारंभ करवाकर तय समय सीमा में मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करवाना सुनिश्चित करने संबंधित जोन 7 अधिकारियों को निर्देशित किया। आयुक्त संबंधित मिश्रा ने जोन 7 क्षेत्र अंतर्गत चौबे कालोनी करबला तालाब में जारी निर्माण और सौंदर्याकरण विकास कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। आयुक्त ने कार्यो को निरंतर गतिमान रखकर तेजी से मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता युक्त तरीके से जनहित में जनसुविधा विस्तार हेतु प्राथमिकता से पूर्ण करवाने के निर्देश जोन 7 अधिकारियों को दिये। आयुक्त द्वारा करबला तालाब चौबे कालोनी एवं अनुपम गार्डन महावीर पार्क के निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, जोन 7 जोन कमिश्नर डॉ. तृप्ति पाणीग्रही, अधीक्षण अभियंता इमरान खान, कार्यपालन अभियंता सुशील मोडेस्टस, सहायक अभियंता कमलेश मिथलेश, जोन स्वास्थ्य अधिकारी भूषण ठाकुर, उपअभियंता श्रीमती अर्जिता दीवान, विक्रम सिंह ठाकुर सहित नगर निगम जोन 7 के अन्य संबंधित अधिकारीगण की उपस्थिति रही।



6 दुकानों को सड़क सीमा से हटाकर सड़क को कब्जामुक्त किया गया

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर निगम जोन 6 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत संतोषी नगर स्कूल के पास तम्बू लगाकर लगायी गयी लगभग 6 कपड़ा दुकानों को सड़क सीमा क्षेत्र से हटाकर जनहित में जनसुविधा हेतु सुगम यातायात कायम करने कब्जामुक्त करने कार्रवाई अभियान चलाकर नगर निगम जोन 6 जोन कमिश्नर प्रीति सिंह के निर्देश पर सहायक अभियंता अंकुर अग्रवाल, उपअभियंता सागर ठाकुर, राजकमल धृतलहरे एवं अन्य सम्बंधित जोन 6 अधिकारियों की उपस्थिति में की.

देवउठनी एकादशी पर्व पर महापौर मीनल चौबे एवं समापति सूर्यकान्त राठौड एवं संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी,ने नगरवासियों को दी शुभकामनायें

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे और सभापति सूर्यकान्त राठौड और नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री चंद्राकर सहित नगर पालिक निगम रायपुर के समस्त एमआईसी सदस्यों जोन अध्यक्षगणों पार्षदों एल्डरमेनों ने देव जागरण पर्व देवउठनी एकादशी दिनांक 20 नवंबर 2026 के अवसर पर समस्त नगरवासियों को अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें देते हुए सभी नगरवासियों के जीवन में सुख समृद्धि, स्वास्थ्य एवं शान्ति प्रदान करने की सामूहिक विनम्र प्रार्थना भगवान विष्णु के दिव्य श्रीचरणो में की है. इसके साथ ही सभी नगरवासियों से रायपुर शहर को छत्तीसगढ़ प्रदेश की राजधानी के अनुरूप स्वच्छ, सुन्दर हरित राजधानी स्मार्ट सिटी बनाने संकल्प लेकर आगे आकर अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाने की एक बार पुन: विनम्र अपील की है. वहीं समस्त नगरवासियों को वर्ष 2025–26 हेतु रायपुर शहर को छत्तीसगढ़ राज्य का सबसे स्वच्छ शहर की रैंकिंग का गौरव भारत सरकार की ओर से प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई और शुभकामनायें दी है। महापौर मीनल चौबे एवं सभापति सूर्यकान्त राठौड एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष अमर गिदवानी एवं स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री चंद्राकर सहित रायपुर नगर पालिक निगम के सभी एमआईसी सदस्यों, जोन अध्यक्षगणों वार्ड पार्षदों, एल्डरमैनों ने कहा है कि देवउठनी एकादशी को देश के प्राचीन पौराणिक ग्रंथो में महत्वपूर्ण अवसर माना जाता है। उक्त दिन देवो के जागरण का पर्व माना जाता है। सृष्टि के पालनहार माने चातुरमास की योग निद्रा अवधी समाप्त होने पर यह उनके जागरण का पर्व माना जाता है एवं देश भर में प्राचीन काल से उक्त दिन तुलसी विवाह का पवित्र अवसर माना जाता है।

पार्षदों की अगुवाई में वेंडिंग जोन स्थल चिन्हित करने, व्यवस्थापन सहित वेंडर्स को मूलभूत सुविधाएं देने, स्ट्रीट वेंडर्स को प्राथमिकता देने पर बनी सहमति

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



र रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 जोन कमिश्नर और जोन वेंडिंग समिति की अध्यक्ष डॉ दिव्या चंद्रवंशी की अध्यक्षता और समिति के सदस्य जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा, एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा , अमर गिदवानी, पार्षद श्रीमती अर्जुरमन ढेबर सहित पूर्व पार्षद प्रेम बिरनानी, सामाजिक कार्यकर्त्ता संतोष हियाल और कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, उपअभियंता हिमांशु चंद्राकर एवं अन्य विभागीय अधिकारीगणों की उपस्थिति में जोन वेंडिंग समिति की बैठक हुई. बैठक में जोन समिति ने जोन क्षेत्र अंतर्गत सभी वार्डो के मुख्य मार्गो को कब्जामुक्त करने, वार्ड पार्षदों की अगुवाई में जोन अंतर्गत वेंडर जोन विकास हेतु जोन अंतर्गत सभी वार्डो में सर्वे करवाकर स्थान चिन्हित करने, वहाँ स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थापन देने सहित मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करवाने, उक्त स्थानों में उक्त क्षेत्र के स्ट्रीट वेंडर्स व्यक्त की गयी. जोन समिति ने रविभवन के पास एक मॉर्निंग खोलने का प्रस्ताव दिया है.

डोर टू डोर कलेक्शन में लापरवाही किये जाने पर डेल्ही एमएसडब्ल्यू साल्यूशन लिमिटेड मोवा के मैनेजर को जोन 1 जोन कमिश्नर ने नोटिस जारी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 के जोन कमिश्नर श्री अंशुल शर्मा सीनियर ने जानकारी दी है कि नगर निगम जोन क्रमांक 1 के अंतर्गत आने वाले समस्त सात वार्डो में विगत 15 दिवस से डोर टू डोर वाहन अनियमित हैं, जिस कारण वार्डो में डोर टू डोर कलेक्शन 100 प्रतिशत नही हो रहा हैं, पिछले 5 दिनों में वार्ड क्रमांक 3,4,5 एवं 18 में डोर टू डोर वाहनें कार्य नही कर रही हैं, जिससे सफाई कार्य प्रभावित हुआ हैं। उक्त कारणों से अत्याधिक मात्रा में वार्डों में गंदगी फैल रही है। बेस्ट प्राईज के बाजू ट्रांसफर स्टेशन के पास बहुतायत में गंदगी फैल गयी है, जिसे नियमित रूप से उठाया नहीं जा रहा हैं। इस अतिरिक्त रिंग रोड के सर्विस रोड में भी गंदगी फैली हुई हैं जिसे डेल्ही एमएसडब्ल्यू सोल्यूशन लिमिटेड की डोर टू डोर वाहनों द्वारा डाला गया हैं। उक्त कृत्य से रायपुर नगर पालिक निगम की छवि धुमिल हुई हैं, तथा आम जनता एवं जनप्रतिनिधि आक्रोशित हैं। अगले 24 घंटे के भीतर वार्डो में डोर टू डोर कनेक्शन कार्य कराना सूनिश्चित करे, अन्यथा कार्य में लापरवाही किये जाने पर सम्बंधित एजेंसी डेल्ही एमएसडब्ल्यू सोल्यूशन लिमिटेड पर 5,00,000 (पांच लाख रू) का अर्थदण्ड आरोपित किया जावेगा जिसके लिए सम्बंधित एजेंसी स्वयं जिम्मेदार होगी ।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 20 नवम्बर 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

डेटा सेंटरों के मामले में सावधानी बरतें

अमेरिका में हाल ही में हुए मध्यावधि चुनावों में एक अहम संदेश यह सामने आया कि स्थानीय समुदायों में डेटा सेंटर स्थापित करने के खिलाफ मतदाताओं में भारी नाराजगी है, जिसका मुख्य कारण पर्यावरण संबंधी चिंताएं हैं। इन परियोजनाओं के खिलाफ जोर-शोर से प्रचार करने वाले उम्मीदवार विजयी रहे। वैश्विक प्रौद्योगिकी पावरहाउस माने जाने वाले देश में जनता का यह कड़ा विरोध भारत के लिए एक चेतावनी की तरह है, जहां कई राज्य डेटा सेंटर में निवेश आकर्षित करने के लिए एक-दूसरे से होड़ कर रहे हैं। अमेरिका के अलावा, कई यूरोपीय देशों में भी ऐसी परियोजनाओं के खिलाफ विरोध बढ़ रहा है। जनता का यह विरोध मुख्य रूप से स्थानीय संसाधनों पर पड़ने वाले असर को लेकर है, क्योंकि डेटा सेंटर बहुत बड़ी मात्रा में पानी और बिजली की खपत करते हैं। टेक्सास में, पानी की घटती आपूर्ति को लेकर किसानों की चिंता एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गई है। अमेरिका के कई राज्यों में देखने को मिल रहा यह विरोध बताता है कि लोग अब उन फैसलों में अपनी भागीदारी चाहते हैं, जिनका सीधा असर उनके जीवन पर पड़ता है। इसमें कोई शक नहीं कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के तेजी से बढ़ते चलन के कारण डेटा सेंटरों का विस्तार बड़े आर्थिक अवसर पैदा करता है। हालांकि, विकसित देशों में इन परियोजनाओं के खिलाफ बढ़ता विरोध एक महत्वपूर्ण चेतावनी देता है: तकनीकी प्रगति की कीमत समुदायों या पर्यावरण को नहीं चुकानी चाहिए। भारत के सामने एक विरोधाभासी स्थिति है।ढ्ढ और क्लाउड-कंप्यूटिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को सहारा देने के लिए डेटा सेंटर की क्षमता को तेजी से बढ़ाने की जरूरत, पर्यावरण संरक्षण की अनिवार्यताओं से टकरा रही है। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य एक अहम मोड़ पर खड़े हैं। बड़े डेटा सेंटर प्रस्तावों सहित निवेश की ये महत्वाकांक्षी योजनाएं डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर सकती हैं और रोजगार पैदा कर सकती हैं। लेकिन, उन्हें प्रौद्योगिकी उद्योग को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय संसाधनों और पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना होगा।नक्शे देखें इसलिए, कंपनियों को संसाधनों के जिम्मेदार प्रबंधन को प्राथमिकता देनी चाहिए। हर डेटा सेंटर परियोजना को तीन अहम हितों—व्यापार, समुदाय और पर्यावरण—के बीच संतुलन बनाना होगा।

किसान हितैषी नीतियों से कृषकों को मिल रहा संबल

किसान हितैषी नीतियों से कृषकों को मिल रहा संबल, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से खुशहाल हो रहे अन्नदाताऑनलाइन टोकन, पारदर्शी तौल और माइक्रो एटीएम से भुगतान की सुविधा ने धान खरीदी प्रक्रिया को बनाया अधिक आसान कम मात्रा में धान बेचने पर भी किसानों को प्रति एकड़ 13,839 रुपये की पूरी सहायता राशि देने का निर्णय बना किसानों के लिए बड़ी राहतकिसान हितैषी नीतियों से कृषकों को मिल रहा संबल, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से खुशहाल हो रहे अन्नदाता





मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और अन्नदाताओं के आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता का सकारात्मक परिणाम खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में देखने को मिल रहा है। प्रदेश सहित कोंडागांव जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत के साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और खरीदी प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। शासन की इन पहलों से किसानों को न केवल आर्थिक संबल मिल रहा है, बल्कि धान विक्रय की प्रक्रिया भी पहले की अ किसान हितैषी नीतियों से कृषकों को मिल रहा संबल, समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से खुशहाल हो रहे अन्नदाता

जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन टोकन प्राप्त करने की सुविधा ने किसानों की परेशानी काफी कम कर दी है। अब किसानों को टोकन कटाने के लिए बार-बार उपार्जन केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं, बल्कि वे घर बैठे ही टोकन प्राप्त कर अपनी सुविधानुसार धान विक्रय की तैयारी कर पा रहे हैं। वहीं इलेक्ट्रॉनिक तौलयंत्र से धान का वजन किए जाने से खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित हो रही है। इसके साथ ही माइक्रो एटीएम के माध्यम से उपार्जन केंद्र में ही भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

'ऑनलाइन टोकन से आसान हुई धान बेचने की प्रक्रिया'

धान खरीदी की व्यवस्थाओं से किसानों में संतोष और उत्साह का माहौल है। धान उपार्जन केंद्र गिरोला में पहले दिन अपनी उपज बेचने पहुंचे किसान दिलीप दिवान ने बताया कि वे पहले दिन 100 क्विंटल धान विक्रय करने आए हैं। उन्होंने ऑनलाइन टोकन के माध्यम से घर बैठे ही धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त किया, जिससे उन्हें काफी सहूलियत हुई। उन्होंने कहा कि मोबाइल एप के जरिए टोकन प्राप्त करने की व्यवस्था से समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

इसी तरह ग्राम गिरोला निवासी किसान पुनउराम शोरी ने बताया कि उपार्जन केंद्र में धान खरीदी की सुव्यवस्थित व्यवस्था है। ऑनलाइन टोकन की सुविधा से घर बैठे ही टोकन प्राप्त हो जाता है, जिससे किसानों को अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़ती। वहीं ग्राम सातगांव निवासी किसान मेघनाथ दीवान ने बताया कि उनका 16 क्विंटल धान का टोकन कटा है और वे पहले दिन ही अपनी उपज बेचने उपार्जन केंद्र पहुंचे हैं।

किसानों ने राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था और कम मात्रा में धान विक्रय करने पर भी समान प्रोत्साहन सहायता राशि देने के निर्णय की सराहना की। उन्होंने इसे किसानों के हित में लिया गया महत्वपूर्ण निर्णय बताते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

'कम धान विक्रय करने पर भी मिलेगी पूरी सहायता राशि'

राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में पंजीकृत किसानों से प्रति एकड़ अधिकतम 21 क्विंटल के मान से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था की है। इसके साथ ही सरकार ने एक महत्वपूर्ण किसान हितैषी निर्णय लेते हुए यह सुनिश्चित किया है कि यदि कोई किसान निर्धारित अधिकतम उपार्जन सीमा 21 क्विंटल प्रति एकड़ से कम मात्रा में भी धान अथवा धान बीज का विक्रय करता है, तब भी उसे उसके बोए गए संपूर्ण सत्यापित रकबे के आधार पर प्रति एकड़ 13,839 रुपये की दर से पूरी सहायता राशि प्राप्त होगी। इससे किसानों को कम उपज विक्रय करने की स्थिति में भी आर्थिक सुरक्षा और प्रोत्साहन का लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार की इन किसान हितैषी पहलों से शासन का उद्देश्य केवल धान की खरीदी तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाने के साथ उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना भी है। ऑनलाइन टोकन, पारदर्शी तौल, सुविधाजनक भुगतान और पूरी सहायता राशि सुनिश्चित करने जैसे निर्णय किसानों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। इन व्यवस्थाओं से जिले के अन्नदाताओं में विश्वास बढ़ा है और खेती-किसानी को आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल हुई है।

इस्लाम और मध्य-पूर्व या पश्चिमी फैंटेसी सिनेमा की किसी अजनबी दुनिया का नैरेटिव स्थापित करती 'रामायण: पार्ट 1'

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

नितेश तिवारी निर्देशित और नमित मल्होत्रा निर्मित 'रामायण: पार्ट 1' कई हजार करोड़ रुपये के बजट, आधुनिक तकनीक और भव्य दृश्य प्रभावों के कारण भारतीय सिनेमा की बड़ी वैश्विक प्रस्तुति के रूप में प्रचारित हुई। नवंबर 2026 में प्रदर्शित इस फिल्म ने अपने कथानक, पात्र-चित्रण, संगीत और वैचारिक दृष्टिकोण को लेकर गंभीर विमर्श खड़ा किया है। मूल प्रश्न यह है कि क्या तकनीकी भव्यता के बीच भारतीय ज्ञान परंपरा, सनातन जीवन-दर्शन और महर्षि वाल्मीकि के रामायण आख्यान की आत्मा सुरक्षित रह सकी है?

रामायण भारतीय समाज के लिए महज राजपरिवार का संघर्ष अथवा दो राजाओं के बीच युद्ध की कथा नहीं है। यह धर्म, मर्यादा, त्याग और आदर्श जीवन-मूल्यों का महाकाव्य है। वैश्विक दर्शकों के लिए इसका रूपांतरण करते समय रचनात्मक स्वतंत्रता स्वाभाविक है, पर मूल कथा की सांस्कृतिक और भी आवश्यक है। फिल्म में पश्चिमी फैंटेसी और एक्शन सिनेमा के प्रभाव वाले प्रयोग कई बार दर्शकों को भारतीय आध्यात्मिक परिवेश के बजाय मध्य-पूर्वी और पश्चिमी कल्पनालोक में ले जाते हैं।

शास्त्र बनाम पटकथा: कथानक के मूल स्वरूप से विचलन

फिल्म की शुरुआत वाल्मीकि रामायण के बालकाड और श्रीराम के अवतरण के उद्देश्य के बजाय लंका तथा रावण के उदय से होती है। इससे कथा का नैतिक केंद्र बदल जाता है। महर्षि वाल्मीकि ने नारद से आदर्श पुरुष के गुणों के विषय में प्रश्न करके रामकथा का आरंभ किया था। इसके विपरीत फिल्म रावण को शोषित असुर समुदाय के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले विद्रोही के रूप में प्रस्तुत करती है। इससे धर्म की स्थापना के लिए श्रीराम के अवतरण का मूल उद्देश्य अपेक्षित प्रभाव खोता दिखाई देता है।

अयोध्या के राजपरिवार का भावनात्मक पक्ष भी सीमित है। दशरथ और राम के संबंधों के मुकाबले कौशल्या, सुमित्रा, भरत, लक्ष्मण और उर्मिला के त्याग तथा पारिवारिक संबंधों को पर्याप्त स्थान नहीं मिला। वनवास के प्रसंग में यही भावनात्मक गहराई रामायण की विशिष्ट पहचान है।

रावण का महिमामंडन और पाश्चात्य एंटी-हीरो दृष्टिकोण

यश द्वारा निभाए गए रावण का चरित्र-चित्रण फिल्म का सबसे विवादास्पद पक्ष है। आधुनिक हॉलीवुड फिल्मों में खलनायक को उसकी पीड़ा और सामाजिक संघर्ष से जोड़कर एंटी-हीरो बनाने की प्रवृत्ति है। फिल्म में रावण को भी असुरों के अधिकारों के लिए लड़ने वाला प्रगतिशील और उदार शासक दिखाया गया है।वाल्मीकि रामायण में रावण की विद्वत्ता और शिवभक्ति के साथ उसका अहंकार, कामवासना और अधर्म भी स्पष्ट है। सबसे बड़ा बदलाव सीता हरण में दिखाई देता है।

मूल आख्यान में अकंपन की सलाह और शूर्पणखा द्वारा सीता के सौंदर्य का वर्णन रावण के अपहरण की पृष्ठभूमि बनते हैं। वह छलपूर्वक सीता का हरण करता है। फिल्म इस घटना को बहन शूर्पणखा के अपमान का बदला लेने से जोड़ती है। इससे रावण के अपराध का नैतिक संदर्भ बदल जाता है। अभिनेता नीतीश भारद्वाज ने भी इस चित्रण पर आपत्ति जताते हुए सवाल उठाया है कि यदि रावण को ही उदार और न्यायप्रिय नेता बना दिया जाए तो श्रीराम के अवतार और रावण वध का नैतिक औचित्य कैसे स्थापित होगा? उसके दस सिरों को पौराणिक प्रतीक के बजाय मानसिक द्वंद्व बताना भी भारतीय प्रतीकवाद का सरलीकरण है।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और माता सीता के स्वरूप का अवमूल्यन

रणबीर कपूर के श्रीराम में अपेक्षित आध्यात्मिक तेज और क्षत्रिय ओज सीमित दिखाई देता है, इतना सीमित की वे शौर्य और पराक्रम से दूर एक चाकलेटी हीरो नजर आ रहे हैं। श्रीराम राजसिंहासन मिलने पर अहंकार और वनवास मिलने पर विषाद से प्रभावित हुए बिना धर्म के लिए राजपाट त्याग देते हैं। फिल्म में सौम्यता दिखाने के प्रयास में उनकी संवाद अदायगी कई स्थानों पर धीमी और भावहीन प्रतीत होती है। रावण के प्रभावशाली चित्रण के सामने मुख्य नायक का व्यक्तित्व भी कमजोर पड़ता है। भारतीय नाट्य परंपरा यही कहती है कि आप खलनायक, बदमाश या दुर्जन (विलेन) को कितना भी चमत्कारपूर्ण दिखाएं, किंतु नायक से वह कभी श्रेष्ठ नहीं हो सकता है, फिर यह तो भगवान श्रीराम का चरित्र है। माता सीता (साई पल्लवी) को तलवार चलाने वाली आधुनिक योद्धा राजकुमारी के रूप में प्रस्तुत किया गया है। निर्देशक ने इसके समर्थन में अद्भुत रामायण और ओड़िया बिलांका रामायण का संदर्भ दिया है, किंतु फिल्म को वाल्मीकि रामायण पर आधारित बताकर को मिलाना शास्त्रीय संदर्भों को कमजोर करता है। अद्भुत रामायण में सहस्त्रमुखी रावण के साथ सीता ाधुनिक प्रेम पारंपरिक संबोधनों के स्थान पर सीधे नाम लेकर पुकारने जैसे प्रयोग भी सांस्कृतिक मर्यादा पर सवाल उठाते हैं।

संगीत, ध्वनि और सौंदर्यशास्त्र में इस्लामिक-सूफी प्रभाव

भारतीय दर्शन में नाद ब्रह्म की अवधारणा ध्वनि को आध्यात्मिक अनुभूति का माध्यम मानती है। रामायण जैसे महाकाव्य में वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद, वीणा, मृदंग और भारतीय शास्त्रीय रागों की स्वाभाविक उपस्थिति अपेक्षित है। ए.आर. रहमान और हंस जिमर की भागीदारी के बावजूद फिल्म का संगीत सांस्कृतिक असंगति को लेकर चर्चा में है।

सियासत की पाठशाला, मोहब्बत की दुकान, वंशावली का अद्भुत गणित



विनय के पाठक

भारतीय राजनीति का रंगमंच भी बड़ा अद्भुत है। यहां कब कौन-सा सूत्र लागू हो जाए और कब कौन-सी परिभाषा बदल जाए, इसका अंदाजा बड़े-बड़े गणितज्ञ और समाजशास्त्री भी नहीं लगा सकते। हाल ही में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक संदेश खूब चर्चा में रहा। इस संदेश में उन्होंने बड़े ही दार्शनिक और आध्यात्मिक अंदाज में लिखा कि भाजपा और आरएसएस के समर्थकों के दिलों में डर, गुस्से और नफरत ने ऐसा जाल बुन दिया है कि वे प्रेम को महसूस ही नहीं कर पा रहे हैं। आगे उन्होंने खुद को एक 'सच्चा हिंदू' बताते हुए यह बीड़ा उठाया कि वे उन समर्थकों को इस जाल से मुक्त कराएंगे, ताकि वे भी प्रेम और अपनेपन की सुंदरता को जान सकें। अंत में उन्होंने 'सत्यम् शिवम् सुंदरम्' लिखकर अपनी बात को एक सांस्कृतिक आवरण भी दे दिया।

राहुल गांधी का यह बयान सुनते ही लोगों को उनकी बहुचर्चित 'मोहब्बत की दुकान' की याद आ गई। सियासत के इस बाजार में यह दुकान भी बड़ी अनोखी है। जब चुनाव नजदीक आते हैं या वैचारिक घेराबंदी करनी होती है, तो इस दुकान का शटर बड़ी तेजी से उठता है। इसमें प्रेम, करुणा और भाईचारे के पैकेट सजाए जाते हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस दुकान के मालिक का दावा है कि वे विरोधियों को भी प्रेम का पाठ पढ़ाएंगे। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे कोई दुकानदार अपने पड़ोसी दुकानदार के ग्राहकों को बुलाकर कहे कि तुम्हारे सेठ ने तुम्हें डरा रखा है, आओ मैं तुम्हें असली मिठास चखाता हूं।



लेकिन इस पूरे विमर्श में सबसे ज्यादा ध्यान जिस शब्द ने खींचा, वह था— 'एक सच्चे हिंदू के रूप में'। जैसे ही यह वाक्य सामने आया, देश के राजनीतिक गलियारों और सोशल मीडिया के चौपालों पर वंशावली के पुराने पन्ने पलटे जाने लगे। सियासत में पहचान का यह गणित किसी पहेली से कम नहीं है। अकसर राजनीतिक विश्लेषक और आम जनता इस बात पर माथापच्ची करते नजर आते हैं कि आखिर यह समीकरण काम कैसे करता है।इतिहास के पन्नों पर नजर डालें तो कहानी दादा फिरोज गांधी और दादी इंदिरा गांधी से शुरू होती है। फिरोज गांधी पारसी परिवार से संबंध रखते थे, जिन्हें लेकर समय-समय पर कई तरह की चर्चाएं भी होती रही हैं। वहीं इंदिरा गांधी हिंदू परिवार से थीं। सामान्य सामाजिक परंपराओं और पितृवंश के नियमों के हिसाब से देखें, तो संतान की पहचान पिता के कुल और धर्म से तय होती है। लेकिन उस पीढ़ी में समय ने कुछ ऐसी करवट ली कि पितृवंश के बजाय मातृवंश की परंपरा को आधार माना गया। नतीजा यह हुआ कि फिरोज गांधी और इंदिरा गांधी के पुत्र राजीव गांधी को हिंदू पहचान मिली।

कहानी यहीं खत्म नहीं होती, बल्कि आगे चलकर और भी रोचक मोड़ लेती है। राजीव गांधी का विवाह इटली मूल की सोनिया से हुआ, जो ईसाई परंपरा से आती हैं। अब जनता और परंपरा के जानकारों ने सोचा कि पिछली पीढ़ी में जो मातृवंश का नियम लागू हुआ था, वही आगे भी चलेगा। यदि दादी के समय का सूत्र ही लागू रहता, तो सोनिया गांधी की संतानों— यानी राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की पहचान भी मातृवंश के आधार पर तय होती। लेकिन सियासत और सुविधा के इस अनोखे गणित ने यहां एक बार फिर अपना नियम बदल लिया। इस पीढ़ी में मातृवंश को विराम देकर अचानक पितृवंश की पुरानी पटरी पर गाड़ी दौड़ा दी गई। परिणामस्वरूप, राजीव और सोनिया की संतानें भी हिंदू ही कहलाईं।

यानी पारसी पिता और हिंदू माता की संतान भी हिंदू, और फिर हिंदू पिता तथा ईसाई माता की संतान भी हिंदू। गणित के इस समीकरण का केंद्र-बिंदु खोजने में अच्छे-अच्छों का सिर चकरा जाता है। कभी माता का नियम प्रभावी हो जाता है, तो कभी पिता की बारी आ जाती है। कभी जनेऊ धारण कर खुद को शिवभक्त और ब्राह्मण बताया जाता है, तो कभी 'सच्चे हिंदू' के रूप में विरोधियों का हृदय परिवर्तन करने का संकल्प लिया जाता है।

कुल मिलाकर, 'मोहब्बत की दुकान' से लेकर 'सच्चे हिंदू' होने के दावे तक, यह पूरी यात्रा बताती है कि राजनीति में तर्क और परंपराएं हमेशा परिस्थिति के अनुसार ढल जाती हैं। जनता भी इस सियासी जादूगरी को देखकर मुस्कुराती है और सोचती है कि काश ऐसा लचीला गणित उन्हें स्कूल की परीक्षाओं में भी मिला होता, जहां हर सवाल का जवाब अपनी सुविधा के अनुसार सही साबित किया जा सकता!

सोनिया-राजीव के संदर्भ में राहुल गांधी के बयान ने खड़े किए सवाल



सुदेश गौड़

किसी परिवार में पति-पत्नी के बीच प्रेम और आत्मीयता का अपना संसार होता है। उस संसार की स्मृतियां साझा करना गलत नहीं, लेकिन सार्वजनिक मंच पर निजी प्रसंगों के चयन और उनकी अभिव्यक्ति में विवेक तथा मर्यादा का ध्यान रखना भी आवश्यक है। राजनीति में नेताओं के भाषणों का मूल्यांकन केवल उनके राजनीतिक विचारों, आरोपों और प्रत्यारोपों से नहीं होता। उनके बोलने का तरीका, शब्दों का चयन, प्रसंगों की समझ और सार्वजनिक मंच की गरिमा भी उनके व्यक्तित्व के महत्वपूर्ण पक्ष उजागर करते हैं। हाल ही में सोनिया गांधी की पुस्तक के विमोचन समारोह में राहुल गांधी द्वारा सुनाया गया एक पारिवारिक प्रसंग इसी दृष्टि से चर्चा का विषय बन गया है।

राहुल गांधी ने अपने माता-पिता सोनिया और राजीव गांधी के आपसी प्रेम का उल्लेख करते हुए बताया कि भोजन के समय उनकी मां उनके पिता की गोद में बैठती थीं। बचपन में उन्हें यह व्यवहार बिल्कुल सामान्य लगता था। वे अपने मित्रों से पूछा करते थे कि उनके घरों में ऐसा क्यों नहीं होता? उनके लिए माता-पिता के प्रेम की यह अभिव्यक्ति उनके परिवार के सामान्य जीवन का हिस्सा थी।

यह एक निजी पारिवारिक संस्मरण था। संभव है कि राहुल गांधी के लिए यह अपने माता-पिता के बीच आत्मीयता और प्रेम को याद करने का सहज तरीका रहा हो। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर निजी पारिवारिक अनुभव को सार्वजनिक मंच से साझा करना आवश्यक है? क्या वक्ता को यह विचार नहीं करना चाहिए कि जिस प्रसंग को वह अपने परिवार में सामान्य मानता है, वह सार्वजनिक मंच पर उपस्थित दूसरे लोगों के लिए कितना असहज हो सकता है?

यहां एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है। पति-पत्नी के बीच प्रेम, निकटता और आत्मीयता न तो कोई अनुचित बात है और न ही उसे छिपाने की आवश्यकता है। भारतीय साहित्य, संस्कृति और परंपरा में दांपत्य प्रेम की अभिव्यक्ति के असंख्य उदाहरण मिलते हैं। लेकिन प्रेम की अभिव्यक्ति और निजी अंतरंगता के विवरण को सार्वजनिक मंच पर प्रस्तुत करना दो अलग-अलग विषय हैं। किसी बात का पारिवारिक जीवन में सहज होना आवश्यक नहीं कि उसे हर सार्वजनिक अवसर पर साझा करना भी उतना ही सहज बना दे। राहुल गांधी ने जिस प्रसंग को बचपन की मासूम स्मृति के रूप में सुनाया, उसमें उनकी भावनाएं अपनी जगह हो सकती हैं। लेकिन सार्वजनिक जीवन में केवल भावनाओं का होना पर्याप्त नहीं होता। उनके साथ अवसर की समझ, शब्दों का संयम और श्रोताओं की संवेदनशीलता का ध्यान रखना भी जरूरी होता है। अपने बयान की हर तरफ निंदा होने पर राहुल द्वारा शिव पार्वती का ऐसा ही चित्र जारी करने पर वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप भटनागर तंज कसते हुए कहते हैं कि राहुल गांधी ने अपनी मां पर एक भाषण क्या दिया, रफूगर और रंगसाजों को बैठे बिठाए काम मिल गया। नेता तो ऐसा ही होना चाहिए जो बूढ़े बेरोजगारों को भी काम पर लगा दे।

बचपन की सहजता और वयस्क की अभिव्यक्ति में अंतर

राहुल गांधी ने अपने बचपन का उल्लेख करते हुए बताया कि उन्हें लगता था कि माता-पिता का ऐसा व्यवहार सामान्य है और वे दूसरे बच्चों से भी इसी बारे में पूछा करते थे। यह आठ-दस वर्ष के किसी बच्चे की जिज्ञासा होती तो उसे सहज बालसुलभ व्यवहार कहा जा सकता था। बच्चे अपने घर के वातावरण को ही दुनिया का सामान्य व्यवहार मान लेते हैं। उन्हें यह समझने में समय लगता है कि प्रत्येक परिवार की अपनी परंपराएं, आदतें और भावनात्मक अभिव्यक्तियां होती हैं। लेकिन जब वही प्रसंग 56 साल का एक प्रौढ़ व्यक्ति, जो देश के प्रमुख राजनीतिक नेताओं में शामिल हो, सार्वजनिक मंच से सुनाता है तो उसका मूल्यांकन अलग कसौटी पर होता है। यहां सवाल बचपन की मासूमियत का नहीं, बल्कि प्रौढ़ वक्ता के रूप में प्रसंग के चयन और उसकी सार्वजनिक प्रस्तुति का है। क्या राहुल गांधी यह समझ रहे थे कि वे किस अवसर पर क्या कह रहे हैं? क्या उन्हें यह आभास था कि उनके शब्दों को सुनने वाले अलग-अलग सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आते हैं? क्या सार्वजनिक मंच पर पारिवारिक प्रेम को व्यक्त करने के लिए कोई दूसरा अधिक मर्यादित और गरिमापूर्ण तरीका नहीं चुना जा सकता था?

वरिष्ठ पत्रकार देवप्रिय अवस्थी कहते हैं कि राहुल गांधी द्वारा सोनिया के राजीव की गोद में बैठने की बात परंपरागत भारतीय समाज में आसानी से हजम होने वाली नहीं है। इंदिरा गांधी के जीवन काल में पूरे परिवार के साथ बैठकर भोजन करने के जो चित्र सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं, वे राहुल गांधी की बात की पुष्टि नहीं करते हैं। यह बात भी आम है कि जब तक इंदिरा गांधी जीवित थीं, तब पूरा परिवार साथ बैठकर भोजन करता था, इसलिए राहुल द्वारा भोजन के समय सोनिया के राजीव गांधी की गोद में बैठने के प्रसंग का उल्लेख किए जाने का औचित्य मेरी समझ से परे है।

सार्वजनिक जीवन में निजता का सम्मान

भारतीय परिवार व्यवस्था में निजता का अपना महत्व है। परिवार के सदस्यों के बीच होने वाले अनेक व्यवहार प्रेम, विश्वास और आत्मीयता के प्रतीक होते हैं। उनका महत्व इसी बात में भी है कि वे परिवार के अपने भावनात्मक संसार का हिस्सा होते हैं। हमारे यहां बड़ों के सामने बोलने, पारिवारिक प्रसंगों का उल्लेख करने और सार्वजनिक समारोहों में शब्दों का चयन करने की एक सामाजिक परंपरा रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि समाज को रूढ़ियों में बांध दिया जाए या प्रेम की अभिव्यक्ति पर कोई प्रतिबंध लगाया जाए। इसका सीधा अर्थ है कि हर बात कहने का एक अवसर और हर अवसर की एक गरिमा होती है। राजनीतिक नेता जब किसी सार्वजनिक समारोह में बोलते हैं तो वे केवल अपने परिवार के सदस्य के रूप में उपस्थित नहीं होते। उनके शब्दों को सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बनाया जाता है। इसलिए उनसे अपेक्षा होती है कि वे अपनी ं और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाए रखें।

सार्वजनिक संवाद की मर्यादा

यह भी ध्यान रखना चाहिए कि राहुल गांधी ने यह प्रसंग अपनी मां के प्रति प्रेम और अपने माता-पिता के संबंधों की आत्मीयता व्यक्त करने के लिए सुनाया था।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 20 नवबंर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

दीपावली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सामाजिक प्रतिनिधियों से आत्मीयता के साथ की मुलाकात

स्वर्णकला बोर्ड के गठन का दिया आश्वासन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा सामाजिक प्रमुखों, वरिष्ठ समाजसेवियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के सम्मान में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपनी सहजता, सरलता एवं आत्मीय व्यवहार का परिचय देते हुए प्रत्येक टेबल पर स्वयं पहुंचकर उपस्थित अतिथियों से मुलाकात की। उनका यह आत्मीय स्वभाव छत्तीसगढ़ की माटी की संस्कृति, संस्कार और अपनत्व की सच्ची पहचान है।कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के पद्मसम्मानित व्यक्तित्वों सहित विभिन्न समाजों एवं संगठनों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। इसमें ओबीसी, एससी, एसटी सहित साहू समाज, कुर्मी समाज, आदिवासी समाज, अघरिया समाज, पनका समाज, गोंड समाज, निषाद समाज एवं अन्य सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

मुख्यमंत्री ने सभी अतिथियों एवं उनके परिवारों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा उनकी सामाजिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को गंभीरता से सुनकर सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया। ऐसे आयोजन शासन और आमजन के बीच संवाद एवं विश्वास को मजबूत करने का सराहनीय माध्यम हैं।

इसी क्रम में सोनी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय संव कुमार सोनी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से भेंट की। सोनी ने लंबे समय से समाज की प्रमुख मांग छत्तीसगढ़ स्वर्णकला रजतकला बोर्ड के गठन के विषय में मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि यह मांग स्वर्णकार समाज के कारीगरों, छोटे व्यवसायियों एवं पारंपरिक हस्तशिल्प से जुड़े परिवारों के आर्थिक सशक्तीकरण के साथ–साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने इस संबंध में लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों, विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं केंद्रीय नेतृत्व को भेजे गए पत्रों तथा माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अनुशंसा से संबंधित पत्र की प्रति भी मुख्यमंत्री निवास में प्रस्तुत की। सोनी ने बताया कि इतने लंबे समय से प्रयास किए जाने के बावजूद इस मांग पर अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो पाई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस विषय को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुना तथा स्वर्णकला बोर्ड के गठन की दिशा में शीघ्र पहल करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री का यह सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण निश्चित रूप से स्वर्णकार समाज के लिए आशा और विश्वास का विषय है।

दो वर्षों में 13,000 से अधिक मरीजों का उपचार, डॉ. अभिमन्यु आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल मनाएगा दूसरी वर्षगांठ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित डॉ. अभिमन्यु आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल अपनी स्थापना के सफलतापूर्वक दो वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। इस अवसर पर अस्पताल द्वारा 20, 21 एवं 22 नवंबर 2026 को तीन दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन दो वर्षों के दौरान अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 13,000 से अधिक मरीजों का उपचार किया है। विशेष बात यह है कि अस्पताल में केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश के विभिन्न राज्यों से भी मरीज उपचार एवं परामर्श के लिए पहुंचे हैं। यह उपलब्धि अस्पताल के प्रति मरीजों के विश्वास, चिकित्सकीय सेवाओं की गुणवत्ता और समर्पित टीम के प्रयासों को दर्शाती है। अस्पताल छत्तीसगढ़ के प्रथम 20–बेडेड मान्यता प्राप्त आयुर्वेद मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के रूप में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं, निर्धारित गुणवत्ता मानकों एवं पारंपरिक आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के समन्वय के साथ मरीजों को सेवाएँ प्रदान कर रहा है। सरकारी कर्मचारियों एवं कर्मचारियों के लिए विशेष सुविधा अस्पताल में पात्र सरकारी कर्मचारियों के लिए चिकित्सा उपचार पर नियमानुसार मेडिकल रीइम्बर्समेंट की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही



छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के कर्मचारियों के लिए कैशलेस उपचार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इससे पात्र कर्मचारियों को आयुर्वेद चिकित्सा सेवाओं का लाभ लेने में सुविधा मिलेगी। तीन दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में मिलेंगी ये सुविधाएँ आम नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और समय रहते बीमारियों की पहचान करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध रहेंगी– निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सकीय परामर्श। ब्लड प्रेशर की निःशुल्क जांच। रैंडम ब्लड शुगर की निःशुल्क जांच। ब्लड कोलेस्ट्रॉल की निःशुल्क जांच। बोन मिनरल डेंसिटी की निःशुल्क जांच। आवश्यकतानुसार आयुर्वेदिक समस्याएँ, पाइल्स–फिशर–फिस्टुला, न्यूरोलॉजिकल समस्याएँ, महिलाओं का स्वास्थ्य, बाल चिकित्सा, त्वचा एवं बाल संबंधी समस्याएँ, फिजियोथेरेपी एवं लाइफस्टाइल डिसऑर्डर सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध हैं।

देशभर में 52 लाख शादियों से ?7.50 लाख करोड़ और छत्तीसगढ़ में 1.30 से 1.50 लाख शादियों से 18 से 20 हजार करोड़ के कारोबार का अनुमान - कैट



रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (ष्टद्बञ) के नेशनल वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, विक्रम सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, वाइस चेयरमेन सुरिन्दर सिंह, जीवत बजाज, प्रदेश महामंत्री अवनीत सिंह, प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, वासु माखीजा, राम मंधान, भरत जैन, राकेश ओचवानी एवं शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि छत्तीसगढ़ आगामी विवाह सीजन में प्रदेश की अर्थव्यवस्था और घरेलू बाजार में एक बड़े कारोबारी उछाल का साबनने जा रहा है। 21 नवंबर से 15 दिसंबर 2026 तक चलने वाले विवाह सीजन में पूरे प्रदेश में लगभग 1.30 लाख से 1.50 लाख शादियां होने का अनुमान है, जिनसे करीब 18,000 से 20,000 करोड़ का कारोबार होने की संभावना है। 15 दिसंबर के बाद मलमास प्रारंभ होने के कारण इस अवधि में विवाह एवं अन्य मांगलिक आयोजनों पर विराम लग जाएगा। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी ने यह अनुमान व्यक्त करते हुए कहा कि विवाह सीजन छत्तीसगढ़ के व्यापार, उद्योग, सेवा क्षेत्र और स्थानीय बाजारों के लिए वर्ष के सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी अवसरों में से एक है।

जनजातीय समाज के योगदान पर मीडिया रिसर्च करें - प्रो. दयाल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जनजातीय गौरव माह में संगोष्ठी जनजाति समाज का गौरवशाली अतीत ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान विषय पर हुई। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित संगोष्ठी के मुख्य वक्ता प्रो. मनोज दयाल, राजीव शर्मा, अनुराग जैन, सुनील कुमार शर्मा और डॉ. आशुतोष मंडावी रहे।

कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि जनजाति समाज का एक गौरवशाली इतिहास रहा है, झारखंड के तिलका मांझी से लेकर छत्तीसगढ़ के गुंडाधूर तक जनजाति समाज के लोगों ने जो किया वह अविश्वरणीय अद्भुत और अनोखा है। प्रो. दयाल ने कहा कि एक तरफ जहां लोग कहीं भी जाकर काम करने के



लिए राजी हो जाते हैं वही जनजाति समाज के लोग कभी भी अपने समाज को छोड़कर दूसरी जगह जाना नहीं चाहते, उनकी सामूहिकता ही उनकी शक्ति है। जनजाति समाज की स्वदेशी जीवन शैली अपने आप में बहुत ही अनोखी है। अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई बस्तर में भी लड़ी गई सिर्फ दिल्ली में नहीं। विद्यार्थियों को निर्देशित करते हुए डॉ. दयाल ने कहा कि जनजातीय समाज के योगदान पर मीडिया रिसर्च का विषय शोधार्थी बनाएं।

कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा ने स्वागत उद्बोधन कहा कि जनजाति समाज के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। आखिर आज हमें जनजाति समाज के गौरव को याद करने की जरूरत क्यों पड़ी क्योंकि हमें कभी भी स्कूल एजुकेशन में यह चीज़ पढ़ाई नहीं गई है। जब हम एक लंबा इतिहास समाज का देखते हैं तो सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर जनजाति समाज ने देश के लिए इतना बड़ा बलिदान दिया है। उन्होंने मानगढ़ की उस ऐतिहासिक घटना का उल्लेख भी किया जिसमें जनजाति समाज के करीब 1500 लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया था।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय के कार्य परिषद के सदस्य राजीव शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज में समुदायिकता की भावना कूट–कूट कर भरी होती है। वे जो भी करते हैं मिलजुल कर करते हैं, उनके लिए एकाकी जीवन का कोई अर्थ नहीं है। जनजातीय समाज के ज्ञान भंडार, प्रकृति के प्रति उनकी संवेदनशीलता एवं जनजातीय वीरता और गौरव को उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, गुंडाधुर, भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती और तिलका मांझी की वीरता के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों में जोश भरा। शर्मा ने कहा कि जनजातीय समाज को समझना है तो पहले उनकी अस्मिता को समझाना पड़ेगा।

विद्यालयों का निजीकरण नहीं, भवन और भूमि का शत-प्रतिशत स्वामित्व शासन के पास रहेगा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों एवं विकासखंड मुख्यालयों में बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। इन विद्यालयों की भूमि, भवन एवं अन्य संपत्तियों का शत–प्रतिशत स्वामित्व राज्य शासन के पास ही रहेगा। इसके अंतर्गत प्रदेश के पांच संभागों में संचालित 207 इग्नाइट (द्बह्लह्द्बञश्व) विद्यालयों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के माध्यम से संचालित करने का प्रस्ताव शासन स्तर पर विचाराधीन है। इनमें 103 प्राथमिक एवं 104 पूर्व माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को सीबीएसई पाठ्यक्रम आधारित अंग्रेजी माध्यम की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। सीबीएसई मानकों के अनुरूप पाठ्यक्रम, शिक्षक प्रशिक्षण एवं स्टाफ की समयबद्ध उपलब्धता और अनुभवी संस्थाओं की विशेषज्ञता का लाभ लेना आवश्यक है। इसका प्राथमिक लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच बनाना है । विद्यालयों का स्वामित्व शासन के पास, केवल संचालन की जिम्मेदारी संस्था को प्रस्ताव के अनुसार इग्नाइट विद्यालयों का संचालन ओएमटी (ऑपरेशन, मेंटेनेंस एंड ट्रांसफर) मॉडल के अंतर्गत किया जाएगा। इसके तहत चयनित संस्था को 30 वर्षों के लिए विद्यालयों के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी दी जाएगी।

सैनिक स्कूल- जहां कक्षा 6 वीं से ही शुरू हो जाती है सैन्य अधिकारी बनने की यात्रा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय सशस्त्र बलों में अधिकारी बनने का सपना देखने वाले विद्यार्थियों के लिए सैनिक स्कूल एक मजबूत और अनुशासित शुरुआत का माध्यम हैं। वर्ष 1961 में तत्कालीन रक्षा मंत्री वी.के. कृष्ण मेनन की दूरदर्शी सोच के साथ शुरू हुए इन स्कूलों का पहला संस्थान महाराष्ट्र के सतारा में स्थापित किया गया था। इनका मुख्य उद्देश्य पूरे देश से राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (ह्वष्ठ) के लिए योग्य उम्मीदवारों को तैयार करना और चुनिंदा क्षेत्रों से आगे बढ़कर हर क्षेत्र से सैन्य अधिकारियों की भागीदारी बढ़ाना था।

33 सैनिक स्कूल, नए साझेदारी स्कूल और लड़कियों को प्रवेश

रक्षा मंत्रालय के अधीन सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा संचालित इन स्कूलों की संख्या अब 33 हो चुकी है, जिनके साथ साझेदारी के



तहत चलने वाले नए सैनिक स्कूल भी जुड़े हैं। वर्ष 2021–22 से इनमें लड़कियों को भी प्रवेश दिया जा रहा है। इनसे भी पुराने संस्थानों में देहरादून स्थित राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज जिसकी स्थापना 1922 में हुई थी, और चौल, अजमेर, धौलपुर, बेलगाम तथा बेंगलुरु में स्थित पांच राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल शामिल हैं।

सैनिक स्कूल सोसाइटी के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। शैक्षणिक सत्र 2027–28 के लिए यह परीक्षा 33 सैनिक स्कूलों में कक्षा 6 वीं और 9 वीं के साथ–साथ 80 नए सैनिक स्कूलों में कक्षा 6 वीं तथा 40 नए सैनिक स्कूलों में कक्षा 9 वीं के दाखिले के लिए हो रही है। मौजूदा सैनिक स्कूलों में संभावित सीटों की संख्या कक्षा 6 के लिए 3,160 (जिनमें 351 सीटें लड़कियों के लिए हैं) और कक्षा 9 के लिए 732 है।

स्काउटिंग से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और सेवाभाव का होता है विकास - मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



स्कूल शिक्षा मंत्री एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य अध्यक्ष श्री गजेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में आज रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का एक दिवसीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्काउटिंग गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने, संगठनात्मक कार्यों को गति देने तथा स्काउटिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सम्मानित किया गया।

मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, नई दिल्ली डॉ. के. के. खंडेलवाल ने कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स संगठन विद्यार्थियों और युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, सामाजिक उत्तरदायित्व और सेवाभाव विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

स्काउटिंग गतिविधियां बच्चों एवं युवाओं को जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती हैं। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और समाज सेवा की प्रेरणा देने वाला सशक्त आंदोलन है। प्रदेश के विद्यालयों में स्काउट्स एवं गाइड्स की गतिविधियों को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

घर बैठे ऑनलाइन टोकन, धान विक्रय में मिली बड़ी सुविधा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों की सुविधा, पारदर्शिता और समय की बचत को प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी व्यवस्था में डिजिटल तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है। शासन की इसी किसान हितैषी पहल के तहत शुरू किया गया 'किसान तुहर टोकन' ऐप किसानों के लिए बड़ी सुविधा साबित हो रहा है। अब किसानों को धान विक्रय के लिए टोकन प्राप्त करने के लिए अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ रही है। वे अपने मोबाइल के माध्यम से घर बैठे ही ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर निर्धारित धान उपार्जन केंद्रों में आसानी से अपनी उपज बेच रहे हैं।

डिजिटल सुविधा का लाभ उठाकर जिले के किसान भी सहजता से धान विक्रय कर रहे हैं। गौरेला–पेंड्रा–मरवाही जिले के पेंड्रा के किसान कौशल कुमार ने 'किसान तुहर टोकन' ऐप के माध्यम से घर बैठे ही धान विक्रय



के लिए ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया। उन्हें टोकन कटवाने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने पेंड्रा धान खरीदी केंद्र पहुंचकर अपनी 14 क्विंटल 40 किलोग्राम धान की उपज का सफलतापूर्वक विक्रय किया। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन टोकन की सुविधा से उनका समय बचा और धान बेचने की पूरी प्रक्रिया काफी आसान हो गई। इस सुविधाजनक व्यवस्था के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

इसी प्रकार मरवाही के किसान राजेश यादव ने भी मोबाइल के माध्यम से आसानी से ऑनलाइन टोकन प्राप्त किया और मरवाही धान उपार्जन केंद्र में अपनी 82 क्विंटल धान की उपज का सुगमतापूर्वक विक्रय किया। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से धान बेचने में आसानी हुई है। घर बैठे टोकन मिलने से समय की बचत हुई और खरीदी केंद्र में धान विक्रय की प्रक्रिया भी आसान रही। उन्होंने इस किसान हितैषी पहल के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का धन्यवाद ज्ञापित किया।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा धान सरल, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए तकनीक आधारित सुविधाओं को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। 'किसान तुहर टोकन' ऐप इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसके माध्यम से किसानों को घर बैठे टोकन प्राप्त करने की सुविधा मिल रही है।

जल जीवन मिशन से महिलाओं को पानी की मशक्कत से राहत, बदल रही दिनचर्या

गांव की शांति चौहान भी इस बदलाव से लाभान्वित हुई हैं

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जल जीवन मिशन के तहत घर–घर नल से पानी पहुंचने के बाद रायगढ़ जिले के नूनदरहा गांव की महिलाओं की दिनचर्या में बड़ा बदलाव आया है। पहले रोज पानी जुटाने में घंटों मेहनत करने वाली महिलाओं को अब घर में ही पेयजल मिलने से राहत मिली है। पानी ढोने की मशक्कत कम होने से उनका समय और श्रम बच रहा है। इसका सीधा असर घरेलू कामकाज, बच्चों की देखभाल और परिवार की स्वच्छता पर पड़ रहा है। गांव की शांति चौहान भी इस बदलाव से लाभान्वित हुई हैं। कभी पानी का इंतजाम उनकी



रोज की बड़ी चिंता थी, लेकिन अब घर में नल से पानी मिलने से वे परिवार और दूसरे जरूरी कामों के लिए अधिक समय निकाल पा रही हैं। रायगढ़ जिला मुख्यालय से करीब 47 किलोमीटर दूर तमनार विकासखंड की ग्राम पंचायत नूनदरहा में 331 परिवार और 1281 की आबादी है। पहले यहां दैनिक जरूरतों के लिए पानी जुटाना महिलाओं की बड़ी जिम्मेदारी थी। गर्मियों में पानी की कमी से खाना बनाने, कपड़े धोने और घर की साफ–सफाई जैसे काम भी प्रभावित होते थे। महिलाओं का काफी समय पानी के इंतजाम में निकल जाता था। जल जीवन मिशन के तहत गांव में घरों तक नल से पेयजल पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। घरों में नल कनेक्शन मिलने से पानी ढोकर लाने की जरूरत कम हुई है। अब रसोई, कपड़ों की धुलाई और साफ–सफाई के काम पहले से आसान हुए हैं। इससे परिवार की स्वच्छता पर भी बेहतर ध्यान देना संभव हुआ है।

रोज की भागदौड़ से मिली राहत

नूनदरहा की शांति चौहान को पहले परिवार की जरूरतों के लिए पानी जुटाने में काफी समय लगाना पड़ता था। घर में नल कनेक्शन मिलने के बाद उनकी दिनचर्या आसान हुई है। अब वे पानी के इंतजाम में लगने वाला समय बच्चों, परिवार और घरेलू कामकाज को दे पा रही हैं। पानी की उपलब्धता से व्यक्तिगत स्वच्छता और घर की साफ–सफाई पर ध्यान देना भी सरल हुआ है।

जल जीवन मिशन के तहत सुरक्षित पेयजल के प्रति जागरूकता के साथ जल स्रोतों के संरक्षण, पानी के विवेकपूर्ण उपयोग और जल की गुणवत्ता बनाए रखने पर भी जोर दिया जा रहा है। नूनदरहा में घर तक पानी पहुंचने से महिलाओं को मिल रही राहत बताती है कि बुनियादी सुविधा का सीधा असर उनके जीवन पर पड़ता है।

पानी जुटाने का बोझ कम होने से उन्हें अपनी रुचि और आजीविका से जुड़े कार्यों के लिए भी समय निकालने का अवसर मिलता है।

प्रबोधिनी एकादशी

छंद-मनहरण घनाक्षरी

सुषमा के स्नेहिल सृजन

****

वृंदावती शालिग्राम, प्रबोधिनी शुभ नाम,
विवाह संपन्न विधि,
आस्था व विश्वास में।
विवाह मुहूर्त आज, शुभ लग्न पूर्ण काज,
एकादशी शुक्ल तिथि,
कार्तिक के मास में।

मंगल पावन बड़ी, 'सुषमा' सुखद घड़ी,
मंडप सजा के करें,
कृपा पाने आस में।
ओम जय जगदीश, मिले प्रभु शुभाशीष,
पद्मनाभ विष्णु भक्ति,
अति हर्षोल्लास में।



सुषमा प्रेम पटेल(रायपुर छ.ग.)

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 20 नवम्बर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

टांडपाल में जनजातीय कृषकों को अलसी के उन्नत बीजों का वितरण, उतेरा खेती अपनाने पर जोर

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



आदिवासी क्षेत्रों में तिलहन उत्पादन और कृषकों की आजीविका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बुधवार को तोकापाल विकासखंड के ग्राम टांडपाल में एक दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्नत बीज वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत संचालित परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र (जगदलपुर) तथा भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में जनजाति उपयोजना (टीएसपी) तिलहन परियोजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 50 एकड़ रकबे में अलसी की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए जनजातीय कृषकों को उन्नत किस्मों के बीज वितरित किए गए। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र के दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को तिलहन की पैदावार बढ़ाने के व्यावहारिक गुर सिखाते हुए बताया कि धान की कटाई के बाद खेतों में बची हुई मृदा नमी के अवशेषों का सदुपयोग करने के लिए उतेरा खेती अपनाना अत्यंत लाभकारी है। इसके साथ ही विशेषज्ञों ने किसानों को उन्नत उत्पादन तकनीक, कतार बोआई, बीज उपचार, फसल प्रबंधन और भूमि सुधार में सल्फर के महत्व तथा कृषि आदानों के संतुलित व दक्षतापूर्ण उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं।

तिलहन परियोजना के राज्य प्रमुख अन्वेषक डॉ. नंदन मेहता, राज्य समन्वयक डॉ. संजय द्विवेदी एवं परिक्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र जगदलपुर के सह–संचालक अनुसंधान डॉ. एके ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुए इस शिविर में प्रमुख वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) डॉ. टीपी चंद्राकर, परियोजना प्रमुख अन्वेषक एवं वैज्ञानिक (शस्य विज्ञान) डॉ. भुजेंद्र कुमार, वैज्ञानिक गंगाधर भगत तथा अतिथि वैज्ञानिक संदीप कुमार ने उपस्थित रहकर कृषकों का मार्गदर्शन किया।

दन्तेश्वरी कॉलेज ऑफ फार्मेसी के छात्रों को यातायात नियमों और गुड सेमेरिटन लॉ के प्रति किया गया जागरूक

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



युवाओं और कॉलेज स्टाफ को यातायात नियमों के प्रति सजग करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस जगदलपुर द्वारा बुधवार 18 नवम्बर को बोरपदर स्थित दन्तेश्वरी कॉलेज ऑफ फार्मेसी में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बस्तर के पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) जयराम चेरमाको और यातायात प्रभारी मधुसूदन सिंह नाग ने उपस्थित छात्र–छात्राओं एवं स्टाफ को सड़क दुर्घटनाओं के मुख्य कारणों, उनसे बचाव और रोकथाम के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से यातायात एवं सड़क सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की। इसके साथ ही, सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद को प्रोत्साहित करने वाले गुड सेमेरिटन लॉ, राहवीर योजना और पीएम (प्रधानमंत्री) राहत योजना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं की भी विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस जागरूकता अभियान में कॉलेज के करीब 200 छात्र–छात्राओं और स्टाफ ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस अवसर पर दन्तेश्वरी कॉलेज ऑफ फार्मेसी बोरपदर से डॉ. श्रुती रंजन मिश्रा, डॉ. रोमा प्रसाद पाढ़ी, डॉ. रवि कनौती, डॉ. प्रशांत और डॉ. भूमि सिंह नैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं यातायात विभाग की ओर से डीएसपी जयराम चेरमाको और प्रभारी मधुसूदन सिंह नाग के साथ प्रधान आरक्षक प्रकाश चन्द्र देवांगन, आरक्षक समरथ मरकाम तथा आरक्षक संदीप तिर्की ने कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया।

मशरूम उत्पादन से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहीं कौशल्या सेठिया

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



बस्तर की माटी में मेहनत और आत्मविश्वास के सहारे सफलता की नई इबारत लिख रही ग्रामीण महिलाओं की कहानियां अब दूसरे लोगों के लिए भी प्रेरणा बन रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी जनपद पंचायत बास्तानार के ग्राम पंचायत कोड़ेनार की रहने वाली श्रीमती कौशल्या सेठिया की है, जिन्होंने मशरूम उत्पादन को अपनी आजीविका का आधार बनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ाया है। कभी सीमित संसाधनों के बीच अपने परिवार की आमदनी बढ़ाने का सपना देखने वाली कौशल्या आज मशरूम उत्पादन के जरिए न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रही हैं।

समूह से जुड़ाव ने दिखाई नई राह– कौशल्या सेठिया वर्ष 2017 से स्व–सहायता समूह से जुड़ी हुई हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। इस प्रशिक्षण ने उनके भीतर एक नई संभावना जगाई। उन्होंने सीखे हुए हुनर को आजीविका में बदलने का संकल्प लिया और वर्ष 2024 में अपने घर से ही मशरूम उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया। शुरुआत में सीमित संसाधनों के साथ शुरू की गई इस गतिविधि को आगे बढ़ाने में स्व–सहायता समूह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। समूह के माध्यम से प्राप्त सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) और बैंक लिंकेज की राशि का उपयोग कर उन्होंने अपने व्यवसाय को धीरे–धीरे विस्तार दिया।

एक लाख रुपये के ऋण से बढ़ाया उत्पादन– कौशल्या ने अपने उद्यम को और आगे बढ़ाने के लिए वर्ष 2026 में ग्रामीण बैंक कोड़ेनार से एक लाख रुपये का स्वयं सिद्धा ऋण प्राप्त किया। इस आर्थिक सहयोग से उन्होंने मशरूम उत्पादन की क्षमता में वृद्धि की। आज उनका उत्पादन बढ़कर 700 पैकेट तक पहुंच गया है। प्रत्येक मशरूम का विक्रय लगभग 400 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से किया जा रहा है।

बस्तर बनेगा आदर्श जनजातीय क्षेत्र

बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और शिक्षा से लेकर सांस्कृतिक विरासत तक 187 करोड़ रुपए की कार्ययोजना

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग को एक मॉडल जनजातीय क्षेत्र के रूप में विकसित करने के लिए व्यापक विकास और कल्याणकारी योजनाओं का खाका तैयार किया गया है। संभाग के सात जिलों बस्तर, कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा के समग्र उत्थान के लिए प्रस्तावित कुल 187.43 करोड़ रुपए की कार्ययोजना में से 126.55 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को पहले ही स्वीकृति मिल चुकी है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की 66.95: जनजातीय आबादी (20.69 लाख से अधिक) के जीवन स्तर में सुधार लाना और उनकी समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को सहेजना है।

बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और वन अधिकारों के सशक्तिकरण की दिशा में बस्तर संभाग के 461 गांवों को ऑन–ग्रिड बिजली से जोड़ने के लिए 435 करोड़ रुपए की परियोजना (पहले चरण यानी वित्त वर्ष 2026–27 के लिए 85 करोड़ रुपए) को लोक लेखा समिति द्वारा मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही, संभाग के 160 गांवों में सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु 16 करोड़ रुपए स्वीकृत कर राशि राज्य को हस्तांतरित कर दी गई है, जबकि बस्तर–नारायणपुर क्षेत्र की विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह अबूझमाड़िया समुदाय के पर्यावास अधिकारों की मान्यता के लिए 1.65 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी ठोस कदम उठाए जा रहे हैं, जिसके तहत कुपोषण प्रभावित पीव्हीटीजी क्षेत्रों में 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चों की देखभाल के लिए सामुदायिक प्रबंधित क्रेच स्थापित करने हेतु 7.15 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा, जगदलपुर मेडिकल कॉलेज में सिकलसेल रोग के लिए 5 करोड़ रुपए की लागत से सेंटर ऑफ कॉम्पिटेंस बनाने और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद – राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के सहयोग से मलेरिया व टीबी उन्मूलन मिशन चलाने की योजना है। शिक्षा के मोर्चे पर, प्राथमिक स्कूलों और बालवाड़ियों में गोंडी, हल्बी, भतरी, धुरवी और दोरली जैसी स्थानीय जनजातीय भाषाओं में बहुभाषी शिक्षा सामग्री विकसित करने के लिए 6.75 करोड़ रुपए के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है, वहीं उल्लास कार्यक्रम के तहत वयस्कों को डिजिटल और वित्तीय साक्षरता देने के लिए एक करोड़ रुपए का प्रस्ताव रखा गया है।

स्थानीय आजीविका और उद्यमिता को गति देने के लिए वनोपज और कृषि आधारित क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। इनमें बस्तर और नारायणपुर में इमली प्रसंस्करण क्लस्टर (2.50 करोड़ रुपए), बीजापुर व बस्तर में महुआ क्लस्टर (2.50 करोड़ रुपए), सुकमा में आम व छिंद–ताड़ी गुड़ तथा बीजापुर में चिरौंजी क्लस्टर (3.20 करोड़ रुपए) प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त जगदलपुर में 5 करोड़ रुपए ढोकरा, बांस, काष्ठ और टेराकोटा शिल्प क्लस्टर के लिए 3 करोड़ रुपए तथा जगदलपुर–चित्रकोट–कांगेर घाटी कॉरिडोर में इको–टूरिज्म और होमस्टे को बढ़ावा देने के लिए 5 करोड़ रुपए प्रस्तावित हैं।

धान खरीदी को सुचारु बनाने खसरा, रकबा एवं फसल प्रविष्टियों में त्रुटियों का किया जा रहा सुधार



धमतरी, (प्रतिदिन राजधानी)

पूरे छत्तीसगढ़ सहित धमतरी जिले में विगत 15 नवंबर से खरीफ विपणन वर्ष 2026–27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य प्रारंभ हो गया है। जिले में खरीदी के शुरुआती तीन दिनों (15 से 17 नवंबर) में 2,398 किसानों से कुल 8,205.16 मीट्रिक टन धान का उपार्जन किया जा चुका है। वहीं, 18 नवंबर के लिए 1,008 किसानों को टोकन जारी किए गए हैं, जिनके माध्यम से 3,663.25 मीट्रिक टन धान खरीदी प्रस्तावित है। धान खरीदी की इस प्रक्रिया को सुचारु, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा किसानों के पंजीयन संबंधी अभिलेखों में त्रुटियों के सुधार तथा वास्तविक रकबे एवं फसल का सत्यापन सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके लिए कृषि साख सहकारी समिति मॉड्यूल में खसरा मैपिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इसके माध्यम से समिति ऑपरेटरों द्वारा एग्रीस्टैक यूएफआर (हतपैजंबा न्ध्द) से कृषकों के खसरों का मिलान एवं मैपिंग की जा रही है। ऐसे किसानों के अभिलेखों में सुधार किया जा रहा है, जिनके पंजीयन में खसरा नंबर, भूमि का रकबा अथवा फसल की प्रविष्टि में विसंगति है। विशेष रूप से जिन किसानों का पंजीकृत रकबा शून्य प्रदर्शित हो रहा है अथवा धान के स्थान पर अन्य फसल दर्ज है, वे संबंधित कृषि साख सहकारी समिति में पहुंचकर अपने अभिलेखों का परीक्षण कराकर आवश्यक सुधार अवश्य करवाएं। इसी तरह वन से घोषित राजस्व ग्रामों तथा डूबान क्षेत्र की भूमि के लीजधारक कृषकों द्वारा बोई गई फसलों का भी भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। पटवारियों की हड़ताल के कारण किसी भी पात्र किसान का पंजीयन प्रभावित न हो, इसके लिए राजस्व अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, परिवीक्षाधीन पटवारी, निकटवर्ती एवं सेवानिवृत्त पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तथा अमीन के माध्यम से सत्यापन की वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने इस संबंध में राजस्व, कृषि, सिंचाई एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों का ग्राम पंचायतों में प्रकाशन करने तथा प्राप्त दावा–आपत्तियों का स्थल पर भौतिक निरीक्षण कर समयबद्ध एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वास्तविक खेती करने वाले पात्र किसानों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाए और दस्तावेजी त्रुटियों के कारण कोई भी कृषक शासन की योजना के लाभ से वंचित न रहे।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि शासन की मंशा है कि पात्र किसानों द्वारा निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुरूप उत्पादित धान का नियमानुसार पूरा उपार्जन किया जाए। किसानों को किसी प्रकार की अनावश्यक परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। वास्तविक रकबे और फसल का सत्यापन कर पात्रतानुसार किसानों का पूरा धान खरीदा जाएगा।

जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे अपने पंजीयन संबंधी अभिलेखों की जांच अवश्य कराएं तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर तत्काल संबंधित समिति या विभागीय अधिकारियों से संपर्क करें। किसानों की सुविधा, पारदर्शिता और उनके हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए धान खरीदी की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

किसानों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर किया प्रदर्शन, 3,358 रुपए प्रति क्विंटल धान मूल्य की मांग



दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

विभिन्न मांगों को लेकर धमधा क्षेत्र के किसानों ने जिला किसान बंधु संगठन के नेतृत्व में कलेक्टोरेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुईं। किसानों ने ओलावृष्टि से प्रभावित वंचित किसानों को क्षतिपूर्ति राशि देने, आवारा मवेशियों की समस्या दूर करने और धान का 3,358 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य दिलाने की मांग करते हुए जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

किसानों ने कहा कि धमधा ब्लॉक में आवारा मवेशियों के कारण फसलों को नुकसान हो रहा है और सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। उन्होंने दुर्ग और पाटन की तर्ज पर धमधा में भी सुरभि गौधाम योजना लागू करने, बंद पड़े गौठानों एवं कांजी हाउसों को दोबारा शुरू करने तथा मवेशियों के सुरक्षित व्यवस्थापन की मांग की। इसके अलावा वर्ष 2025–26 में ओलावृष्टि और अत्यधिक बारिश से प्रभावित परसबोड़ एवं खपरी गांव के कई किसानों को अब तक क्षतिपूर्ति राशि नहीं मिलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने प्रभावित किसानों की पात्रता की दोबारा जांच कर वंचित किसानों को शीघ्र सहायता राशि देने की मांग की।

किसानों ने धान का मूल्य 3,358 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग करते हुए कहा कि घोषित 3,100 रुपए के समर्थन मूल्य में पिछले तीन वर्षों की क्रमशः 117, 69 और 72 रुपए की अंतर राशि जोड़ने पर कुल 258 रुपए होते हैं। इस तरह धान का कुल मूल्य 3,358 रुपए प्रति क्विंटल होना चाहिए।

26 साल बाद फिर मिले स्कूल के दोस्त, पारिवारिक मिलन समारोह में ताजा कीं पुरानी यादें

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)



शासकीय हाई स्कूल चंदखुरी से वर्ष 2000 में कक्षा 12वीं की पढ़ाई पूरी करने वाले दोस्तों ने 26 साल बाद पारिवारिक मिलन समारोह आयोजित कर पुरानी यादें ताजा कीं। इस अवसर पर बैच के 15 मित्र अपने परिवारों के साथ शामिल हुए। वर्षों बाद हुई मुलाकात ने माहौल को हंसी, खुशी और भावुकता से भर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत पारिवारिक परिचय से हुई। सभी मित्रों ने अपने परिवार, नौकरी और जीवन के अनुभव साझा किए। इसके बाद स्कूल के दिनों की शरारतों, मस्ती और पुराने किस्सों का दौर चला। एक–दूसरे की पुरानी आदतों को याद कर सभी खूब हंसे, वहीं बीते दिनों की यादों ने कुछ मित्रों को भावुक भी कर दिया।

समारोह का संचालन विक्रांत दुबे ने किया। अंत में सामूहिक भोज का आयोजन हुआ। दोस्तों ने फिर मिलने के वादे के साथ एक–दूसरे से विदाई ली।

समारोह में विक्रांत दुबे, टीकम साहू, धनेश निषाद, लक्ष्मण साहू, प्रेमलाल देशमुख, रोशन चंद्राकर, हेमंत निषाद, कोमल देवांगन, भूपेश हरमुख, डिलेश्वर चंद्राकर, दुलारी निषाद, डिलेश्वरी देशमुख, राजेश्वर साहू एवं मनोज साहू सहित अन्य मित्र और उनके परिजन उपस्थित थे।

सेक्टर–6 सोसायटी चुनाव में गरमाया करोड़ों की वसूली का मुद्दा

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)



सेक्टर–6 स्थित इस्पात कर्मचारी कोऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी के चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। चुनावी माहौल के बीच 9 परसेंट गारंटी पैनल ने पत्रकार वार्ता आयोजित कर वर्तमान कार्यकारिणी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पैनल के संचालक पवन साहू ने स्मृति नगर गृह निर्माण समिति की बंधक जमीन और करोड़ों रुपये की वसूली में आए भारी अंतर को लेकर मौजूदा प्रबंधन से जवाब मांगा है। पत्रकार वार्ता के दौरान पैनल ने दस्तावेजों का हवाला देते हुए दावा किया कि वर्ष 2019 के निविदा दस्तावेज में 26 करोड़ 54 लाख 80 हजार रुपये से अधिक की वसूली योग्य राशि दर्ज थी। इसके विपरीत, जुलाई 2022 में संयुक्त पंजीयक के आदेश में महज 1 करोड़ 31 लाख रुपये की वसूली का ही उल्लेख सामने आया। पैनल ने सवाल उठाया कि आखिर करोड़ों रुपये का यह भारी अंतर कैसे आया और सदस्यों की पूंजी की सुरक्षा के लिए ठोस प्रयास क्यों नहीं किए गए।

पैनल ने पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए कहा कि 22 जुलाई 2022 को वसूली का आदेश जारी होने के बावजूद संचालक मंडल को इसकी जानकारी 2 अगस्त को दी गई, जबकि एक दिन पहले ही यह राशि सोसायटी के खाते में जमा हो चुकी थी। इस गंभीर मामले पर आपातकालीन आमसभा नहीं बुलाने और सदस्यों को विश्वास में नहीं लेने पर भी कड़ी आपत्ति जताई गई।

ब्याज दर घटाकर 9 फीसदी करने का चुनावी संकल्प

आरोपों के साथ ही 9 परसेंट गारंटी पैनल ने सदस्यों के हित में अपने चुनावी वादे भी सामने रखे। पैनल ने संकल्प लिया कि चुनाव जीतने पर पहली ही बोर्ड बैठक में ऋण की ब्याज दर को 12 प्रतिशत से घटाकर रिड्यूसिंग आधार पर 9 प्रतिशत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त स्मृति नगर की करीब 5 एकड़ बंधक जमीन के दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच कराने और संस्था की संपत्तियों सहित सदस्यों की जमा पूंजी को पूरी तरह सुरक्षित रखने का भरोसा दिलाया गया है। अब देखना होगा कि चुनावी मैदान में उतरे इस पैनल के दावों और वादों पर सोसायटी के सदस्य कितना विश्वास जताते हैं।

सड़क अधोसंरचना को मिल रही नई गति

धमतरी, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में आवागमन की सुविधा को बेहतर बनाने, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत करने तथा विकास गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से सड़क अधोसंरचना के विस्तार एवं उन्नयन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। धमतरी शहर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नई सड़कों के निर्माण, पुरानी सड़कों के नवीनीकरण, चौड़ीकरण एवं डामरीकरण के कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी कड़ी में कुरमातराई–अरकार मार्ग पर बीटी (बिटुमिनस टॉप) सड़क निर्माण का कार्य प्रारंभ हो गया है। जिले के अनेक अन्य मार्गों पर भी डामरीकरण एवं निर्माण कार्य प्रगतिरत हैं, जबकि कई सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन पूरा किया जा चुका है। जिले में सड़क विकास के तहत ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने, आवागमन के पुराने मार्गों को बेहतर बनाने और यातायात के बढ़ते दबाव को देखते हुए आवश्यकतानुसार सड़कों की चौड़ाई बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। धमतरी शहर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क चौड़ीकरण, टू–लेन एवं फोर–लेन सड़क निर्माण की परियोजनाओं को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके साथ ही पुल–पुलियों के निर्माण एवं उन्नयन से संबंधित कार्य भी किए जा रहे हैं।

फोर–लेन एवं अन्य प्रमुख सड़क परियोजनाओं पर कार्य जारी जिले में सड़क अधोसंरचना को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 20 नवंबर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

साउथ अफ्रीका ने बांग्लादेश को 9 विकेट से हराया...पहले टेस्ट में रबाडा ने 8 विकेट लिए, अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के टॉप पर पहुंचा







नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में बांग्लादेश को 9 विकेट से हराकर 2 टेस्ट की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। मैच में कगिसो रबाडा ने 72 रन बनाए और 8 विकेट लिए।

साउथ अफ्रीका को गुरुवार को 12 रन का टारगेट मिला था। इसे टीम ने 1.3 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत से अफ्रीका वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर पहुंच गया। टीम ने अपने पिछले 18 टेस्ट में 16 जीत हासिल की हैं।

बावुमा की कप्तानी में शुरुआती 16 टेस्ट में 14 जीत

साउथ अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने अपने पहले 16 टेस्ट में 14 जीत हासिल की हैं। इस मामले में वह टेस्ट क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ियों में टॉप पर हैं। इस सूची में बावुमा के बाद लिंडसे हसेट की 13 जीत हैं। बिल वुडफुल, स्टीव वॉ, रिकी पोंटिंग और बेन स्टोक्स के नाम 11-11 जीत है।

लिटन टेस्ट की एक पारी में सबसे ज्यादा डिसमिसल करने वाले विकेट कीपर

लिटन दास ने साउथ अफ्रीका की पहली पारी में 8 डिसमिसल (6 कैच और 2 स्टंपिंग) करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले टेस्ट की एक पारी में सबसे ज्यादा 7 डिसमिसल का रिकॉर्ड वसीम बारी, बॉब टेलर, इयान स्मिथ, रिडले जैकब्स और जोशुआ डी सिल्वा के नाम था। पूरे टेस्ट (दोनों पारियों) में सबसे ज्यादा 11 डिसमिसल का संयुक्त रिकॉर्ड जैक रसेल (1995), एबी डिविलियर्स (2013) और ऋषभ पंत (2018) के नाम है।

बांग्लादेश ने 400 रन बनाए

टॉस जीतकर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी चुनी। टीम ने 101.2 ओवर में 400 रन बनाए। तंजिद हसन ने 108 गेंदों पर 67 रन बनाए, लेकिन टीम ने शुरुआती 3 विकेट सिर्फ 22 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद तौहीद हृदोय और लिटन दास ने जिम्मेदारी संभाली। हृदोय ने 227 गेंदों पर 137 रन बनाए, जबकि लिटन ने 179 गेंदों पर 120 रन की पारी खेली। दोनों ने छठे विकेट के लिए 298 गेंदों में 206 रन जोड़े। इस साझेदारी ने बांग्लादेश को 400 रन तक पहुंचाया। साउथ अफ्रीका की ओर से रबाडा ने 70 रन देकर 5 विकेट लिए। डेन पैटरसन ने 92 रन देकर 4 विकेट झटके।

मार्केस एकरमैन के 157 रन

400 रन के जवाब में अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। एडेन मार्करम सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन मार्केस एकरमैन और जुबैर हमजा ने दूसरे विकेट के लिए 254 गेंदों में 202 रन जोड़कर टीम को संभाला। एकरमैन ने 164 गेंदों पर 157 रन बनाए। उनकी पारी में 21 चौके और एक छक्का शामिल था। हमजा ने 129 गेंदों पर 83 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने बांग्लादेश के गेंदबाजों पर दबाव बनाया और टीम को 200 रन के पार पहुंचाया। एकरमैन के आउट होने के बाद कप्तान टेम्बा बावुमा ने पारी संभाली। वह 138 गेंदों पर 68 रन बनाकर नाबाद रहे।

रिकेल्टन-रबाडा की 117 रन की साझेदारी ने बढ़त 157 रन तक पहुंचाई

साउथ अफ्रीका ने एक समय 376 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद रयान रिकेल्टन और रबाडा ने आठवें विकेट के लिए 148 गेंदों पर 117 रन जोड़े। रिकेल्टन ने 165 गेंदों पर 102 रन बनाए। यह उनका लगातार दूसरा टेस्ट शतक था। रबाडा ने 93 गेंदों पर 72 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 2 छक्के शामिल थे। अफ्रीका ने 124.1 ओवर में 557 रन बनाए और पहली पारी में 157 रन की बढ़त हासिल की। बांग्लादेश के लिए हसन महमूद ने 4 विकेट लिए, जबकि मेहदी हसन मिराज ने 2 विकेट झटके।

दूसरी पारी में रबाडा ने शुरुआत में ही बांग्लादेश के विकेट लिए

बांग्लादेश के ओपनर तंजिद हसन 4 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रबाडा ने मोमिनुल हक को 1 रन पर आउट किया। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 11 रन बनाकर साइमन हार्मर का शिकार बने। तौहीद हृदोय ने 23 रन बनाए, लेकिन रबाडा ने उन्हें भी आउट कर दिया। रबाडा ने 16 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट लिए। साइमन हार्मर 51 रन देकर 6 विकेट लिए। हार्मर ने महफिजुल इस्लाम को 32 रन पर बोल्ड किया। इसके बाद शांतो, मुशफिकुर रहीम, मेहदी हसन मिराज, हसन महमूद और इबादत हुसैन को आउट किया। बांग्लादेश की दूसरी पारी 55.3 ओवर में 168 रन पर समाप्त हो गई।

पहला दिवस : छत्तीसगढ अंडर 16 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया

रायपुर। उत्तराखंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 33.4 ओवरों में सभी 10 विकेट खोकर केवल 87 रन ही बनाये। उत्तराखंड की ओर से साकेत चौहान ने 25 रन, गगन ने 21 रन तथा धैर्य बदोला ने 17 रन बनाये। छत्तीसगढ अंडर 16 टीम के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुये निरंतर अंतराल में विकेट प्राप्त किय, छत्तीसगढ की ओर से आदित्य बैदवाल ने 5 विकेट तथा चंद्र प्रकाश साहु ने 4 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ ने अपनी पहली पारी में 58 ओवरों में 5 विकेट खोकर 134 रन बना लिये है। छत्तीसगढ की ओर से आदित्य बैदवाल ने नाबाद 54 रन तथा अंशुमन ठाकुर ने 35 रन बनाये। उनके अतिरिक्त अनमोल राज सिंह ने 29 रनों का योगदान दिया। उत्तराखंड की ओर से धैर्य बदोला ने 3 विकेट तथा अयान अली ने 2 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन की समाप्ति तक छत्तीसगढ ने 47 रनों की बढत प्राप्त कर ली है।





हरियाणा ने छत्तीसगढ़ 35 रनों से हराया

रायपुर। छत्तीसगढ़ अंडर 23 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। हरियाणा ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में केवल 1 विकेट खोकर 174 रन बनाये। हरियाणा की ओर से त्रिवेणी वशिष्ट ने नाबाद 95 रन तथा तनिषा ओहलान ने नाबाद 57 रनों का योगदान दिया। साथ ही परी तवंर ने भी 21 रन बनाये। छत्तीसगढ़ का कोई भी गेंदबाज विकेट लेने में सफल नहीं हो पाया। 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 139 रन ही बना सकी। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान कृति गुप्ता ने 60 रन बनाये। उनके अतिरिक्त कुमुद साहु ने 28 रन तथा मिताली शर्मा ने 17 रनों का योगदान दिया। हरियाणा की ओर से रागीनी लठवाल तथा रितु देवी ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। हरियाणा ने मैच 35 रनों से जीत लिया।



पाकिस्तान के खिलाफ श्रीलंका ने 82 रन की बढ़त बनाई...तीसरे दिन 3 बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए, रथनायके 60 रन बनाकर नाबाद



रावलपिंडी। श्रीलंका ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन दूसरी पारी में 309/9 रन बना लिए। रावलपिंडी में खेले जा रहे मुकाबले में टीम की बढ़त 82 रन हो गई। मिलन रथनायके 60 रन बनाकर नाबाद हैं। पाकिस्तान ने पहली पारी में श्रीलंका को 98 रन पर समेट दिया था। इसके बाद 325 रन बनाए। इस तरह उसे 227 रन की बढ़त मिली थी। श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस ने 53, सोनल दिनुशा ने 54 और मिलान रथनायके ने 60 रन बनाए। तीनों बल्लेबाज नंबर 6, 7 और 8 पर उतरे थे। टेस्ट क्रिकेट में श्रीलंका के निचले क्रम के इन तीन बल्लेबाजों का एक ही पारी में 50+ रन बनाना सिर्फ तीसरी बार हुआ है। इससे पहले 2001 में जिम्बाब्वे और 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका के नंबर 6 से 8 तक के बल्लेबाजों ने एक ही टेस्ट पारी में 50+ रन बनाए थे। दोनों मैच कोलंबो के स्पष्ट मैदान पर खेले गए थे। श्रीलंका ने दूसरी पारी में शुरुआती विकेट गंवा दिए थे। लाहिरू उदारा 7 रन, दिनेश चांदीमल बिना खाता खोले और कामिंदु मेंडिस 16 रन बनाकर आउट हुए। धनंजय डी सिल्वा ने 37 रन बनाए, लेकिन आमेर जमाल की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। इसके बाद कुसल मेंडिस और सोनल दिनुशा ने छठे विकेट के लिए 81 रन जोड़े। कुसल स्वीप खेलने की कोशिश में अपना विकेट गंवा बैठे।

भारत-न्यूजीलैंड टेस्ट : पहले दिन किवी बल्लेबाजों ने 5 विकेट पर बनाए 243 रन, निकोल्स का शतक, ग्लेन फिलिप्स की फिफ्टी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन पांच विकेट खोकर 243 रन बना लिए। वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के 5 विकेट 70 रन पर गिर गए थे। इसके बाद हेनरी निकल्स (113 रन) और ग्लेन फिलिप्स (94 रन) ने छठे विकेट के लिए 173 रन की नाबाद साझेदारी की। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट लिए। आकाशदीप और अंशुल कंबोज को 1-1 विकेट मिले। मैच का स्कोरबोर्ड भारत की प्लेइंग-11 में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को शामिल नहीं किया गया। पहले दिन के आखिरी ओवर से 3 रन आए। 82वें ओवर में अंशुल कंबोज ने कोई बाउंड्री नहीं दिया। दिन का खेल समाप्त होने पर न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन बना लिए। 80 ओवर का खेल पूरा हो गया है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने नई गेंद की मांग की है। बता दें कि किसी पारी में 80 ओवर का खेल होने के बाद नई गेंद उपलब्ध होती है। हालांकि, इसे लेने या न लेने का फैसला फील्डिंग टीम के कप्तान का होता है। प्रसिद्ध कृष्णा ने 78वें ओवर में 5 रन खर्च कर दिए। उनकी तीसरी बॉल पर हेनरी निकल्स ने चौका लगाया।





प्रसिद्ध ने 16 ओवर की गेंदबाजी में 58 रन खर्च कर दिए हैं। 74वें ओवर में हेनरी निकल्स को जीवनदान मिला। प्रसिद्ध कृष्णा की शॉर्ट गेंद पर निकल्स ने पुल किया। गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर हवा में गई। बैकवर्ड स्क्वेयर लेग से देवदत्त पडिक्कल और विकेटकीपर ऋषभ पंत कैच लेने दौड़े। दोनों के बीच तालमेल नहीं बना और पडिक्कल ने आसान कैच छोड़ दिया। 70वें ओवर में हेनरी निकल्स ने शतक पूरा किया। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर स्क्वेयर लेग की ओर खेलकर एक रन लिया और टेस्ट करियर का 12वां शतक पूरा किया। वापसी के बाद यह उनका दूसरा शतक और भारत के खिलाफ पहला शतक है। उन्होंने पहले ओवर में कप्तान टॉम लैथम का विकेट गिरने के बाद पारी संभाली और शानदार बल्लेबाजी की। 66वें ओवर में न्यूजीलैंड ने 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया। हेनरी निकल्स ने वॉशिंगटन सुंदर की तीसरी गेंद पर चौका लगाया। आकाशदीप ने 61वें ओवर में महज 2 रन खर्च किए। उनकी पहली बॉल नो बॉल करार दी गई। उसके बाद ग्लेन फिलिप्स ने सिंगल लिया। 57वें ओवर में हेनरी निकल्स ने ग्लेन फिलिप्स के साथ छठे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। जसप्रीत बुमराह की आखिरी बॉल पर फिलिप्स ने 2 रन लेकर साझेदारी को 100 के पार पहुंचाया। 54वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा की बॉल पर लगातार दो चौके लगे। हेनरी निकल्स ने चौथी और 5वीं बॉल को बाउंड्री लाइन के बाहर पहुंचाया। 51वें ओवर में ग्लेन फिलिप्स ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने जसप्रीत बुमराह की दूसरी बॉल पर चौका लगाया और अर्धशतक लगाया। उन्होंने अगली बॉल पर चौका लगाकर टीम स्कोर को 150 पार पहुंचाया।

न्यूजीलैंड ने 80 रन बनाकर सिर्फ 1 विकेट गंवाया। हेनरी निकोल्स ने संभलकर बल्लेबाजी की। वे गेंद को देर से खेल रहे हैं और सही तकनीक के साथ क्रीज पर टिके हैं। दूसरी ओर ग्लेन फिलिप्स तेजी से रन बनाने के मौके तलाश रहे हैं। यह सेशन भारतीय गेंदबाजों के लिए निराशाजनक रहा। आकाश दीप ने अच्छी गेंदबाजी की और वॉशिंगटन सुंदर ने रन रोके, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा प्रभाव नहीं छोड़ सके। पिच पर गेंदबाजों को मूवमेंट मिल रही है, लेकिन बैटिंग भी आसान है। भारत की कोशिश न्यूजीलैंड को 200 रन के अंदर समेटने की होगी। 45वें ओवर में हेनरी निकल्स ने ग्लेन फिलिप्स के साथ छठे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की। निकल्स ने एक रन लेकर साझेदारी का 50वां रन बनाया। टीम ने 70 रन पर 5वां विकेट गंवाया था।

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान

29 साल के थॉर्नटन का डेब्यू संभव, मेरेडिथ की 2 साल बाद वापसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार से मेलबर्न में शुरू हो रही 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने टीम में 2 और तेज गेंदबाजों को शामिल किया है। 29 साल के अनकैप्ड पेसर हेनरी थॉर्नटन का इंटरनेशनल डेब्यू हो सकता है, जबकि राइली मेरेडिथ की करीब 2 साल बाद टी20 टीम में वापसी हुई है। दोनों को अतिरिक्त तेज गेंदबाजी विकल्प के तौर पर टीम में जगह दी गई है। इससे पहले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शुइस को नाथन एलिस के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में बुलाया गया था। एलिस साउथ अफ्रीका दौरे पर लगी साइड स्ट्रेन की चोट से अभी तक नहीं उबर पाए हैं। वहीं, एडम जम्पा भी टीम में हैं। वे पीठ में ऐंठन के कारण होबार्ट में निर्णायक वनडे नहीं खेल सके थे।

टी20 और ऑस्ट्रेलिया-ए में दमदार रिकॉर्ड : थॉर्नटन ने टी20 क्रिकेट में 51 विकेट लिए हैं। उनका विकेट लेने का औसत 20.66 और इकॉनमी रेट 8.72 है। उन्होंने 2023 से 2025 के बीच ऑस्ट्रेलिया-ए के लिए लिस्ट-ए और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 7 मैच खेले। न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ ब्रिस्बेन में अपने डेब्यू लिस्ट-ए मैच में उन्होंने 39 रन देकर 7 विकेट लिए। बीबीएल में वे एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलते हैं। पिछले सीजन उन्होंने 3 मैच



खेले, जबकि उससे पहले के सीजन में 8 मैचों में 12 विकेट लिए थे।

मेरेडिथ की 2 साल बाद टी20 टीम में वापसी, हार्पर का डेब्यू संभव : राइली मेरेडिथ ने ऑस्ट्रेलिया के लिए अब तक 6 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। उन्होंने आखिरी टी20आई 2024 में स्कॉटलैंड के खिलाफ खेला था। इससे पहले उनके 5 मैच 2021 में हुए थे। इसी हफ्ते की शुरुआत में उन्हें वनडे टीम में भी शामिल किया गया था। ऑस्ट्रेलिया के अगले बड़े टूर्नामेंट ओलिंपिक और 2028 टी20 वर्ल्ड कप करीब दो साल दूर हैं। ऐसे में टीम इस सीरीज में नए खिलाड़ियों को मौका दे रही है। मिचेल मार्श की कप्तानी वाली टीम में विकेटकीपर-बल्लेबाज सैम हार्पर एमसीजी पर इंटरनेशनल डेब्यू कर सकते हैं। उनके अलावा अनकैप्ड विकेटकीपर लैचलन शॉ भी टीम में हैं, जबकि जेक फ्रेजर-मैकगर्क की वापसी हुई है।

स्पिन विभाग में एडम जम्पा के साथ जोएल डेविस और निखिल चौधरी होंगे। दोनों ने इस साल बांग्लादेश दौरे पर डेब्यू करते हुए प्रभावित किया था। तेज गेंदबाजी में हेनरी थॉर्नटन, राइली मेरेडिथ, जेवियर बार्टलेट, स्पेंसर जॉनसन और माहली बेयर्डमैन शामिल हैं। ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स और मिच ओवेन भी टीम का हिस्सा हैं। वहीं, होबार्ट में 97 रन से जीत के साथ वनडे सीरीज अपने नाम करने वाली इंग्लैंड ने टेस्ट सीरीज की तैयारी को प्राथमिकता दी है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के चलते जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन और सॉनी बेकर टी20 सीरीज से बाहर हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का अपडेटेड टी20 स्क्वाड : मिचेल मार्श (कप्तान), सैम हार्पर, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, लैचलन शॉ, टिम डेविड, मिच ओवेन, जैक एडवर्ड्स, निखिल चौधरी, जोएल डेविस, जेवियर बार्टलेट, बेन ड्वार्शुइस, स्पेंसर जॉनसन, हेनरी थॉर्नटन, राइली मेरेडिथ, माहली बेयर्डमैन और एडम जम्पा।

सिराज को बाहर रखने के फैसले पर कोटक बोले..5 दिन को ध्यान में रखकर चुनी टीम, वॉशिंगटन बेहतर विकल्प

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में मोहम्मद सिराज को प्लेइंग-11 से बाहर रखने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि टीम का चयन 5 दिन के मैच को ध्यान में रखकर किया गया है। टीम मैनेजमेंट को लगा कि यही बेस्ट प्लेइंग-11 है और सिराज को बाहर रखना गलत फैसला नहीं था। कोटक ने वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल करने की वजह बताते हुए कहा कि न्यूजीलैंड के टॉप ऑर्डर में 4 बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। इसी वजह से वॉशिंगटन को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि इस मैच के लिए भारत का बॉलिंग अटैक सबसे बेहतर है। 126 से 130 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे अंशुल कंबोज को लेकर कोटक ने कहा कि गेंदबाज की गति तीसरे स्पेल में मायने रखती है और कंबोज की रफ्तार ठीक है। प्रसिद्ध कृष्णा को उन्होंने अटैकिंग गेंदबाज बताया। कोटक के मुताबिक, उनसे रन पड़ना स्वाभाविक है। विकेट मिलने पर तारीफ करना और रन पड़ने पर आलोचना करना सही नहीं है। कोटक ने न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि मौसम साफ रहने और धूप निकलने से पिच की नमी उम्मीद से जल्दी सूख गई। न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने परिस्थितियों को अच्छी तरह समझा और स्पिनर्स के खिलाफ जोखिम नहीं लिया। नई गेंद से गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिली।



विलियमसन ने चुने अगले फैब-5 टेस्ट बैटर...गिल-जायसवाल, ब्रुक, ग्रीन और रचिन शामिल

नई दिल्ली। फैब-4 में शामिल रहे न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने क्रिकेट की अगली पीढ़ी के 'फैब-5' टेस्ट बल्लेबाज चुने हैं। उनकी लिस्ट में शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल, इंग्लैंड के हैरी ब्रुक, ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन और न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र शामिल हैं। 2014 में न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मार्टिन क्रो ने विलियमसन, विराट कोहली, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और इंग्लैंड के जो रूट को टेस्ट क्रिकेट के चार बड़े बल्लेबाजों के तौर पर 'फैब-4' नाम दिया था। विलियमसन ने गुरुवार को 'द आईसीसी रिव्यू' के लेटेस्ट एपिसोड में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन से बातचीत के दौरान इन खिलाड़ियों के नाम बताए।

फैब-4 का टैग कभी बोझ नहीं लगा : फैब-4 के टैग से जुड़े दबाव के बारे में पूछने पर विलियमसन ने कहा, मैंने इसे कभी बोझ की तरह महसूस नहीं किया। मैं बाकी तीनों खिलाड़ियों की बहुत तारीफ करता हूं। मैंने यॉर्कशायर में जो रूट के साथ खेला है और बाकी तीनों के खिलाफ लंबे समय तक क्रिकेट खेला है। मुझे उनका खेलने का तरीका बहुत पसंद है। चारों खिलाड़ी एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं।

व्यक्तिगत रिकॉर्ड से ज्यादा टीम को प्राथमिकता : विलियमसन ने कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियों और फैब-4 का हिस्सा होना खास रहा, लेकिन उनका फोकस हमेशा टीम की जीत और अपने खेल को बेहतर बनाने पर था।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग दौर और परिस्थितियों में खेलने वाले खिलाड़ियों की तुलना मुश्किल है। हालांकि, पीछे मुड़कर देखना खास लगता है कि चारों लंबे समय तक खेले और खूब रन बनाए।



भारत में पहली बार ड्यूल-कंसोल तकनीक से बीटिंग-हार्ट रोबोटिक बाईपास सर्जरी संपन्न

मेदांता, गुरुग्राम में SSI Mantra सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम के जरिए हासिल हुई ऐतिहासिक उपलब्धि

गुरूग्राम। भारत ने रोबोटिक हृदय सर्जरी के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक वैश्विक उपलब्धि हासिल की है। गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में स्वदेशी SSI Mantra सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की मदद से दुनिया की पहली ड्यूल-कंसोल, पांच रोबोटिक आर्म वाली बीटिंग-हार्ट टोटली एंडोस्कोपिक कोरोनरी आर्टरी बाईपास सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। इस प्रक्रिया के दौरान मरीज का दिल लगातार धड़कता रहा और सर्जरी के लिए हार्ट-लंग मशीन का इस्तेमाल नहीं किया गया।

यह ऐतिहासिक सर्जरी मेदांता, गुरुग्राम के रोबोटिक एवं मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जन डॉ. नितिन कुमार राजपूत और मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर के चीफ कार्डियक सर्जन डॉ. ललित मलिक ने संयुक्त रूप से की। इस पूरी प्रक्रिया का पर्यवेक्षण रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में अग्रणी माने जाने वाले डॉ. सुधीर पी. श्रीवास्तव, संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ, SS Innovations International ने किया। इस सर्जरी की सबसे बड़ी विशेषता SSI Mantra सिस्टम के दो अलग-अलग सर्जन कंसोल और पांच रोबोटिक आर्म का एक साथ इस्तेमाल रहा। इस ड्यूल-कंसोल व्यवस्था में दोनों सर्जन एक ही समय पर अलग-अलग कंसोल से रोबोटिक आर्म को नियंत्रित करते हुए आपसी तालमेल के साथ सर्जरी कर सके। इसके अलावा, हार्ट स्टेबिलाइजेशन सिस्टम की मदद से धड़कते हुए दिल के उस हिस्से को स्थिर रखा गया, जहां बाईपास प्रक्रिया की



जानी थी। TECAB यानी टोटली एंडोस्कोपिक कोरोनरी आर्टरी बाईपास हृदय की बाईपास सर्जरी का एक अत्यंत जटिल और उन्नत तरीका है। पारंपरिक बाईपास सर्जरी के विपरीत, इसमें छाती को खोलने के बजाय छोटे चीरों के माध्यम से सर्जरी की जाती है। इस तकनीक में सर्जन रोबोटिक सिस्टम की मदद से बेहद सूक्ष्म और सटीक गतिविधियां कर सकते हैं। वहीं, बीटिंग-हार्ट तकनीक के तहत मरीज का दिल सामान्य रूप से धड़कता रहता है और हार्ट-लंग मशीन की आवश्यकता नहीं पड़ती। पांच रोबोटिक आर्म और ड्यूल-कंसोल तकनीक का संयोजन सर्जरी के दौरान दोनों सर्जनों के बीच बेहतर समन्वय, नियंत्रण और सटीकता को संभव बनाता है। यह व्यवस्था जटिल प्रक्रियाओं में दूसरे सर्जन की सक्रिय भागीदारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण के नए अवसर भी उपलब्ध कराती है। ड्यूल-कंसोल तकनीक के माध्यम से दूसरा सर्जन वास्तविक सर्जिकल प्रक्रिया में भाग लेते हुए अनुभव और कौशल विकसित कर सकता है। इस प्रक्रिया के बाद मरीज की 15 दिनों की रिकवरी प्रगति भी इस उपलब्धि का एक महत्वपूर्ण पहलू रही। यह अनुभव रोबोटिक और मिनिमली इनवेसिव हृदय सर्जरी के संभावित लाभों तथा मरीजों के उपचार अनुभव को बेहतर बनाने में उन्नत तकनीक की भूमिका को रेखांकित करता है। डॉ. नरेश त्रेहन, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, मेदांता ने कहा, 'यह उपलब्धि नवाचार, सर्जिकल



उत्कृष्टता और आधुनिक तकनीक के माध्यम से हृदय रोगों के उपचार को आगे बढ़ाने की मेदांता की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इतनी जटिल बीटिंग-हार्ट TECAB सर्जरी का सफलतापूर्वक संपन्न होना इस बात का प्रमाण है कि रोबोटिक सर्जरी किस तरह मरीजों के लिए उन्नत हृदय उपचार को कम इनवेसिव बनाने में मदद कर सकती है। यह हमारी पूरी मेडिकल टीम के लिए गर्व का क्षण है और भारत में हृदय सर्जरी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है।' डॉ. सुधीर पी. श्रीवास्तव, संस्थापक, चेयरमैन एवं सीईओ, SS Innovations International, Inc. ने कहा, ''मेक इन इंडिया, फॉर द वर्ल्ड' के हमारे विजन के अनुरूप यह ऐतिहासिक सर्जरी SSI Mantra सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम की उन्नत क्षमताओं को प्रदर्शित करती है। बीटिंग-हार्ट TECAB जैसी जटिल प्रक्रिया में ड्यूल-कंसोल कंट्रोल और पांच रोबोटिक आर्म का सफल इस्तेमाल भारतीय सर्जिकल रोबोटिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हमारा उद्देश्य विश्वस्तरीय रोबोटिक सर्जरी को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है। यह उपलब्धि हमें उस लक्ष्य के और करीब ले जाती है।' डॉ. नितिन कुमार राजपूत, रोबोटिक एवं मिनिमली इनवेसिव कार्डियक सर्जन, मेदांता, गुरुग्राम ने कहा, 'पांच रोबोटिक आर्म और दो कंट्रोल कंसोल की मदद से इतनी जटिल बीटिंग-हार्ट बाईपास सर्जरी करना अत्यधिक सटीकता, समन्वय और दोनों सर्जनों के बीच बेहतर तालमेल की मांग करता है। इस तकनीक ने हमें पूरी प्रक्रिया के दौरान एक साथ और समन्वित तरीके से काम करने में सक्षम बनाया। सर्जरी के बाद मरीज की रिकवरी उत्साहजनक रही, जो हृदय उपचार में मिनिमली इनवेसिव तकनीकों की संभावनाओं को दर्शाती है। डॉ. ललित मलिक, चीफ कार्डियक सर्जन, मणिपाल हॉस्पिटल, जयपुर ने कहा, 'यह प्रक्रिया रोबोटिक हृदय सर्जरी के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। ड्यूल-कंसोल व्यवस्था ने दोनों सर्जनों को बेहतर समन्वय के साथ सर्जरी करने में सक्षम बनाया, जबकि पांच रोबोटिक आर्म की व्यवस्था ने इस जटिल प्रक्रिया की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद की। इस तरह की प्रगति भविष्य में मिनिमली इनवेसिव हृदय सर्जरी की संभावनाओं का विस्तार कर सकती है और मरीजों के उपचार अनुभव को बेहतर बनाने में योगदान दे सकती है।' यह उपलब्धि उन्नत मेडिकल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं को भी दर्शाती है। SS Innovations द्वारा भारत में विकसित SSI Mantra सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम 'मेक इन इंडिया, फॉर द वर्ल्ड' की सोच को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। इस तकनीक के जरिए जटिल हृदय प्रक्रियाओं को अंजाम देना न केवल स्वदेशी नवाचार की क्षमता को प्रदर्शित करता है, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में भारतीय मेडिकल टेक्नोलॉजी की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करता है।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने रेबेल 500 की कीमतों की घोषणा की

बुकिंग पूरे देश में शुरू, होंडा रेबेल 500 के स्टैंडर्ड वेरिएंट की कीमत 4,49,900 और ई-क्लच वेरिएंट की कीमत 4,89,900 है

नई दिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने नई होंडा रेबेल 500 की कीमतों की घोषणा की और बुकिंग शुरू कर दी। जुलाई 2026 में एचएमएसआई के बढ़े हुए 10-प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के हिस्से के तौर पर पेश की गई रेबेल 500, भारत में होंडा की लोकलाइजेशन यात्रा में एक और कदम है, साथ ही भारतीय ग्राहकों के लिए अपनी लाइफस्टाइल मोटरसाइकिल पेशकश को और मजबूत करेगी। होंडा रेबेल 500 के स्टैंडर्ड वेरिएंट की कीमत 4,49,900 (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) और ई-क्लच वेरिएंट की कीमत 4,89,900 (एक्स-शोरूम, बेंगलुरु) रखी गई है। भारत में बनी नई रेबेल 500 होंडा के दुनिया भर में मशहूर क्रूजर प्लेटफॉर्म को भारतीय ग्राहकों के लिए ज़्यादा आसान बनाती है, साथ ही इसका असली रेबेल कैरेक्टर और दुनिया भर में साबित राइडिंग एक्सपीरियंस भी बनाए रखती है। रेबेल 500 देश भर में ऑथराइज्ड होंडा बिगविंग डीलरशिप पर ही मिलेगी। एचएमएसआई वेबसाइट और होंडा बिगविंग डीलर नेटवर्क के जरिए 5,000 में बुकिंग शुरू हो गई है।

होंडा रेबेल 500 - लाइफस्टाइल क्रूजर : अपने लो-स्लंग स्टांस, मिनिमलिस्ट स्टाइलिंग और खास क्रूजर कैरेक्टर के साथ, होंडा रेबेल 500 भारतीय राइडर्स के लिए होंडा की ग्लोबल क्रूजर पहचान लाता



है। 471सीसी लिक्विड-कूल्ड, पैरेलल-ट्विन इंजन से चलने वाली यह बाइक सिटी राइड्स, वीकेंड टूरिंग और लंबी यात्राओं के लिए जबरदस्त टॉर्क और स्मूद परफॉर्मेंस देती है। ई-क्लच वेरिएंट, रेबेल 500 में होंडा की एडवांस्ड क्लच-कंट्रोल टेक्नोलॉजी लाता है। यह राइडर्स को क्लच लीवर को ऑपरेट किए बिना स्टार्ट, स्टॉप और गियर शिफ्ट करने की सुविधा देता है, जबकि जब चाहें तो कन्वेंशनल क्लच-लीवर ऑपरेशन का ऑप्शन भी बनाए रखता है। रेबेल 500 में एल इ डी प्रोजेक्टर हेडलैंप, होंडा रोडसिंक के साथ टीएफटी डिस्प्ले, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और होंडा सिलेक्टेबल टॉर्क कंट्रोल है। डुअल-चैनल ऐबीएस के साथ फ्रंट और रियर डिस्क ब्रेक राइडर के कॉन्फिडेंस को और बढ़ाते हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने भारत में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बढ़ते ईको सिस्टम को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से किया 'बॉब ग्रीन प्लग' का शुभारंभ

इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग एवं बैटरी स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 5 करोड़ तक का फायनांस

मुंबई। भारत के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने देशभर में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशनों, बैटरी स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तथा संबंधित सुविधाओं की स्थापना एवं विस्तार को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष फायनांस योजना 'बॉब ग्रीन प्लग' के शुभारंभ की घोषणा की। ?10 लाख से अधिक और ?5 करोड़ तक के फायनांस की सुविधा के साथ इस योजना का उद्देश्य भारत में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बढ़ते ईको सिस्टम को सहयोग प्रदान करना, स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देना तथा संवहनीय फायनांस के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना है। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की गति तेज होने के साथ-साथ एक सुदृढ़, सुलभ एवं विश्वसनीय चार्जिंग नेटवर्क की आवश्यकता लगातार बढ़ती जा



रही है। पीएम ई-ड्राइव जैसी सरकारी पहलों तथा उपभोक्ताओं द्वारा इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग से ईवी चार्जिंग एवं बैटरी स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। इससे इलेक्ट्रिक वाहन ईको सिस्टम में व्यापक अवसर सृजित होंगे तथा स्वच्छ परिवहन की दिशा में भारत के ट्रांज़िशन को भी गति मिलेगी। इस संबंध में, 'बॉब ग्रीन प्लग' का उद्देश्य भारत के इलेक्ट्रिक वाहन ईको सिस्टम से जुड़े व्यवसायों की फायनांस संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है। इस योजना के तहत नई सुविधाओं की स्थापना के साथ-साथ मौजूदा ईवी चार्जिंग एवं बैटरी स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के लिए भी वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। यह योजना स्टार्टअप, ईवी चार्जिंग पॉइंट संचालकों, ईंधन स्टेशनों, फ्लीट ऑपरेटर्स, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, लॉजिस्टिक्स केंद्रों, आवासीय सोसाइटियों तथा अन्य संस्थाओं सहित विभिन्न प्रकार के एमएसएमई उधारकर्ताओं के लिए उपलब्ध है। इसके तहत सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों, निजी/ स्व-उपयोग वाले चार्जिंग स्टेशनों, वाणिज्यिक ईवी चार्जिंग सुविधाओं तथा बैटरी स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को वित्तीय सहयोग प्रदान किया जाएगा। योजना के शुभारंभ के अवसर पर श्री लाल सिंह, कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ बड़ौदा ने कहा, भारत में इलेक्ट्रिक परिवहन की ओर ट्रांज़िशन के लिए ऐसी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है, जो सुलभ, विश्वसनीय, व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य तथा व्यापक स्तर पर उपलब्ध हो। इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ने के साथ-साथ ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करने वाले व्यवसाय शहरों, राजमार्गों तथा प्रमुख वाणिज्यिक स्थानों पर इस नेटवर्क के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस क्षेत्र की बदलती वित्तीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, 'बॉब ग्रीन प्लग' व्यवहार्य चार्जिंग एवं बैटरी स्वैपिंग परियोजनाओं के लिए आवश्यकतानुसार फायनांस समाधान प्रदान करेगा। यह योजना संवहनीय फायनांस तथा स्वच्छ परिवहन की दिशा में भारत की यात्रा को सहयोग प्रदान करने के प्रति बैंक ऑफ बड़ौदा की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है।

'बॉब ग्रीन प्लग' की प्रमुख विशेषताएं : सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों, निजी/ स्व-उपयोग वाले चार्जिंग स्टेशनों, वाणिज्यिक ईवी चार्जिंग सुविधाओं, बैटरी स्वैपिंग केंद्रों तथा संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए फायनांस। पात्र परियोजनाओं के लिए 10 लाख से अधिक और 5 करोड़ तक की राशि का दीर्घावधि ऋण अथवा मांग ऋण। ऋण राशि तथा उधारकर्ता की क्रेडिट रेटिंग के अनुरूप बैंक की बीआरएलएलआर, से संबद्ध 8.15% से 9.60% प्रतिवर्ष तक की प्रतिस्पर्धी ब्याज दरें। 12 माह तक की अधिस्थगन अवधि सहित 120 माह तक की ऋण चुकौती अवधि।

जोरदार तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने एक दिन में की 4.36 लाख करोड़ की कमाई

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में गुरूवार को जोरदार खरीदारी और के सपोर्ट से दिन में ज्यादातर समय जबरदस्त तेजी का माहौल बना रहा। गुरूवार को कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव भी बन गया। हालांकि पहले 15 पंद्रह मिनट के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों सूचकांक रिकवर कर हरे निशान में पहुंच गए। इस खरीदारी के सपोर्ट से सुबह की शुरुआती कमजोरी से उबरते हुए बाजार ने पहले घंटे के कारोबार में ही रफ्तार पकड़ ली, जो लगभग पूरे दिन कायम रही। गुरूवार को कारोबार में ऑटोमोबाइल, बैंकिंग और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के दिग्गज शेयरों में हुई ताबड़तोड़ लिवाली ने दोनों प्रमुख सूचकांकों को 10 महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंचा दिया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स गुरूवार को पिछले बंद भाव 82,031.81 अंक के मुकाबले 42.35 अंक यानी 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 82,074.16 अंक के स्तर पर खुला था। शुरुआती मिनटों में बिकवाली बढ़ने से यह सूचकांक 333.18 अंक यानी 0.41 प्रतिशत फिसल कर 81,698.63 अंक के निचले स्तर तक चला गया था। हालांकि, बाद में खरीदारों के हावी होने से सेंसेक्स ने शानदार वापसी की और थोड़ी देर में ही हरे निशान में जगह बनाने में सफल हो गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से इस सूचकांक की चाल लगातार तेज होती गई। दिन के कारोबार में मुनाफा वसूली के चक्कर में यदा-कदा बिकवाली का झटका भी लगता रहा, इसके बावजूद इस सूचकांक के तेजी बनी रही। खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक निचले स्तर से 1,345.24 अंक की छलांग लगा कर 83 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया। गुरूवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 1,012.06 अंक यानी 1.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 83,043.87 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स कुल 989.94 अंक यानी 1.21 प्रतिशत की शानदार मजबूती के साथ 83,021.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी 50 सूचकांक में भी गुरूवार को बेहतरीन तेजी देखने को मिली। निफ्टी 50 गुरूवार को पिछले बंद भाव 25,227.95 अंक की तुलना में 41.15 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,186.80 अंक के स्तर पर खुला था। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 123.15 अंक यानी 0.49 प्रतिशत टूट कर एक समय 25,104.80 अंक तक फिसल गया था। हालांकि पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही निचले स्तर पर खरीदारी शुरू हो जाने से इस सूचकांक ने जल्दी ही हरे निशान में अपनी जगह बना ली। दिन के कारोबार में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवालों ने कई बार दबाव बनाने की भी कोशिश की लेकिन खरीदारी का जोर इतना ज्यादा था कि बिकवालों की कोई भी कोशिश सफल नहीं हो सकी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी 50 गुरूवार को 25,500 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर को भी आसानी से पार कर गया। बाजार में बने पॉजिटिव माहौल में यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से 409.50 अंक की उछाल लगा कर 286.35 अंक यानी 1.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,514.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इस जोरदार उछाल के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में भी गुरूवार को इजाफा दर्ज किया गया।

स्वास्थ्य समाचार

यूरिक एसिड करना है कम तो डाइट में शामिल करें ये इंडियन ड्रिंक्स

यूरिक एसिड बढ़ना आजकल एक आम स्वास्थ्य समस्या बनती जा रही है। जब शरीर में यूरिक एसिड बहुत ज्यादा जमा होने लगता है तो यह जोड़ों में छोटे-छोटे क्रिस्टल बना सकता है। इसके कारण पैरों के अंगूठे, घुटनों और टखनों में दर्द, सूजन और अकड़न की समस्या हो सकती है। इस स्थिति को गाउट के रूप में जाना जाता है। यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए सिर्फ दवाइयों पर निर्भर रहना काफी नहीं है, बल्कि खान-पान से जुड़ी आदतें भी बहुत जरूरी होती हैं। कई ऐसी इंडियन ड्रिंक्स हैं जो यूरिक एसिड को मैनेज रखने में मदद कर सकते हैं।

छाछ

गर्मियों में ठंडक देने वाली छाछ सर्दियों में भी एक हेल्दी ड्रिंक्स है। खास बात यह है कि कम फैट वाले डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन गाउट के जोखिम को कम कर सकते हैं। छाछ में प्रोटीन, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। छाछ का सेवन शरीर को हाइड्रेट रखने और पाचन को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है।

जौ का पानी

जौ का पानी भारतीय घरों में एक हेल्दी ड्रिंक के रूप में इस्तेमाल होता है। यूरिक एसिड को शरीर से बाहर निकालने में किडनी अहम भूमिका निभाती है। इसके लिए शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बनाए रखना जरूरी



है। जौ का पानी पीने से शरीर में पानी की कमी पूरी होती है, जिससे यूरिक एसिड को शरीर से बाहर निकालने में मदद मिलती है। इतना ही नहीं, जौ में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर रखने में मदद करती है।

अदरक की चाय

अदरक सिर्फ चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने औषधीय गुणों के लिए भी जाना जाता है। इसमें जिंजरॉल जैसे नेचुरल तत्व पाए जाते हैं, जिनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं. यूरिक एसिड बढ़ने पर जोड़ों में सूजन और दर्द की समस्या हो सकती है। ऐसे में अदरक की चाय एक हेल्दी ड्रिंक साबित हो सकती है। अदरक की चाय पीने के लिए एक कप पानी में आधा इंच कुटा हुआ अदरक डालकर 5 से 7 मिनट उबालें। इसके बाद ड्रिंक को छानकर हल्का गुनगुना पिएं। दिन में एक कप अदरक की चाय पीना काफी होता है।

धनिया के बीज का पानी

धनिया के बीज हर भारतीय रसोई में आसानी से मिल जाते हैं। इनका इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ घरेलू ड्रिंक बनाने में भी किया जाता है। धनिया के बीज में एंटीऑक्सीडेंट और कुछ नेचुरल प्लांट के कंपाउंड्स होते हैं। इनका पानी पीना शरीर में तरल पदार्थों की मात्रा को बनाए रखने का एक अच्छा तरीका हो सकता है। धनिया के बीज का पानी पीने के लिए एक गिलास पानी में एक चम्मच धनिया के बीज भिगो दें। सुबह इसे छानकर पी लें। आप चाहें तो पानी को हल्का उबालकर भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

आंवले का जूस

आंवला हमारे खान-पान का एक अहम हिस्सा होता है। इसमें विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। विटामिन ष्ट के सेवन से कुछ हद तक यूरिक एसिड को कम करने में मदद मिल सकती है। आंवले का जूस पीने के लिए एक या दो ताजे आंवले के बीज निकालकर आधा कप पानी के साथ पीस लें। इसे बिना चीनी मिलाएं पिएं।

पैरों में सूजन और दर्द उच्च कोलेस्ट्रॉल के बड़े संकेत, न करें नजरअंदाज

क्या आपके पैरों में लगातार बदलाव देखने को मिल रहे हैं? सूजन, पांव जमीन पर रखने में तेज दर्द, पैरों का अचानक ठंडा पड़ना, सुन्नपन, खड़े होने और बैठने में तकलीफ होना। इस तरह के लक्षणों को जरा-भा इग्नोर न करें। वैसे ये लक्षण शरीर में तेजी से बढ़ते कोलेस्ट्रॉल की वजह से देखने को मिलते हैं।

कौन सा सांप है बड़ा, टाइटनोबोआ या अनाकोंडा? खून में कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से दिल के रोगों का खतरा बढ़ जाता है। कोलेस्ट्रोल एक ऐसा फैट होता है कि जो हमारी बॉडी के लिए जरुरी है। इसका खून में पर्याप्त लेवल ही हमारे शरीर के लिए जरुरी है, हालांकि, इसकी मात्रा यदि खून में ज्यादा हो जाए, तो ये हमारी बॉडी को नुकसान पहुंचाने लगता है। इसके अलावा, कई संकेत हमारे शरीर में दिखने लगते हैं।

कोलेस्ट्रॉल के डिपॉजिट होने से ब्लॉकेज का खतरा : दरअसल, हार्ट में कोलेस्ट्रॉल के डिपॉजिट होने से ब्लॉकेज का खतरा बढ़ने लगता है और यही हार्ट अटैक का कारण बनता है। कई बार लोगों को हार्ट अटैक आने के बाद ही कोलेस्ट्रॉल हाई होने का पता



चलता है, तब तक काफी देर चुकी होती है।

अचानक हाथ-पैरों का ठंडा पड़ना : यदि आपके हाथ-पैर अचानक से ज्यादा ठंडे पड़ जाते हैं और ये दिक्कत हमेशा बॉडी में रहती है, तो बिना समय गवाएं, सबसे पहले आप कोलेस्ट्रॉल चेक कराएं। हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण से पेरिफेरल आर्टरी डिजीज जैसी समस्याएं उत्पन्न होती है। वहीं, ब्लड में ख़राब कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, तो यह धमनियों में जमा होकर प्लान बना सकते हैं, जिससे ब्लड फ्लो बाधित होता है। फिर हाथ-पैरों में पर्याप्त ब्लड और ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता है।

पैरों की स्किन का रंग बदलना : जिन लोगों को हाई कोलेस्ट्रॉल की वजह से पैरों की स्किन का कलर में आपको बदलाव नजर आएगा। आपको पैरों की स्किन का रंग थोड़ा सफेद सा दिखने लगे, तो समझ जाएं कि ब्लड में खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ रहा है। स्किन की रंगत में बदलाव दिखें, तो पैरों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रहा है। अगर आपके पैरों में भी कोलेस्ट्रॉल जमने लगे, तो चलते-चलते पैरों में कमजोरी महसूस होने लगती है। अगर पैरेम की स्पीड बढ़ने लगे, तो तेज दर्द उठने लगे, तो ये भी हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण हैं।

कैसे नियंत्रित करें हाई कोलेस्ट्रॉल?

लहसुन : अगर आपके शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा अधिक बढ़ रही है, तो आप इसे कम करने के लिए लहसुन का सेवन कर सकते हैं। नियमित रुप से सुबह-शाम लहसुन का सेवन आपके कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करता है। कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए लहसुन सबसे फायदेमंद है।

नींबू : वजन कम करने के लिए नींबू सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। कोलेस्ट्रॉल को भी कम करने में काफी प्रभावशाली है। अगर आप कोलेस्ट्रॉल को कम करना चाहते हैं, तो नियमित तौर पर खाली पेट नींबू पानी का सेवन कर सकते हैं।

मंनोरजन समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 20 नवंबर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सलमान खान की फिल्म 'मातृभूमि' को सेंसर बोर्ड से मंजूरी

सीबीएफसी ने यूए 16+ सर्टिफिकेट दिया, फिल्म 4 दिसंबर को रिलीज होगी

सलमान खान की लंबे समय से अटकी फिल्म मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस को सीबीएफसी से मंजूरी मिल गई है। फिल्म को यूए 16+ रेटिंग दी गई। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) के मुंबई रीजनल ऑफिस ने बुधवार को सर्टिफिकेट जारी किया। फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में सलमान के साथ चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इसकी कहानी देश की रक्षा और परिवार को संभालने के बीच जूझते एक सैनिक की है। सीबीएफसी की वेबसाइट के मुताबिक, मातृभूमि की अवधि 2 घंटे 34 मिनट और 12 सेकंड है। फिल्म को हिंदी भाषा की कैटेगरी में सर्टिफिकेट मिला है।

बैटल ऑफ गलवान से मातृभूमि तक

फिल्म की घोषणा पहले बैटल ऑफ गलवान नाम से हुई थी। फिल्म में सलमान एक सैन्य अधिकारी की भूमिका में हैं। शुरुआत में उनके किरदार को कर्नल बी. संतोष बाबू से प्रेरित बताया गया था। भारतीय सेना की 16 बिहार रेजिमेंट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल बिक्कुमल्ला संतोष बाबू 15 जून 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई हिंसक झड़प के दौरान शहीद हो गए थे।

हालांकि, सलमान ने 6 नवंबर को ट्रेलर लॉन्च के दौरान साफ किया था कि यह फिल्म किसी एक सैनिक की बायोपिक नहीं है। उनका कहना था कि फिल्म युद्ध के दौरान सैनिकों और उनके परिवारों की मुश्किलों को दिखाती है। मार्च 2026 में मेकर्स ने फिल्म का नाम बदलकर मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस कर दिया। इस बदलाव के बाद फिल्म के नाम को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। दरअसल, फिल्म का टीजर सामने आने के बाद चीन के सरकारी मीडिया संस्थान 'ग्लोबल टाइम्स' ने इस पर सवाल उठाए थे। रिपोर्ट में फिल्म पर



तथ्यों को तोड़-मरोड़कर दिखाने और चीन विरोधी भावनाएं बढ़ाने का आरोप लगाया गया था। भारत और चीन के कूटनीतिक संबंधों को देखते हुए फिल्म का विषय भी संवेदनशील माना गया। ऐसी खबरें भी आई थीं कि चीन के साथ संबंध बनाए रखने के लिए सलमान खान ने सरकार के दबाव में स्क्रिप्ट बदली। हालांकि, फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर सलमान ने कहा था कि फिल्म को सेंसर बोर्ड और दूसरी एजेंसियों ने देखा है। किसी को भी इसमें कुछ गलत नहीं लगा। सलमान के मुताबिक, फिल्म बिना किसी कट के पास हुई है। उन्होंने इस दौरान संबंधित मंत्रालयों और सेंसर बोर्ड का धन्यवाद भी किया था।

रिलीज डेट में देरी की सलमान ने बताईं दो वजहें

मातृभूमि की रिलीज डेट बदली गई है। पहले फिल्म को ईद 2026 यानी 17 अप्रैल को रिलीज करने की योजना थी। इसके बाद अगस्त और 20 नवंबर की तारीख सामने आई। बाद में मेकर्स ने इसे 4 दिसंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया। सलमान ने फिल्म में देरी की दो वजहें बताई थीं। पहली वजह फिल्म के वीएफएक्स पर काम करना था। सलमान के मुताबिक, आजकल दर्शक और वीएफएक्स एक्सपर्ट हर सीन को बारीकी से देखते हैं। मेकर्स नहीं चाहते थे कि फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स में कोई कमी रहे। इसलिए उन्होंने वीएफएक्स को बेहतर बनाने के लिए समय लिया। दूसरी वजह चित्रांगदा सिंह को लगी चोट थी। सलमान ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग 45-50 दिनों में पूरी करने की योजना थी, लेकिन चित्रांगदा को चोट लग गई। उन्हें ठीक होने और फिजियोथेरेपी कराने में समय लगा। इससे शूटिंग का शेड्यूल प्रभावित हुआ।

फिल्म में ये कलाकार भी नजर आएंगे

सलमान और चित्रांगदा के अलावा अंकुर भाटिया, हीरा सोहल, दयाशंकर पांडे, जैसन थाम, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज, समर गिल, तेनजिन बोथ, तान्या देसाई, जेन शॉ और अभिश्री सेन भी नजर आएंगे।

फिल्म 'रामायण' सबसे तेज 1,500 करोड़ कमाने वाली भारतीय फिल्म बनी



रणबीर कपूर और यश स्टारर फिल्म रामायण सबसे तेजी से 1,500 करोड़ कमाने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इसका वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन रिलीज के 14 दिनों के भीतर 1,519.05 करोड़ पहुंच गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 'धुरंधर 2' के नाम था। रणवीर सिंह की इस फिल्म ने 16 दिनों में 1,500 करोड़ का आंकड़ा पार किया था।

भारत में 1000 करोड़ क्लब में तीसरी हिंदी फिल्म : सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म रामायण का भारत में ग्रॉस कलेक्शन 1,009.05 करोड़ हो गया है। अब यह घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ कमाने वाली छठी भारतीय और तीसरी हिंदी फिल्म बन गई है। इससे पहले धुरंधर और धुरंधर 2 यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। वहीं, भारतीय फिल्मों के इस क्लब में बाहुबली 2, चत्तस्र 2 और पुष्पा 2 भी शामिल हैं। इस उपलब्धि के साथ यश की दो फिल्में केजीएफ 2 और रामायण भारत में 1,000 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली फिल्मों की सूची में शामिल हो गई हैं। रामायण ने 14वें दिन भारत में 23.20 करोड़ नेट कमाए। फिल्म का भारत में अब तक 844.40 करोड़ नेट कलेक्शन हुआ है। वहीं, विदेशों से 510 करोड़ की कमाई हुई। फिल्म के अब तक के भारतीय नेट कलेक्शन में हिंदी भाषा की हिस्सेदारी 643.50 करोड़ है। यह कुल नेट कमाई का करीब 76.2% है।

कन्नड़ से 68.75 करोड़, तेलुगु से 53.70 करोड़, तमिल से 39.65 करोड़ और मलयालम से 38.80 करोड़ आए हैं। रामायण पहले से ही दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों की सूची में पांचवें स्थान पर है। सबसे ज्यादा कमाई के मामले में फिल्म अभी दंगल, धुरंधर 2, बाहुबली 2 और पुष्पा 2 से पीछे है।

मूवी रिव्यू-काली खेती...जैकी श्रॉफ और शरद केलकर का खौफनाक अंदाज, खेती और इंसानी लालच की अनोखी कहानी

फिल्म- काली खेती
कलाकार: शरद केलकर, जैकी श्रॉफ, नेहा सरगम
रेटिंग: 3.5/5 स्टार
ड्यूरेशन: 1 घंटा 45 मिनट

हॉरर फिल्मों में अक्सर डर पैदा करने के लिए अचानक सामने आने वाले डरावने सीन, चीख पुकार और खौफनाक चेहरों का सहारा लिया जाता है, लेकिन फिल्म काली खेती की दुनिया कुछ अलग है। यहां डर का रिश्ता जमीन, खेती और इंसानी लालच से है। जैकी श्रॉफ और शरद केलकर स्टारर यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आई है, जहां खेतों की खामोशी भी बेचैनी पैदा करती है।

फिल्म की कहानी

फिल्म की कहानी रोहित (शरद केलकर) और उसके पिता किशन (जैकी श्रॉफ) के इर्द गिर्द घूमती है। रोहित को खेती के लिए एक जमीन मिलती है और वह अपने पिता को गांव बुलाता है। यहां उनकी मुलाकात रोहित की पत्नी (नेहा सरगम) और बेटे से होती है। लेकिन इस जमीन से जुड़े रहस्य धीरे धीरे सामने आने लगते हैं। गांव में मौजूद अजीब घटनाएं और काली खेती का रहस्य कहानी को हॉरर और सस्पेंस की तरफ ले जाता है। फिल्म खेती के बहाने इंसानी लालच और बदलते सामाजिक मूल्यों पर भी सवाल उठाती है।



फिल्म में एक्टिंग

जैकी श्रॉफ का किरदार इस फिल्म की खासियत है। वह अपने किरदार के अलग-अलग इमोशनल शेड्स को बखूबी निभाते हैं। शरद केलकर ने भी संयमित अभिनय से प्रभावित किया है। नेहा सरगम ने भी अपने किरदार के साथ पूरा न्याय किया है और सहज अभिनय से प्रभावित करती हैं। वीरेंद्र सक्सेना और शाजी चौधरी समेत बाकी कलाकारों ने कहानी को मजबूती दी है।

फिल्म का डायरेक्शन, स्टोरी और स्क्रीनप्ले

डायरेक्टर हारिस इम्तियाज खान ने खेती को इंसानी लालच और भावनाओं के प्रतीक के तौर पर इस्तेमाल किया है। कहानी का कॉन्सेप्ट नया है और हॉरर को ग्रामीण परिवेश से जोड़ने की कोशिश अच्छी है। हालांकि, कुछ जगह स्क्रीनप्ले की रफ्तार धीमी पड़ती है और कहानी थोड़ी खिंची हुई लगती है। इसके बावजूद सस्पेंस और रहस्य दर्शकों की दिलचस्पी बनाए रखते हैं।

फिल्म में टेक्निकल स्पेक्स

फिल्म की सिनेमैटोग्राफी शानदार है। पहाड़, नदी, खेत और गांव की वास्तविक लोकेशंस कहानी को विश्वसनीय बनाती हैं। रोशनी और अंधेरे का खेल डर का माहौल तैयार करता है। साउंड डिजाइन भी प्रभावशाली है। पानी, हवा और आसपास की छोटी छोटी आवाजों का इस्तेमाल फिल्म के खौफ को बढ़ाता है। मेकअप और प्रोडक्शन डिजाइन भी कहानी के अनुरूप हैं।

फिल्म में म्यूजिक

फिल्म में गाने नहीं हैं। अलोकानंदा दासगुप्ता का बैकग्राउंड म्यूजिक कहानी के सस्पेंस और हॉरर को मजबूती देता है। कई दृश्यों में संगीत और आवाजों का तालमेल डर को और गहरा करता है।

फिल्म को लेकर फाइनल वर्डिक्ट

'काली खेती' एक अलग तरह की रूरल हॉरर फिल्म है, जो डर के साथ खेती, रिश्तों और इंसानी लालच की बात करती है। कुछ जगह धीमी जरूर लगती है, लेकिन इसकी कहानी, लोकेशंस और विजुअल ट्रीटमेंट इसे खास बनाते हैं। गंभीर विषय पर एक अलग तरह की फिल्म देखना चाहते हैं और वास्तविक खौफ वाला हॉरर पसंद करते हैं, तो यह फिल्म आपको पसंद आ सकती है।

सैफ अली को जान से मारने की धमकी...बाबा सिद्दीकी मर्डर में वांटेड जीशान के नाम से मैसेज आया, 2 साल पहले चाकू मारा गया था

बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान को जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले में बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के वांटेड आरोपी जीशान अख्तर का नाम सामने आया है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के अनुसार, बताया जा रहा है कि जीशान अख्तर ने सैफ अली खान को धमकी दी है। हालांकि, पुलिस अभी इसकी जांच कर रही है कि धमकी उसी ने दी है या किसी दूसरे व्यक्ति ने उसका नाम इस्तेमाल किया। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि धमकी के पीछे किसी गैंग का हाथ है या कोई शख्स फर्जी पहचान से डर फैला रहा है। फिलहाल, धमकी देने वाले की आधिकारिक पहचान की पुष्टि नहीं हुई है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांटेड जीशान अख्तर को लेकर पुलिस पहले से सतर्क है। पिछले साल सैफ अली खान पर 15 जनवरी को उनके घर सतगुरु शरण अपार्टमेंट में घुसकर चाकू से हमला हुआ था।

तुषार कपूर और आयुष्मान खुराना को भी धमकियां : मुंबई पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, इससे पहले



बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर और आयुष्मान खुराना को भी धमकियां मिल चुकी हैं। इन मामलों में पुलिस ने बेंगलुरु के रहने वाले 30 वर्षीय वैभव मिश्रा को गिरफ्तार किया था। वह आईआईटी ग्रेजुएट बताया गया है। जांच में सामने आया था कि वैभव का किसी गैंग से संबंध नहीं था। वह कथित तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का इस्तेमाल करके कलाकारों को धमकी दे रहा था।

असली गैंगस्टर या फर्जी साजिश, दोनों एंगल से जांच : मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जांच टीम इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या सैफ अली खान को मिली धमकी के पीछे सचमुच जीशान अख्तर का हाथ है। पुलिस को यह भी संदेह है कि कोई अज्ञात शख्स जांच एजेंसियों को परेशान करने और अभिनेताओं को डराने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस या फर्जी पहचान का सहारा ले रहा है। तकनीकी टीम धमकी भेजने के स्रोत और डिजिटल फुटप्रिंट को ट्रैक कर रही है।

कौन है जीशान अख्तर, जिसका नाम इस मामले में आया सामने : सैफ अली खान को मिली धमकी में जिस जीशान अख्तर का नाम लिया जा रहा है, वह अक्टूबर 2024 में हुए एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, जीशान पर शूटरों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देने और साजिश रचने का आरोप है। वह लंबे समय से फरार चल रहा है और सुरक्षा एजेंसियां उसकी तलाश कर रही हैं। इसी वजह से पुलिस इस धमकी को गंभीरता से ले रही है और हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।

सोशल मीडिया पर प्यार जताना आसान, लेकिन असल जिंदगी में दिल की बात कहना मुश्किल, आज के रिश्तों पर बोले प्रणव कुमार

अभिनेता ने शेमारूमी की 'दिल पड़ोसी' में इन्फ्लुएंसर और शेफ रोनक का किरदार निभाने के अनुभव के साथ बताया कि सोशल मीडिया किस तरह आज की पीढ़ी के रिश्तों और उन्हें देखने के नज़रिए को बदल रहा है। आज सोशल मीडिया लोगों के बातचीत करने, एक-दूसरे से जुड़ने और अपने रिश्तों को दुनिया के सामने दिखाने का अहम् माध्यम बन गया है। कपल्स अपनी तस्वीरें साझा करते हैं, प्यार जताते हैं और साथ में रील्स बनाकर अपनी केमिस्ट्री दिखाते हैं। लेकिन, सोशल मीडिया पर रिश्तों की खूबसूरत तस्वीर पेश करना जितना आसान है, असल जिंदगी में अपनी भावनाओं के बारे में खुलकर बात करना उतना ही मुश्किल हो सकता है। इसी पहलू को शेमारूमी की सीरीज़ 'दिल पड़ोसी' में भी दिखाया गया है, जिसमें प्रणव कुमार रोनक के किरदार में नजर आ रहे हैं। रोनक एक इन्फ्लुएंसर और शेफ है, जिसका मिलनसार स्वभाव और आत्मविश्वास कहानी में एक नई ऊर्जा लेकर आता है। मोहक और मंजरी के पारंपरिक रिश्ते से अलग, रोनक और दिया अपने रिश्ते को खुले और आधुनिक नजरिए से देखते हैं। उनके आने से दूसरे किरदार भी प्यार, शादी और अपनी पसंद को लेकर बनी धारणाओं पर दोबारा सोचने लगते हैं। प्रणव के लिए रोनक का किरदार निभाना आज की उस पीढ़ी को समझने का मौका था, जो सोशल मीडिया के जरिए अपनी पहचान बनाने और भावनाएँ व्यक्त करने में सहज है। हालाँकि, रोनक का व्यक्तित्व सिर्फ एक इन्फ्लुएंसर या शेफ तक सीमित नहीं है। उसके आत्मविश्वास और सहज अंदाज के पीछे भी कई ऐसी बातें हैं, जो उसके किरदार को दिलचस्प बनाती हैं।

आज के रिश्तों पर सोशल मीडिया के असर के बारे में बात करते हुए, प्रणव कुमार कहते हैं, 'आज हम सोशल मीडिया पर अपने प्यार और केमिस्ट्री को दिखाने में जितने सहज हैं, असल जिंदगी में उसके बारे में खुलकर बात करने में उतने सहज नहीं हैं। हम ऐसी पीढ़ी का हिस्सा हैं, जहाँ लोग प्यार भरी रील्स बना सकते हैं, साथ में तस्वीरें साझा कर सकते हैं और पूरी दुनिया को दिखा सकते हैं कि वे कितने खुश हैं। लेकिन, असल में वे क्या महसूस करते हैं, इस बारे में ईमानदारी से बात करना कई बार ज्यादा मुश्किल होता है। सोशल मीडिया ने अपनी भावनाएँ दिखाना आसान बना दिया है, लेकिन इससे एक-दूसरे से खुलकर बात करना आसान नहीं हुआ है।' अभिनेता का मानना है कि अब रिश्ते सिर्फ दो लोगों तक सीमित नहीं रह गए हैं। कई बार सोशल मीडिया पर उन्हें देखने और उन पर अपनी राय देने वाले लोग भी इसका हिस्सा बन जाते हैं। इसका



असर लोगों के आपसी व्यवहार पर भी पड़ सकता है। प्रणव आगे कहते हैं, 'आज रिश्ते सिर्फ दो लोगों के बीच की बात नहीं रह गए हैं। कई बार उन्हें देखने वाले लोग भी होते हैं, जो उन पर अपनी राय देते हैं और प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं। इसका असर कभी-कभी इस बात पर भी पड़ता है कि दो लोग एक-दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। हो सकता है कि आपको सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते की अच्छी तस्वीर दिखाना आता हो, लेकिन जिस इंसान के साथ आप अपनी जिंदगी बिता रहे हैं, उसे समझने के लिए एक अलग तरह की बातचीत की जरूरत होती है।' रोनक के किरदार को लेकर अपनी सोच साझा करते हुए प्रणव कहते हैं, 'मुझे रोनक के किरदार की सबसे अच्छी बात यह लगी कि उसकी पहचान सिर्फ एक इन्फ्लुएंसर या शेफ तक सीमित नहीं है। दुनिया को देखने का उसका अपना तरीका है और रिश्तों को समझने की सोच भी अलग है। उसके अंदर एक खास तरह का आत्मविश्वास और सहजता है, लेकिन उसके इस बाहरी स्वभाव के पीछे भी बहुत कुछ है। एक अभिनेता के तौर पर इसी बात ने इस किरदार को मेरे लिए खास और दिलचस्प बना दिया।' 'दिल पड़ोसी' के माध्यम से प्यार, शादी और व्यक्तिगत पसंद को लेकर अलग-अलग सोच सामने आती है। सीरीज यह भी सवाल उठाती है कि क्या हर रिश्ते को निभाने का एक ही सही तरीका हो सकता है? रोनक के किरदार के माध्यम से कहानी आज की पीढ़ी के रिश्तों और उनसे जुड़ी भावनाओं को करीब से समझने का मौका देती है। साथ ही यह एक जरूरी सवाल छोड़ जाती है, जब कैमरे बंद हो जाते हैं और देखने वाला कोई नहीं होता, तब क्या हम सच में अपने साथ रहने वाले इंसान को उतना ही जानते और समझते हैं, जितना समझने का दावा करते हैं? 'दिल पड़ोसी' का विशेष प्रसारण शेमारू प्रीमियर के तहत सिर्फ शेमारूमी पर हो रहा है।

अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस : सोनी सब के कलाकारों ने ताकत और पुरुषत्व को लेकर एक नई सोच को बढ़ावा दिया

ताकत को अक्सर सख्त बने रहने, हर परिस्थिति को नियंत्रित करने और अपनी भावनाओं को जाहिर न करने से जोड़ा जाता है। हालांकि, कई बार अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करना, जरूरत पड़ने पर सहायता मांगना और अपने आसपास के लोगों के साथ सहजता से अपनी बात साझा करना कहीं ज्यादा साहस की बात होती है। इस अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस पर सोनी सब के कलाकार अधिक मेहता, मनीष वाधवा और मुकुल हरीश साझा करते हैं कि कैसे उन्होंने अपनी निजी जिंदगी और अपने निभाए जाने वाले किरदारों के माध्यम से, इन पारंपरिक अपेक्षाओं से परे जाकर ताकत के सही मायनों को समझा है। लो चुड़ैल चली ससुराल में आरव की भूमिका निभाने वाले अधिक मेहता ने साझा किया, 'मेरे लिए असली ताकत इस बात में है कि आप अपने प्रियजनों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, खासकर तब जब





जिंदगी आपके सामने अप्रत्याशित चुनौतियां लेकर आए। मेरे किरदार आरव की जिंदगी में एक बड़ा मोड़ तब आता है जब उसे पता चलता है कि उसकी पत्नी उर्वशी के पास जादुई शक्तियां हैं, लेकिन इसके बावजूद वह प्यार और समझदारी के साथ उसका साथ देता है। तमाम उथल-पुथल के बीच भी वह उसका समर्थन करना और हर परिस्थिति का मिलकर सामना करना चुनता है। अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस पर मुझे लगता है कि उन पुरुषों का जश्न मनाना जरूरी है, जो दयालुता, धैर्य और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ते हैं। भावनात्मक रूप से उपस्थित रहना, सुनना और अपने प्रियजनों के साथ खड़े रहना भी ऐसी ताकतें हैं जिनका सम्मान किया जाना चाहिए।' हस्तिनापुर के वीर में भीष्म पितामह की भूमिका निभाने वाले मनीष वाधवा ने साझा किया, 'पिता बनने के बाद मैंने यह सीखा है कि असली ताकत हमेशा सख्त रहने या हर बात में अंतिम निर्णय लेने में नहीं, बल्कि समझदारी और सहजता में होती है। मैंने सीखा है कि बच्चों को अक्सर हमारी बातों से ज्यादा हमारी सुनने की क्षमता की जरूरत होती है, ताकि हम उनके नजरिए को समझ सकें और उन्हें खुद को अभिव्यक्त करने की आजादी दे सकें। मैं यह बात हस्तिनापुर के वीर के सेट पर युवा कलाकारों के साथ काम करते हुए भी महसूस करता हूं। वे जिज्ञासा और नए विचारों से भरे हुए हैं और मेरा मानना है कि बड़ों के रूप में हमारी भूमिका उन्हें मार्गदर्शन देने के साथ-साथ उनकी व्यक्तिगत पहचान को प्रोत्साहित करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने में मदद करने की है। अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस पर मुझे लगता है कि उन पुरुषों का सम्मान किया जाना चाहिए जो यह समझते हैं कि किसी बच्चे के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालना ताकत का प्रदर्शन करने के सबसे महत्वपूर्ण तरीकों में से एक है।' पुष्पा इम्पॉसिबल में टाइगर की भूमिका निभाने वाले मुकुल हरीश ने साझा किया, 'मेरा किरदार टाइगर ऐसा व्यक्ति है जिसने हमेशा खुद को मजबूत दिखाने की कोशिश की है और अपनी भावनाओं को अपने तक ही सीमित रखा है। कई चुनौतियों का सामना करने के बाद वह धीरे-धीरे खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त करना सीख रहा है। मेरा मानना है कि यह ऐसी बात है जिससे कई पुरुष खुद को जोड़कर देख सकते हैं, मैं भी। मुझे हमेशा लगता है कि अपनी भावनाओं को व्यक्त करना, चाहे वह खुशी हो, दुख हो या स्नेह, कमजोरी नहीं बल्कि ताकत की निशानी है। अंतरराष्ट्रीय पुरुष दिवस पर मैं उम्मीद करता हूं कि ज्यादा से ज्यादा पुरुष अपनी भावनाओं को अपनाने, खुलकर संवाद करने और यह समझने के लिए प्रेरित होंगे कि संवेदनशील होना भी मजबूत होने का ही एक हिस्सा है।'

देखिए लो चुड़ैल चली ससुराल, हस्तिनापुर के वीर और पुष्पा इम्पॉसिबल, सिर्फ सोनी सब पर।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 20 नवम्बर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

राष्ट्रपति भवन में सम्मानित हुए रायगढ़ के 13 शिल्पकार, एकताल की झारा बेलमेटल कला को मिला राष्ट्रीय गौरव

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)



रायगढ़ जिले की पारंपरिक एकताल झारा बेलमेटल शिल्पकला ने देश के सर्वोच्च संवैधानिक संस्थान राष्ट्रपति भवन में अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में ग्राम एकताल के 13 शिल्पकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शिल्पकारों से भेंट कर उनकी पारंपरिक कला, कलाकृतियों के निर्माण की बारीकियों और शिल्प से जुड़े अनुभवों के बारे में जानकारी ली। शिल्पकारों ने भी अपनी कला की विशेषताओं और पीढ़ियों से चली आ रही इस परंपरा को आगे बढ़ाने के प्रयासों को राष्ट्रपति के समक्ष साझा किया। राष्ट्रपति भवन में मिला यह सम्मान रायगढ़ जिले की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

छत्तीसगढ़ हस्तशिल्प विकास बोर्ड, रायगढ़ के सहायक प्रबंधक आर.आर. भगत के नेतृत्व में पांच महिला और आठ पुरुष शिल्पकारों का दल 13 नवंबर की शाम बस से दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। 16 नवंबर को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से उनकी मुलाकात हुई। इस दौरान शिल्पकारों ने एकताल की प्रसिद्ध झारा बेलमेटल कला की पारंपरिक निर्माण तकनीक, धातु को आकार देने की प्रक्रिया और कलाकृतियों की विशिष्टताओं के बारे में विस्तार से बताया। राष्ट्रपति ने उनके अनुभवों को जाना और छत्तीसगढ़ की पारंपरिक शिल्प विधाओं की सराहना की।

'एट होम' कार्यक्रम के लिए भी चयनित हुई थी एकताल की कलारायगढ़ जिले का ग्राम एकताल अपनी विशिष्ट झारा बेलमेटल शिल्पकला के लिए जाना जाता है। यहां के शिल्पकार पारंपरिक तकनीक से धातु की आकर्षक और कलात्मक आकृतियां तैयार करते हैं। इसी विशिष्टता के चलते एकताल की बेलमेटल शिल्पकला का राष्ट्रपति भवन के विशेष 'एट होम' कार्यक्रम के लिए चयन किया गया था। इससे पहले 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए नई दिल्ली में तैयार किए गए निमंत्रण बॉक्स में भी ग्राम एकताल के शिल्पकारों की कलाकृतियों को स्थान मिला था। यहां के शिल्पकारों को उनकी उत्कृष्ट कला के लिए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कारों से भी सम्मानित किया जा चुका है। एकताल की झारा बेलमेटल शिल्पकला केवल कलात्मक अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि क्षेत्र की पारंपरिक विरासत और शिल्पकार परिवारों की पीढ़ियों की साधना का भी प्रतीक है। पारंपरिक विधियों से तैयार की गस्थानीय संस्कृति और शिल्प है। मिला सम्मान इस विरासत नई पीढ़ी को इस कला से जुड़ने के लिए प्रेरित करने वाला अवसर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट करने वाले शिल्पकारों में धनीराम झारा, भीम झारा, रघु झारा, राज झारा, ममता झारा, पूजा झारा, केशव झारा, रमोला झारा, पंकजीनी झारा, प्रदीप झारा, त्रिनाथ झारा, पिंकी झारा तथा अभिमन्यु झारा शामिल रहे।

पीडीएस के सुचारू संचालन के लिए लंबित चावल शीघ्र जमा करें राइस मिलर्सरू कलेक्टर तोपनो

मुंगेली (प्रतिदिन राजधानी)



जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के सुचारू संचालन तथा उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को नियमित रूप से चावल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में राइस मिलर्स एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने नागरिक आपूर्ति निगम (नान) के गोदामों में राइस मिलर्स द्वारा जमा किए जाने वाले लंबित चावल की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और शेष चावल शीघ्र जमा कराने के सख्त निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री तोपनो ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी व्यवस्था है। इसके माध्यम से जिले के पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने के लिए राइस मिलर्स द्वारा समय सीमा में चावल जमा करना अत्यंत आवश्यक है। चावल जमा करने में किसी भी प्रकार की देरी से उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने सभी राइस मिलर्स को स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिक आपूर्ति निगम के गोदामों में लंबित चावल समय–सीमा में अनिवार्य रूप से जमा करें। उन्होंने कहा कि चावल जमा करने के कार्य में अनावश्यक विलंब, उदासीनता अथवा लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी पालन करते हुए अपने दायित्वों का निर्वहन करें। कलेक्टर ने खाद्य विभाग एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक राइस मिल की लंबित चावल जमा करने की स्थिति की नियमित समीक्षा करें।

हर घर जल का लक्ष्य हासिल करने जल जीवन मिशन के कार्यों में लाएं तेजी-कलेक्टर

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)



रायगढ़ को हर घर जल जिला बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत लंबित कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में पूरा करें। कार्यों के क्रियान्वयन और भुगतान संबंधी प्रक्रियाओं में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने समूह नल–जल योजनाओं के शेष कार्यों को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने, निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और योजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को नियमित रूप से स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना है, इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें।

पेयजल की गुणवत्ता और योजनाओं के बेहतर संचालन पर जोर

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जिला जल परीक्षण प्रयोगशाला को आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित करने पर भी चर्चा हुई। इसके लिए जरूरी केमिकल, उपकरण एवं अन्य सामग्री की खरीदी के संबंध में विचार–विमर्श किया गया। साथ ही पूर्ण एवं हस्तांतरित रेट्रोफिटिंग नल–जल योजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। जल जीवन मिशन 2.0 की राज्य क्षमता विकास कार्ययोजना के तहत जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स के नामांकन एवं प्रशिक्षण की

धान खरीदी केंद्रों की व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)



जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 15 नवंबर से शुरू हो चुकी है। खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा और व्यवस्थाओं का जायजा लेने कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी आज घरघोड़ा धान उपार्जन केंद्र पहुंचे। उन्होंने केंद्र में किसानों का पंजीयन, उपलब्ध सुविधाओं, बारदानों की उपलब्धता, धान की तौल और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और कहा कि किसानों को धान विक्रय के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

कलेक्टर ने घरघोड़ा उपार्जन केंद्र में धान रखने की निर्धारित क्षमता की जानकारी लेते हुए कहा कि आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त धान रखने के लिए वैकल्पिक स्थान पहले से चिह्नित कर लिया जाए। उन्होंने किसानों के बैठने, पेयजल और छांव की व्यवस्था के साथ धान की गुणवत्ता जांच एवं इलेक्ट्रॉनिक तौल की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी शासन की प्राथमिकता का कार्य है। खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखते हुए वास्तविक पंजीकृत किसानों से उनके पंजीकृत रकबे के अनुसार धान की खरीदी सुनिश्चित की जाए। सभी संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी तरह की असुविधा न हो।

एग्रीस्टेक आईडी वाले पुराने पंजीकृत किसानों को दोबारा पंजीयन की जरूरत नहीं

एग्रीस्टेक आईडी वाले विगत वर्ष के पंजीकृत किसानों को इस वर्ष भी धान विक्रय के लिए मान्य किया गया है। ऐसे किसानों को दोबारा पंजीयन कराने या समिति में ऋण पुस्तिका लाने की आवश्यकता नहीं है। डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से धान के रकबे का ऑनलाइन निर्धारण किया गया है तथा वास्तविक किसानों से खरीदी सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक व्यवस्था अपनाई जा रही है। उपार्जन केंद्रों में किसानों को बेहतर और सुगम सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान नहीं बेचने वाले पात्र किसानों को भी मिलेगी आदान सहायता कृषक उन्नति योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपये की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। इस सहायता का लाभ लेने के लिए किसानों को प्रति एकड़ निर्धारित 21 क्विंटल धान की पूरी मात्रा बेचना अनिवार्य नहीं है। निर्धारित मात्रा से कम धान बेचने वाले पात्र किसान भी योजना के प्रावधानों के अनुसार आदान सहायता राशि के पात्र होंगे।

प्रताड़ना से तंग, खुदकुशी, पति पर जुर्म दर्ज

सूरजपुर,(प्रतिदिन राजधानी)

ग्राम पंचायत सतपता में 22 वर्षीय विवाहिता ने कथित तौर पर पति की लगातार मारपीट और घरेलू विवादों से परेशान होकर पिछले दिनों 17 अगस्त को गमछे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मर्ग जांच पूरी होने के तीन माह बाद पुलिस ने पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत सतपता निवासी जीरवन्ती यादव ने तीन माह पूर्व पति उगेश कुमार यादव की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मामले में मर्ग जांच के दौरान गवाहों के बयान दर्ज किए गए। जांच में सामने आया कि मृतिका की मृत्यु उसके पति द्वारा किए गए प्रताड़ना, मारपीट और झगड़ों के कारण हुई है। इसी आधार पर पुलिस ने 17 नवंबर को पति उगेश कुमार यादव के खिलाफ धारा 108 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि उगेश कुमार यादव का विवाह 3 मई 2023 को हुआ था। उनके 14 महीने का बेटा हिमांशु भी है। घटना वाले दिन उगेश सुबह ड्यूटी पर गोरखनाथपुर गया था। रात करीब साढ़े आठ बजे घर लौटकर उसने पत्नी को बेडरूम के सामने वाले कमरे में सीट की कंडी में गमछे से झूलता पाया था। छोटा बेटा जमीन पर रो रहा था। उगेश कुमार यादव ने खुद थाने में बताया था कि 14 अगस्त को सुबह मोबाइल मांगने को लेकर झगड़ा हुआ था और दोनों के बीच अक्सर विवाद रहता था। उसने शुरू में अज्ञात कारण से आत्महत्या बताई थी।बिश्रामपुर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत सतपता निवासी जीरवन्ती यादव ने तीन माह पूर्व पति उगेश कुमार यादव की प्रताडना से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने मामले में मर्ग जांच के दौरान गवाहों के बयान दर्ज किए गए। जांच में सामने आया कि मृतिका की मृत्यु उसके पति द्वारा किए गए प्रताडना, मारपीट और झगड़ों के कारण हुई है। इसी आधार पर पुलिस ने 17 नवंबर को पति उगेश कुमार यादव के खिलाफ धारा 108 बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है।

पुलिस ने बताया कि उगेश कुमार यादव का विवाह 3 मई 2023 को हुआ था। उनके 14 महीने का बेटा हिमांशु भी है। घटना वाले दिन उगेश सुबह ड्यूटी पर गोरखनाथपुर गया था। रात करीब साढ़े आठ बजे घर लौटकर उसने पत्नी को बेडरूम के सामने वाले कमरे में सीट की कंडी में गमछे से झूलता पाया था। छोटा बेटा जमीन पर रो रहा था। उगेश कुमार यादव ने खुद थाने में बताया था कि 14 अगस्त को सुबह मोबाइल मांगने को लेकर झगड़ा हुआ था और दोनों के बीच अक्सर विवाद रहता था। उसने शुरू में अज्ञात कारण से आत्महत्या बताई थी।

किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों ने किया केंद्रीय जेल का निरीक्षण

अम्बिकापुर,, (प्रतिदिन राजधानी)



किशोर न्याय बोर्ड के सदस्यों एवं संबंधित अधिकारियों की टीम ने मंगलवार को केंद्रीय जेल अंबिकापुर का निरीक्षण किया। इस दौरान जेल में निरुद्ध ऐसे बंदियों का सत्यापन किया गया, जिनकी उम्र 18 वर्ष के आसपास या उससे कम होने की संभावना है। टीम के सदस्यों ने संबंधित बंदियों से पूछताछ कर उनकी जन्मतिथि, जन्मस्थान और आपराधिक प्रकरणों से जुड़ी विस्तृत जानकारी प्राप्त की।ग निरीक्षण के दौरान जिन बंदियों की उम्र 18 वर्ष से कम होने की आशंका पाई गई, उनके दस्तावेजों एवं प्रकरणों की जानकारी एकत्रित की गई। साथ ही संबंधित बंदियों की फाइल किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए, ताकि नियमानुसार आगे की कार्रवाई की इस दौरान टीम ने केंद्रीय जेल में निरुद्ध महिला बंदियों से भी मुलाकात की और उनसे बातचीत कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं जेल में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। इसके अलावा जेल की पाकशाला का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया।

निरीक्षण दल में किशोर न्याय बोर्ड की सदस्य देववंती साहू एवं रानू पांडेय, विधिक सह परिवीक्षा अधिकारी सुमंती खाखा, काउंसलर एवं परामर्शदाता राखी तिवारी, आउटरीच वर्कर सुशील यादव तथा सामाजिक कार्यकर्ता एवं छत्तीसगढ़ शबरी सेवा संस्थान लखनपुर के प्रदेश सचिव सुरेंद्र साहू शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय जेल अधीक्षक सहित जेल के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

6 माह से दहशत फैलाने वाला हाथी काबू में

उदयपुर,(प्रतिदिन राजधानी)



सरगुजा और सूरजपुर जिले में पिछले छह महीनों से आतंक का कारण बने लोनर हाथी कबरा को आखिरकार वन विभाग की टीम ने काबू में कर लिया। बुधवार को रामगढ़ क्षेत्र में दो कुमकी हाथियों की सहायता से वन विभाग की टीम ने उसे ट्रैंकुलाइज कर बेहोश कर दिया।

कबरा हाथी अब तक 19 लोगों की जान ले चुका है। लंबे समय से उसकी दहशत झेल रहे ग्रामीणों और वन विभाग के लिए यह बड़ी राहत की खबर है। अब हाथी को रेडियो कॉलर पहनाकर सुरक्षित रेस्क्यू सेंटर भेजने की तैयारी की जा रही है।

वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, कबरा पिछले चार दिनों से 17 हाथियों के झुंड के साथ घूम रहा था। झुंड में शामिल होने के कारण उसे दूसरे हाथियों से अलग करना और ट्रैंकुलाइज करना काफी मुश्किल हो गया था। इस दौरान वन विभाग की टीम लगातार हाथियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थी। मंगलवार रात हाथियों का झुंड सरमा–चकेरी और तेंदूटिकरा के जंगलों में मौजूद था। इससे पहले सोमवार को भी कुमकी हाथियों की मदद से कबरा को बेहोश करने की कोशिश की गई थी, लेकिन ट्रैंकुलाइजर गन से निशाना चूक जाने के कारण अभियान सफल नहीं हो पाया था।

बुधवार सुबह हाथियों का झुंड रामगढ़ पहाड़ी के निचले हिस्से में पहुंचा। इसकी सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम कुमकी हाथियों दुर्योधन और तीरथ के साथ मौके पर पहुंची। वन्यजीव चिकित्सक कुमकी हाथी पर सवार होकर कबरा के नजदीक पहुंचे और ट्रैंकुलाइजर गन से डार्ट (इंजेक्शन जैसा तीर)दागा। निशाना सही लगते ही कबरा बेहोश होकर गिर पड़ा। इसके बाद टीम ने उसे सुरक्षित तरीके से बांध लिया।

अभियान के दौरान कबरा के साथ झुंड के अन्य हाथी भी मौजूद थे। उन्हें घटनास्थल से दूर रखने के लिए विशेष सावधानी बरती गई, ताकि अभियान के दौरान किसी तरह की अनहोनी न हो। कबरा को ट्रैंकुलाइज किए जाने के बाद अब उसे रेडियो कॉलर पहनाने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके बाद उसे रेस्क्यू सेंटर भेजा जाएगा।

जल, जंगल और जमीन की लड़ाई में क्षेत्रवासियों के साथ खड़ी है कांग्रेस-सुखदेव भगत

सूरजपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी वोट बचाओ–देश बचाओ अभियान के तहत प्रेमनगर विकासखंड के ग्राम कांटारोली में आयोजित विशाल जनचौपाल में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी एवं सांसद सुखदेव भगत के नेतृत्व में आयोजित इस जनचौपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने मंच से हुंकार भरते हुए जल, जंगल, जमीन, आदिवासी अस्मिता और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करने का संकल्प दोहराया।

छत्तीसगढ़ प्रभारी सांसद सुखदेव भगत तीन दिवसीय सरगुजा अंचल प्रवास के दौरान कांटारोली पहुंचे। जनचौपाल को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की लड़ाई में कांग्रेस क्षेत्रवासियों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आदिवासी हितों की अनदेखी करने और पेसा कानून एवं संविधान की पांचवीं अनुसूची की भावना के उल्लंघन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तारा कोल ब्लॉक और हसदेव बचाओ आंदोलन केवल जमीन का मुद्दा नहीं, बल्कि आदिवासियों की संस्कृति, पहचान, आजीविका और अस्मिता से जुड़ा सवाल है। कांग्रेस आदिवासियों की जमीन, जंगल और अधिकारों की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

सुखदेव भगत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए वोट चोरी और देश की सार्वजनिक संपत्तियों को निजी हाथों में सौंपने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सत्ता से बड़ा संविधान है और संविधान से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। कांग्रेस और राहुल गांधी सड़क से लेकर सदन तक आम जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने जनता से कांग्रेस को मजबूत करने और लोकतंत्र तथा संविधान की रक्षा की लड़ाई में सहभागी बनने का आह्वान किया।इसके पूर्व कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया और अतिथियों का अभिनंदन किया। जनचौपाल में कांग्रेस नेताओं ने स्थानीय मुद्दों के साथ–साथ लोकतांत्रिक अधिकारों, आदिवासी हितों और क्षेत्रीय विकास से जुड़े सवालों को जन भानुप्रताप सिंह, रायपुर के पूर्व पाठक, सफी अहमद, दानिश गोयल, संजय डोसी,नरेंद्र जैन, संदीप शर्मा, चंद्रदत्त दुबे, सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, कांग्रेस के जिला, ब्लॉक, मंडल व बूथ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

साइबर अपराधों की जांच के लिए बनेगा विशेष सेल

अम्बिकापुर,, (प्रतिदिन राजधानी)



सरगुजा जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण, लंबित मामलों के शीघ्र निराकरण और पुलिसिंग व्यवस्था को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल ने बुधवार को पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर में अपराध समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले के राजपत्रित पुलिस अधिकारियों और सभी थाना–चौकी प्रभारियों को लंबित मामलों के निराकरण के साथ कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। इस दौरान सीसीटीएनएस 2.0 परियोजना के तहत थानों को आधुनिक तकनीकी संसाधन भी उपलब्ध कराए गए।

बैठक में पुराने लंबित अपराधों, शिकायतों, मर्ग, गुम इंसान, चालान, खात्मा और खारिजी प्रकरणों की समीक्षा की गई। एसएसपी ने लंबित मामलों का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा पुराने चालानों को शीघ्र न्यायालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में अपराधों की लंबित संख्या को 10 प्रतिशत तक सीमित करने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए सभी प्रभारियों को गंभीरता से कार्य करने को कहा। लंबित स्थाई वारंटों की शत–प्रतिशत तामीली सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। साइबर अपराधों की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए आईटी एक्ट से जुड़े मामलों की प्रभावी विवेचना के लिए विशेष सेल गठित करने के निर्देश दिए गए। एनसीआरपी और एमआरएम पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा म्यूल अकाउंट से जुड़े मामलों में सख्त वैधानिक कार्रवाई करने को कहा गया। इसके साथ ही सीसीटीएनएस पोर्टल पर सभी आवश्यक जानकारियां समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए गए।

चोरी और नकबजनी के मामलों में गिरफ्तारी पर जोर

संपत्ति संबंधी अपराधों की समीक्षा करते हुए चोरी और नकबजनी के लंबित मामलों में आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा शत–प्रतिशत चोरी गई संपत्ति की बरामदगी सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, आबकारी एक्ट सहित अन्य कानूनों के तहत अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। मोटर व्हीकल एक्ट के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालानी कार्रवाई बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में बढ़ेगी पुलिस की मौजूदगी

आम नागरिकों में सुरक्षा की भावना मजबूत करने के लिए सभी थाना और चौकी प्रभारियों को भीड़भाड़ वाले तथा संवेदनशील स्थानों पर नियमित विजिबल पुलिसिंग करने के निर्देश दिए गए।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार 20 नवंबर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in







ग्वालियर में दूरसंचार उद्योग को मिलेगी रफ्तार, 25 कंपनियों को आशय पत्र

170 एकड़ में विकसित होगा दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र, 5500 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता से 20 हजार रोजगार की संभावना

भोपाल। ग्वालियर को दूरसंचार उपकरणों के विनिर्माण और तकनीकी विकास के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में केंद्र और मध्य प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। भोपाल में 19 नवंबर को आयोजित कार्यक्रम में ग्वालियर के दूरसंचार विनिर्माण क्षेत्र में निवेश करने वाली 25 कंपनियों को आशय पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया की उपस्थिति में परियोजना के दूसरे चरण की भी घोषणा की गई।





5500 करोड़ के निवेश से रोजगार की उम्मीद

दूरसंचार विभाग द्वारा नई दिल्ली और मुंबई में निवेशकों के साथ आयोजित बैठकों में 5500 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुई थीं। इनसे लगभग 20 हजार रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना जताई गई है। निवेश आकर्षित करने के लिए नई दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में निवेशकों से संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

सेवा प्रदाता से उत्पाद निर्माता बनने पर जोर

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कहा कि भारत दूरसंचार सेवाओं में वैश्विक नेतृत्व स्थापित करने के बाद अब विनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश को केवल सेवाएं उपलब्ध कराने के बजाय दूरसंचार उत्पादों के निर्माण में भी अग्रणी बनना होगा। इसके लिए उद्योगों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

170 एकड़ में विकसित होंगी औद्योगिक सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि प्रदेश मंत्रिमंडल ने इस परियोजना के लिए 170 एकड़ भूमि को मंजूरी दी है। यहां दूरसंचार उपकरणों, कलपुर्जों, ऑप्टिकल फाइबर, सॉफ्टवेयर और पैसिव इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी विनिर्माण सुविधाएं विकसित की जाएंगी। अनुसंधान, विकास और नवाचार को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र के लिए विशेष विनिर्माण क्षेत्र विकसित करना केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों का उदाहरण है। परियोजना का उद्देश्य घरेलू उत्पादन बढ़ाना, आयात पर निर्भरता कम करना और निर्यात को प्रोत्साहित करना है।

ग्रीस, स्पेन और नेपाल के राजदूतों ने राष्ट्रपति को सौंपे परिचय-पत्र

राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने तीनों देशों के राजदूतों के परिचय-पत्र स्वीकार किए

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 19 नवंबर 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में ग्रीस, स्पेन और नेपाल के राजदूतों के परिचय-पत्र स्वीकार किए। इस अवसर पर तीनों देशों के राजदूतों ने राष्ट्रपति के समक्ष औपचारिक रूप से अपने परिचय-पत्र प्रस्तुत किए। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह के दौरान ग्रीस के राजदूत जार्जियोस पेटमेज़ाकिस, स्पेन के राजदूत अल्फ्रेडो मार्टिनेज़ सेरानो और नेपाल के राजदूत निश्चल नाथ पाण्डे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को अपने परिचय-पत्र सौंपे।

भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने 19 नवंबर को इस संबंध में जानकारी जारी की।

डिजिटल सेवाओं में भाषाई बाधाएं दूर करने की दिशा में भाषिणी की पहल

- दक्षिण दिवस 2026 में बहुभाषी एआई तकनीक का प्रदर्शन, शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और बैंकिंग सेवाओं में उपयोग की संभावनाएं सामने आईं

नई दिल्ली। डिजिटल सेवाओं को विभिन्न भाषाओं में सुलभ बनाने की दिशा में डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग ने दक्षिण दिवस 2026 में अपनी वॉयस-फर्स्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बहुभाषी तकनीकी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। 17 और 18 नवंबर को इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत, अफ्रीका और अन्य साझेदार देशों के नीति-निर्माताओं, राजनयिकों तथा विशेषज्ञों ने विकासशील देशों के बीच सहयोग की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम का आयोजन विकासशील देशों के लिए अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस) ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से किया। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के भाषिणी प्रभाग ने पहले दिन प्रदर्शनी स्टॉल के माध्यम से अपनी तकनीकों की जानकारी दी।



आवाज और अनुवाद आधारित सेवाओं का प्रदर्शन

प्रदर्शनी में बहुभाषी अनुवाद, वाक् पहचान, वाक् संश्लेषण, प्रतिलेखन, लिप्यंतरण और आवाज के माध्यम से संवाद जैसी सुविधाओं का लाइव प्रदर्शन किया गया। इन तकनीकों के माध्यम से शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, बैंकिंग और कानूनी सेवाओं में नागरिकों को उनकी पसंदीदा भाषा में डिजिटल जानकारी उपलब्ध कराने की संभावनाएं बताई गईं।

विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने भाषिणी स्टॉल का अवलोकन किया और टीम से तकनीकी क्षमताओं की जानकारी ली। उन्होंने भाषिणी को उपयोगी मंच बताते हुए कहा कि वे स्वयं इसका उपयोग कर चुके हैं।

36 भारतीय लिखित भाषाओं को समर्थन

भाषिणी वर्तमान में 36 भारतीय लिखित भाषाओं, 23 भारतीय वाक् भाषाओं और 35 अंतरराष्ट्रीय भाषाओं को समर्थन प्रदान करता है। इसका उद्देश्य सरकारी विभागों, डेवलपर्स और शोधकर्ताओं को बहुभाषी एआई आधारित सेवाएं विकसित करने में सक्षम बनाना है।

प्रदर्शनी में डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के महत्वपूर्ण घटक के रूप में भाषा एआई की भूमिका भी सामने रखी गई। साथ ही विभिन्न भाषाई परिवेशों में डिजिटल सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय संस्थागत सहयोग को मजबूत करने की संभावनाओं पर जोर दिया गया।



भारत-मलेशिया का संयुक्त सैन्य अभ्यास 'हरिमौ शक्ति' शुरू, 240 सैनिक ले रहे हिस्सा

- 30 नवंबर तक चलेगा छठा संयुक्त सैन्य अभ्यास, आतंकवाद-रोधी अभियानों और आधुनिक ड्रोन तकनीक पर रहेगा विशेष जोर

इपोह (मलेशिया)। भारत और मलेशिया के बीच छठा संयुक्त सैन्य अभ्यास 'हरिमौ शक्ति' 19 नवंबर से मलेशिया के इपोह में शुरू हो गया है। यह अभ्यास 30 नवंबर 2026 तक चलेगा। इसमें दोनों देशों के 120-120 सैन्यकर्मी भाग ले रहे हैं। अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद-रोधी अभियानों में दोनों सेनाओं के बीच समन्वय, सामरिक तालमेल और संयुक्त कार्रवाई की क्षमता को मजबूत करना है।



जंगल और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में होगा संयुक्त प्रशिक्षण

हरिमौ शक्ति भारत और मलेशिया के बीच बारी-बारी से आयोजित होने वाला द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास है। इस बार संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के अध्याय 7 के तहत उप-पारंपरिक अभियानों के संचालन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। दोनों देशों की सैन्य टुकड़ियां जंगल और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में संयुक्त योजना, सामरिक कार्रवाई और आधुनिक तकनीकों के उपयोग का प्रशिक्षण लेंगी।

अभ्यास के शुरुआती चरण में दोनों सेनाएं एक-दूसरे की परिचालन प्रक्रियाओं से परिचित होंगी। इसके बाद संयुक्त कमान पोस्ट और निगरानी केंद्र स्थापित करने, छापेमारी, घेराबंदी, तलाशी अभियान तथा युद्धक इंजीनियरिंग से संबंधित गतिविधियों का अभ्यास किया जाएगा।

ड्रोन और ड्रोन-रोधी तकनीक पर विशेष जोर

सैन्य अभ्यास में टोही और निगरानी के लिए मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) के एकीकृत उपयोग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके साथ ही शत्रु के ड्रोन का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने वाली ड्रोन-रोधी प्रणालियों (सी-यूएएस) का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अभ्यास का समापन आतंकवाद-रोधी अभियान के काल्पनिक परिदृश्य पर आधारित संयुक्त सटीकता जांच अभ्यास से होगा। इसमें समन्वित जमीनी कार्रवाई, एकीकृत निगरानी और मानवरहित प्रणालियों का इस्तेमाल किया जाएगा।

यह संयुक्त अभ्यास दोनों देशों की सेनाओं को रणनीतिक, तकनीकी और परिचालन संबंधी अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान करेगा। साथ ही भारत और मलेशिया के बीच रक्षा सहयोग, आपसी समझ और द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मत्स्य पालन में आधुनिक तकनीक और नवाचार से खुलेंगे विकास के नए रास्ते

भुवनेश्वर में 14वां भारतीय मत्स्य एवं जलीय कृषि सम्मेलन शुरू, भारत सहित सात देशों के एक हजार से अधिक प्रतिनिधि शामिल

भुवनेश्वर। ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के केंद्रीय मीठाजल जलीय कृषि संस्थान (आईसीएआर-सीआईएफए) में 18 नवंबर को 14वें भारतीय मत्स्य एवं जलीय कृषि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय सम्मेलन में भारत और छह अन्य देशों के एक हजार से अधिक वैज्ञानिक, शोधकर्ता, नीति निर्माता, उद्यमी और मत्स्य पालक भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक अनुसंधान और सतत विकास के माध्यम से मत्स्य पालन क्षेत्र को मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया जा रहा है।



नवाचार और आधुनिक तकनीक अपनाने पर जोर

सम्मेलन का उद्घाटन एशिया-प्रशांत जलीय कृषि केंद्रों के नेटवर्क (एनएसीए) के महानिदेशक डॉ. एडुआर्डो लियानो ने किया। उन्होंने जलीय कृषि में बदलाव के लिए नवाचार और आधुनिक तकनीक अपनाने की गति बढ़ाने पर जोर दिया। आईसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. जे. के. जेना ने उन्नत अनुसंधान और मजबूत मूल्य श्रृंखला विकसित करने की आवश्यकता बताई। राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के मुख्य कार्यकारी डॉ. बी. के. बेहरा ने मछुआरों की आजीविका सुधारने के लिए मत्स्य सहकारी समितियों को सशक्त बनाने पर बल दिया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जीनोम एडिटिंग पर चर्चा

'जलीय कृषि और मत्स्य पालन में बदलावः विज्ञान और समाज के बीच सेतु निर्माण' विषय पर आयोजित सम्मेलन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जीनोम एडिटिंग, उन्नत प्रजनन तकनीक, मत्स्य आहार, जलीय जीवों के स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की जा रही है। संस्थान के निदेशक एवं सम्मेलन संयोजक डॉ. पी. के. साहू ने वैज्ञानिक अनुसंधान के परिणामों को मत्स्य पालकों के लिए व्यावहारिक समाधान में बदलने की आवश्यकता बताई।

20 एजेंसियों ने प्रदर्शित की नई तकनीक

सम्मेलन के साथ आयोजित प्रदर्शनी में 20 एजेंसियां मत्स्य पालन और जलीय कृषि से जुड़ी तकनीक, उत्पाद एवं सेवाएं प्रदर्शित कर रही हैं। उद्घाटन समारोह में वैज्ञानिक प्रकाशनों का विमोचन किया गया तथा मत्स्य विज्ञान में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वैज्ञानिकों को एसोसिएशन ऑफ एक्वाकल्चरिस्ट्स के फेलो पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मेलन का समापन 20 नवंबर को निर्धारित है।



इंदिरा गांधी की जयंती पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अर्पित की पुष्पांजलि

- संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी सहित सांसदों और पूर्व सदस्यों ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर संसद के कई प्रमुख नेताओं, वर्तमान एवं पूर्व सदस्यों ने भी इंदिरा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए।



खड़गे और सोनिया गांधी ने भी अर्पित किए श्रद्धासुमन

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद सोनिया गांधी ने इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान संसद के वर्तमान और पूर्व सदस्यों ने भी पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी।

लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी ने भी इंदिरा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनका स्मरण किया।

1987 में हुआ था इंदिरा गांधी के चित्र का अनावरण

संविधान सदन के सेंट्रल हॉल में स्थापित इंदिरा गांधी के चित्र का अनावरण 19 नवंबर 1987 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति आर. वेंकटरमन ने किया था। उस समय संविधान सदन को संसद भवन के नाम से जाना जाता था। इसी सेंट्रल हॉल में इंदिरा गांधी की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

प्रधानमंत्री मोदी 20 नवंबर को करेंगे एससीओ सभ्यतागत संवाद फोरम का उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 20 नवंबर को शाम 5:30 बजे पुराना किला में प्रथम शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सभ्यतागत संवाद फोरम का उद्घाटन करेंगे। 20 से 22 नवंबर तक आयोजित फोरम में विद्वान, शिक्षाविद् और सांस्कृतिक प्रतिनिधि साझा सभ्यतागत विरासत, कला, साहित्य और सांस्कृतिक सहयोग पर चर्चा करेंगे। उद्घाटन समारोह में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' विषय पर सांस्कृतिक प्रस्तुति होगी। इस दौरान दिल्ली के प्राचीन इतिहास और दुर्लभ महाभारत पांडुलिपि से संबंधित प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी।



आयुष उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता बढ़ाने पर जोर, सात संस्थानों को मिले प्रमाण-पत्र

- केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने वितरित किए 'आयुष क्वालिटी मार्क' प्रमाण-पत्र, अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन और वैज्ञानिक प्रमाणों को बताया जरूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने 19 नवंबर को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सात संस्थानों और कंपनियों को 'आयुष क्वालिटी मार्क' प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस पहल का उद्देश्य आयुष उत्पादों और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, मानकीकरण तथा वैश्विक विश्वसनीयता को मजबूत करना है।

जाधव ने कहा कि 'आयुष क्वालिटी मार्क' आयुष उत्पादों और सेवाओं की सुरक्षा, शुद्धता तथा प्रामाणिकता के प्रति जनता के विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता को नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए कच्चे माल की खरीद, निर्माण, परीक्षण और लेबलिंग में कड़े मानकों का पालन करने पर जोर दिया।

वैश्विक स्वीकार्यता के लिए वैज्ञानिक प्रमाण जरूरी

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयुष को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक पहचान मिली है। पारंपरिक चिकित्सा की वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक प्रमाण, निरंतर गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानकों को अपनाना आवश्यक है।





गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संस्थागत ढांचा

जाधव ने बताया कि आयुष मंत्रालय ने 'आयुष औषधि गुणवत्ता एवं उत्पादन संवर्धन योजना' (एओजीयूएसवाई) के तहत 'आयुष क्वालिटी मार्क' लागू करने के लिए आयुष एक्सिल को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। इससे गुणवत्ता आश्वासन का संस्थागत ढांचा विकसित होगा और घरेलू उपभोक्ताओं सहित अंतरराष्ट्रीय खरीदारों का विश्वास बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

उन्होंने डब्ल्यूएचओ-जीएमपी आवश्यकताओं, फार्माकोपियल मानकों, गुणवत्ता परीक्षण और पारदर्शी लेबलिंग का पालन करने पर जोर दिया। साथ ही आयुष एक्सिल से लघु एवं मध्यम उद्यमों को तकनीकी मार्गदर्शन और क्षमता निर्माण में सहयोग देने का आह्वान किया।

इन संस्थानों को मिले प्रमाण-पत्र

कार्यक्रम में सत्कर संजीवनी, श्री श्री वेलबीइंग, एसएनए आयुर्वेदिक नर्सिंग होम, राष्ट्रीय आयुर्वेद महाविद्यालय हिसार, अपोलो आयुर्वेद अस्पताल (दो यूनिट), एडवेन बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड और महर्षि आयुर्वेद लिमिटेड को प्रमाण-पत्र दिए गए।

इस अवसर पर आयुर्वेद सलाहकार डॉ. रघु, आयुष एक्सिल के प्रतिनिधि, निर्माता, निर्यातक, वैज्ञानिक और आयुष मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार 20 नवंबर 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक निवेश का नया अध्याय... इंडस्ट्री डायलॉग में 1.07 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री ने 24 उद्योग समूहों को सौंपे इन्विटेशन टू इन्वेस्ट लेटर लगभग 20 हजार युवाओं के लिए सृजित होंगे रोजगार के अवसर

डेढ़-दो वर्षों में साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव, लगभग 60 औद्योगिक परियोजनाओं में काम शुरू

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)





मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ औद्योगिक निवेश और आर्थिक विकास के नए केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। राज्य सरकार की नई औद्योगिक विकास नीति और निवेश अनुकूल वातावरण के उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। आज नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ इंडस्ट्री डायलॉग चैप्टर–3 में प्रदेश को 24 उद्योग समूहों के माध्यम से 1 लाख 7 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावित निवेशों से प्रदेश के लगभग 20 हजार युवाओं के लिए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में निवेशक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को इन्विटेशन टू इन्वेस्ट लेटर सौंपे और प्रदेश में निवेश के प्रति उनके विश्वास का स्वागत किया। उन्होंने उद्योगपतियों से आत्मीय संवाद कर उनके सुझाव सुने तथा उद्योग स्थापना से लेकर परियोजनाओं के क्रियान्वयन तक राज्य सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उद्योगों के लिए आवश्यक संसाधन, बेहतर अधोसंरचना, पर्याप्त बिजली–पानी, कुशल मानव संसाधन और अनुकूल नीतिगत वातावरण उपलब्ध है। देश के मध्य में स्थित होने के कारण प्रदेश को बेहतर कनेक्टिविटी और बाजारों तक पहुंच का भी लाभ मिलता है। हमारी सरकार इन विशेषताओं को बड़े औद्योगिक निवेश, स्थानीय रोजगार और प्रदेश की आर्थिक समृद्धि में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है।

निवेश प्रस्तावों से आगे बढ़कर धरातल पर उतर रही औद्योगिक परियोजनाएं

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अगले महीने राज्य सरकार के तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस अवधि में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति और देश–विदेश में आयोजित इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग डेढ़–दो वर्षों में प्रदेश को साढ़े आठ लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि निवेश प्रस्ताव अब वास्तविक औद्योगिक परियोजनाओं का स्वरूप ले रहे हैं। प्रदेश में लगभग 60 औद्योगिक परियोजनाओं में कार्य प्रारंभ हो चुका है। इससे स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ के प्रति निवेशकों का भरोसा केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वास्तविक निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के रूप में दिखाई दे रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी प्राथमिकता केवल निवेश प्रस्ताव प्राप्त करना नहीं, बल्कि उन्हें समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारना और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसर सृजित करना है।

निवेशकों के लिए सरल प्रक्रियाएं, पारदर्शी व्यवस्था और त्वरित निर्णय

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार उद्योग स्थापना की प्रक्रियाओं को निरंतर सरल बना रही है। सिंगल विंडो सिस्टम को अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, ताकि निवेशकों को आवश्यक अनुमतियां पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से प्राप्त हो सकें।

उन्होंने बताया कि जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से छोटे और प्रक्रियागत उल्लंघनों के लिए आपराधिक दंड के स्थान पर आर्थिक दंड की व्यवस्था की गई है। इससे व्यापार और उद्योगों के लिए अधिक विश्वासपूर्ण वातावरण तैयार हुआ है। सरकार का प्रयास है कि उद्यमी अनावश्यक प्रक्रियाओं में समय लगाने के बजाय उत्पादन, नवाचार और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई से बस्तर की परिस्थितियों में ऐतिहासिक बदलाव आ रहा है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने युवाओं से किया आत्मीय संवाद सफलता के साथ अच्छे नागरिक बनने का दिया संदेश

उप मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट विद्यार्थियों और खिलाड़ियों का किया सम्मान, 80 लाख के विकास कार्यों की घोषणा की

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)



उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज मुंगेली जिले के ग्राम कोतरी के सरदार वल्लभ भाई पटेल राजकीय महाविद्यालय में आयोजित युवा संवाद में विद्यार्थियों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता हासिल करने के साथ एक अच्छा नागरिक बनना भी जरूरी है। सफलता कम मिले तो निराश न हो। कठिन परिस्थितियों में भी हौसले के साथ आगे बढ़ते रहें। जल्दी सफलता मिलने पर जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार रहें।

श्री साव ने महाविद्यालय की व्यवस्थाओं और सुंदर परिसर की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस महाविद्यालय का संचालन महानगरों के स्तर की व्यवस्थाओं के साथ हो रहा है। यहां के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर के एनएसएस शिविर में शामिल होकर क्षेत्र का गौरव बढ़ा रहे हैं। यह पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। विद्यार्थियों की ये उपलब्धियां लोरमी को पहचान दिलाएंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने टेबल टेनिस में लगातार चार वर्षों से महाविद्यालय का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों की सराहना की। उन्होंने उत्कृष्ट विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। छात्र–छात्राओं के रक्तदान की सराहना करते हुए श्री साव ने कहा कि रक्तदान महादान है। यह किसी जरूरतमंद को जीवन देने का सबसे बड़ा सेवा कार्य है। युवाओं का यह सेवाभाव समाज के लिए प्रेरणादायी है।

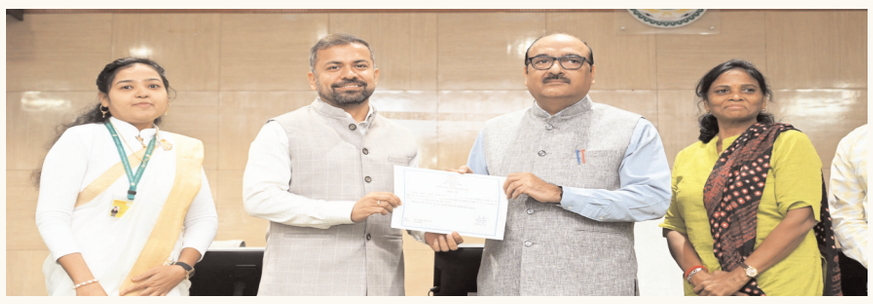
श्री साव ने कहा कि युवाओं को अपनी पढ़ाई और खेलों के साथ समाज सेवा के प्रति भी समर्पित होना चाहिए। जीवन में अपनी सफलता के साथ समाज और देश के लिए भी योगदान देने का भाव रखे। युवा अपनी प्रतिभा और मेहनत से अपना भविष्य संवारे, साथ ही अपने गांव, क्षेत्र और छत्तीसगढ़ का नाम भी रोशन करे।

विकास कार्यों की घोषणा की

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कालेज बाउंड्रीवाल निर्माण के लिए 30 लाख रुपए, मंच के लिए 10 लाख रुपए एवं खेल मैदान के उन्नयन के लिए 40 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पहुंच मार्ग के लिए पहले ही 19 लाख रुपए की स्वीकृति हो चुकी है।

मुख्य सचिव ने ई-ऑफिस एवं उपस्थिति रैंकिंग में हुए निरंतर सुधार पर अधिकारियों-कर्मचारियों को दी बधाई

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)



मुख्य सचिव विकासशील ने ई–ऑफिस एवं उपस्थिति (अटेंडेंस) रैंकिंग में निरंतर हो रही सुधार पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दोनों ही क्षेत्रों में उत्साहजनक प्रगति देखने को मिल रही है। इस बार 1 अप्रैल से 31 अक्टूबर तक की सात माह की संचयी (कम्युलेटिव) रैंकिंग का आकलन भी किया गया है, जिसमें उल्लेखनीय सुधार परिलक्षित हुआ है। मुख्य सचिव द्वारा ई–ऑफिस में उत्कृष्ट काम करने के लिए अधिकारियों–कर्मचारियों, मंत्रालय के विभागों और विभागाध्यक्ष कार्यालयों और जिला कार्यालयों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया है।

मुख्य सचिव ने सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देशित किया कि ई–ऑफिस एवं उपस्थिति व्यवस्था में अब तक हुए सुधारों का व्यवस्थित दस्तावेजीकरण कराया जाए। साथ ही, यह भी आकलन किया जाए कि अब तक कितनी प्रगति हुई है और भविष्य में किन क्षेत्रों में और बेहतर सुधार किए जा सकते हैं। उन्होंने इस संबंध में फीडबैक सर्वे कराने के निर्देश भी दिए, ताकि व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझावों को शामिल किया जा सके।

मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया कि वे अपने–अपने जिलों में ई–ऑफिस एवं उपस्थिति व्यवस्था में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित करें तथा उनके कार्यों की सराहना करें। उन्होंने कहा कि मंत्रालय को एक आदर्श कार्यालय के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और निरंतर सुधार की भावना आवश्यक है।

मंत्रालय में आयोजित इस समारोह में मुख्य सचिव ने ई–ऑफिस में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रथम से पांचवां स्थान प्राप्त करने वाले विभागों में चिकित्सा शिक्षा विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जनसम्पर्क विभाग एवं आदिम जाति विकास विभाग को सम्मानित किया। इसके साथ ही अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारियों को ई–ऑफिस के लिए सम्मानित किया गया।

राज्यपाल रमेन डेका से छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने की सौजन्य भेंट



रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोक भवन में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने सौजन्य भेंट की । उन्होंने राज्यपाल को आगामी 23 नवंबर 2026 को मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषय पर आयोजित प्रशिक्षण सह कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

कांग्रेस और समूचा विपक्ष संविधान बदलने का झूठा भय फैलाकर देश को गुमराह कर रहा : रामदास आठवले

एजेंसी, नई दिल्ली



रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित संविधान सम्मान रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत विपक्षी दल केंद्र सरकार पर संविधान बदलने के भ्रामक और निराधार आरोप लगाकर देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता आगामी विधानसभा चुनावों में विपक्ष के इस दुष्प्रचार का लोकतांत्रिक तरीके से करारा जवाब देगी।

तालकटोरा स्टेडियम में उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए रामदास आठवले ने कहा कि आने वाले दिनों में देश के विभिन्न राज्यों, जिलों, तहसीलों और गांवों में संविधान सम्मान कार्यक्रम आयोजित करेगी। इन कार्यक्रमों के माध्यम से संविधान के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने के साथ–साथ सामाजिक न्याय एवं समानता के बाबासाहेब के संदेश को जन–जन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों को गंभीर रूप से प्रभावित किया, वे आज संविधान और लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता लोकतंत्र और संविधान के प्रति पूरी तरह जागरूक है तथा वह राजनीतिक दुष्प्रचार को भली–भांति समझती है।

कोहरे के मौसम में संरक्षित ट्रेन परिचालन के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की विशेष तैयारी

लोको पायलटों को सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की सटीक जानकारी देने में सहायक हैं 3657 फॉग सेफडिवाइस

बिलासपुर/ रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)





सर्दियों के मौसम में कोहरे के कारण ट्रेन परिचालन में आने वाली चुनौतियों से निपटने तथा यात्रियों की संरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा विशेष तैयारियां की गई हैं। इसी क्रम में रेलवे द्वारा अपने तीनों रेल मंडलों में लगभग 3657 फॉग सेफ डिवाइस उपलब्ध कराए गए हैं। जीपीएस आधारित यह आधुनिक उपकरण घने कोहरे के दौरान लोको पायलटों को रेल मार्ग में आने वाले सिग्नल, लेवल क्रॉसिंग गेट, रेलवे स्टेशन एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थलों की सटीक जानकारी प्रदान करने में सहायक हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का रेल नेटवर्क भौगोलिक दृष्टि से विविध क्षेत्रों में फैला हुआ है। इसमें मैदानी क्षेत्रों के साथ–साथ घने जंगलों एवं पहाड़ी क्षेत्र भी शामिल हैं। विशेष रूप से खोंगसरा एवं भनवारटंक के आसपास के रेलखंडों में सर्दियों के दौरान घना कोहरा ट्रेन परिचालन को प्रभावित करता है। ऐसे में ट्रेन परिचालन के दौरान लोको पायलटों को सिग्नल एवं रेल मार्ग को देखने में फॉग सेफ डिवाइस महत्वपूर्ण सहायक की भूमिका निभाता है।

क्या है फॉग सेफडिवाइस और कैसे करता है काम?

फॉग सेफ डिवाइस एक जीपीएस आधारित नेविगेशन उपकरण है, जो लोको पायलट को रेल मार्ग की पूर्व निर्धारित जानकारी उपलब्ध कराता है। इसमें एक एंटीना लगा होता है, जो जीपीएस सिग्नल प्राप्त करता है। साथ ही, इसकी मेमोरी में संबंधित रेल मार्ग की जानकारी पहले से फीड रहती है। इसमें मार्ग में पड़ने वाले रेलवे स्टेशन, सिग्नल, मानवित एवं अमानवित समपार फाटक तथा न्यूट्रल सेक्शन जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का विवरण दर्ज होता है।

यह उपकरण लोको पायलट को इन स्थलों के संबंध में स्क्रीन पर जानकारी प्रदर्शित करने के साथ–साथ ऑडियो अलर्ट भी प्रदान करता है। इसके माध्यम से भौगोलिक क्रम में आने वाले अगले तीन निर्धारित सिग्नल की जानकारी लगभग 500 मीटर पहले तक प्राप्त हो सकती है। इससे लोको पायलट को आगे आने वाले महत्वपूर्ण सिग्नलों के प्रति पहले से सतर्क रहने और निर्धारित परिचालन नियमों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने में सहायता मिलती है।

पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत का दीपावली मिलन समारोह

हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न, 350 से अधिक अतिथि हुए शामिल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मोहन सुंदरानी का किशोर साहू राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर महापंचायत ने किया सम्मान





पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी सेवा महापंचायत द्वारा बुधवार को वुड कैसल होटल, रायपुर में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। समारोह में रायपुर सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 350 अतिथियों ने सहभागिता की। देर रात तक चले इस आयोजन में समाज के लोगों ने एक–दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया।

महापंचायत के इस आयोजन में समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सामूहिक सहभागिता देखने को मिली। अध्यक्ष अमर गिदवानी, महामंत्री जीतू बडवानी, सह कोषाध्यक्ष सुदेश मंध्यान, उपाध्यक्ष राजेश गुरनानी, संपर्ककर्ता अमरदास खट्टर, हरिराम तलरेजा एवं प्रवक्ता दिनेश आनंद अठवानी सहित पूरी टीम ने आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं अजीत आनंद कुकरेजा, राधाकिशन सुंदरानी, दल्ली राजहरा से गोविंद वाधवानी, चेयरमैन चेतन तारवानी, राधा राजपाल, अशोक मलानी, सिविल लाइंस पंचायत के अध्यक्ष संजय जयसिंघ, सचिव मोहन वर्ल्यानी, महिला टीम की अध्यक्ष भावना कुकरेजा तथा युवा अध्यक्ष राशि बलवानी सहित अनेक सदस्यों का विशेष योगदान रहा। महिला समूह की सक्रिय सहभागिता भी समारोह का महत्वपूर्ण आकर्षण रही।

समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ी सिनेमा के वरिष्ठ निर्माता एवं ख्यातिलब्ध सिनेमाकार मोहन सुंदरानी को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के हाथों 'किशोर साहू राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किए जाने पर महापंचायत की ओर से विशेष सम्मान किया गया। छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारों के बीच उन्हें शाल, श्रीफल एवं दोहड़ भेंटकर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि मोहन सुंदरानी का योगदान छत्तीसगढ़ी सिनेमा के विकास और पहचान को स्थापित करने में महत्वपूर्ण रहा है। उनके योगदान के बिना छत्तीसगढ़ी सिनेमा की यात्रा अधूरी मानी जाएगी।

कार्यक्रम के अंत में सीए चेतन तारवानी ने समारोह में शामिल सभी अतिथियों, समाजजनों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्य सचिव ने बस्तर संभाग के समग्र विकास के लिए प्रस्तावित योजनाओं की समीक्षा की

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)



मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में गुरुवार को मंत्रालय महानदी भवन में बस्तर संभाग से जुड़े विभिन्न विकासात्मक और प्रस्तावित बजट की समीक्षा की गई। बैठक में बस्तर क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण, आजीविका, जनजातीय संस्कृति के संरक्षण, वनाधिकार और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने से संबंधित प्रस्तावों एवं उनकी प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भारत सरकार के जनजातीय मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री मनीष ठाकुर एवं संचालक समीधा सिंह विशेष रूप से शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने कहा कि बस्तर क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों और बालवाड़ियों में जनजातीय भाषाओं पर आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हलबी, गोंडी और भतरी जैसी भाषाओं में शिक्षण सामग्री, कार्य पुस्तिकाएं, चित्र पुस्तकें, द्विभाषी शब्दकोश तथा शिक्षक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की समझ, सहभागिता और राज्य भाषा में सहज संक्रमण को सुदृढ़ करने पर विचार किया गया।